सोमवार

26 अगस्त 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

पटना जीआरपी थानेदार समेत 5 पुलिसकर्मी पर एफआईआर, तीन सस्पेंड 2

गया के पास डिरेल हुई मालगाड़ी, परिचालन बाधित

- मानपुर रसलपुर स्टेशन के पास मालगाड़ी के आठ डिब्बे पटरी से उतरे
- घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद रेल सेवा बहाल करने का काम युद्धस्तर पर जारी रहा

केटी न्यूज/पटना

बिहार के गया-धनबाद रेल लाइन पर रविवार को गया से आ रही एक मालगाड़ी की आठ बोगी मानपुर रसलपुर स्टेशन के पास पटरी से उतर गए, जिसके कारण गया-नवादा मार्ग पर आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई। घटना रसलपुर गुमटी के पास हुई, जिसके कारण इस मार्ग पर यातायात पूरी तरह से बंद हो गया। मालगाड़ी में कोयला भरा हुआ था। जो बंधुआ स्टेशन से नवादा की ओर जा रही थी। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र के अनुसार यह हादसा पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल के बंधुआ-पैमार रेल लाइन के किमी 06/06 के पास हुआ। मालगाड़ी के आठ डिब्बे पटरी से उतर जाने के बाद इस रेल लाइन पर परिचालन पूरी तरह ठप हो गया है। खबर लिखे जाने तक घटना के बाद आरा, गया और दानापुर से दुर्घटना राहत गाड़ियां मौके पर पहुंच गई और आरओआर के जरिए रेल सेवा बहाल करने का काम युद्धस्तर पर चल रहा था। सरस्वती चन्द्र ने बताया कि सर्फेस लाइन पर आवागमन में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं हुआ।

बिजनौर में चलती ट्रेन दो हिस्सों में बंटी, बड़ा हादसा टला

एजेंसी/बिजनौर

उत्तर प्रदेश के बिजनौर में एक बड़ा रेल हादसा टल गया। यहां फिरोजपुर से धनबाद जा रही किसान एक्सप्रेस ट्रेन कपलिंग टूटने की वजह से दो हिस्सों में बंट गई। इंजन से जुड़ा हिस्सा तो इंजन के साथ ही आगे निकल गया, लेकिन पीछे की आठ बोगियों रेलवे ट्रैक पर कुछ दूर तक दौड़ने के बाद रुक गईं। गनीमत रही कि इस रेल हादसे में कोई अनहोनी नहीं हुई है। जानकारी होने पर मौके पर पहुंचे रेल अधिकारियों ने ट्रेन के दोनों हिस्सों को जोड़ने की कोशिश शुरू कर दी। यह घटना रविवार की सुबह करीब 4 बजे की है। स्थानीय पुलिस के मुताबिक इस ट्रेन में पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल होने के लिए कई अभ्यर्थी भी बैठे थे।

रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक यह ट्रेन फिरोजपुर से धनबाद के लिए निकली थी। जैसे यह ट्रेन बिजनौर के स्योहारा रेलवे स्टेशन से आगे बढ़ी, अचानक से इसकी कपलिंग टूट गई। इस ट्रेन में कुल 22 डिब्बे लगे थे, इनमें 8 डिब्बे कट कर अलग हो गए. रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक ट्रेन के दोनों हिस्सों को जोड़ने की कोशिश की जा रही है। थोड़ी देर में इस काम को पूरा करने के बाद ट्रेन को आगे के लिए रवाना कर दिया जाएगा।

घटना के बाद पीछे छूटी बोगियों में बैठे यात्रियों में हड़कंप मच गया। खासतौर पर ट्रेन के इस हिस्से में बैठे पुलिस भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों को परीक्षा छूटने का डर सताने लगा। ऐसे में छात्रों को बसों एंव अन्य माध्यमों से रवाना किया गया।

जलगांव में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन को प्रधानमंत्री ने किया संबोधित

महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य पाप है, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : मोदी

- पीएम मोदी बोले- महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों से निपटने के लिए केंद्र सरकार राज्य सरकारों के साथ खड़ी है
- देश में महिलाओं के साथ लगातार हो रहे अत्याचार पर पीएम ने तोड़ी चुप्पी

एजेंसी/मुंबई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को महिलाओं के खिलाफ अपराध को अक्षम्य पाप करार दिया और कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। मोदी की यह कड़ी टिप्पणी कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और उसकी हत्या तथा मुंबई के पास बदलापुर में दो स्कूली बच्चियों के यौन शोषण के खिलाफ विरोध-प्रदर्शनों के बाद आई है। महाराष्ट्र के जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, माताओं, बहनों और बेटियों की सुरक्षा देश की प्राथमिकता है। मैंने लाल किले से बार-बार इस मुद्दे को उठाया है। देश का कोई भी राज्य हो, मैं अपनी बहनों और बेटियों का दर्द और गुस्सा समझता हूं। मोदी ने कहा कि वह हर राजनीतिक दल और राज्य सरकार से कहेंगे कि महिलाओं के खिलाफ अपराध एक अक्षम्य पाप है। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी है, उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों के मददगारों को भी बख्शा नहीं जाना चाहिए। चाहे अस्पताल हो, स्कूल हो, सरकार हो या पुलिस थाना हो, जिस भी स्तर पर लापरवाही हुई हो, सभी को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। पीएम मोदी ने यह भी आश्वासन दिया कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों से निपटने के लिए केंद्र सरकार राज्य सरकारों के साथ खड़ी है।

पीड़ित महिलाएं घर बैठे दर्ज करा सकती हैं ई-एफआईआर

पीएम ने कहा, हमारी सरकार महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए लगातार कानून सख्त बना रही है। आज इतनी बड़ी संख्या में देश की बहनें और बेटियां यहां हैं। नए लागू किए गए भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इसमें पीड़ित महिलाओं के लिए घर बैठे ई-एफआईआर दर्ज कराने का प्रावधान है। उन्होंने कहा, 'पहले शिकायतें आती थीं कि एफआईआर समय पर दर्ज नहीं होती, सुनवाई नहीं होती, मामलों में देरी होती है। पीएम ने कहा, 'इसमें (भारतीय न्याय संहिता में) महिलाओं और बच्चों पर अत्याचार को लेकर एक पूरा अध्याय बनाया गया है। अगर पीड़ित महिलाएं थाने नहीं जाना चाहती हैं तो वे घर बैठे ई-एफआईआर दर्ज करा सकती हैं। हमने यह भी सुनिश्चित किया है कि थाने स्तर पर कोई भी ई-एफआईआर से छेड़छाड़ नहीं कर पाएगा।

बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं के राजनीति में आने से मजबूत होगा लोकतंत्र : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सुबह 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में भारत में बहुत कुछ हो रहा है जो विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि इस साल मैंने लाल किले से बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं को राजनीतिक व्यवस्था से जोड़ने का आह्वान किया है। मेरी इस बात पर जबरदस्त प्रतिक्रियाएं आई हैं। इससे पता चलता है कि कितनी बड़ी संख्या में हमारे युवा, राजनीति में आने को तैयार बैठे हैं। बस उन्हें सही मौके और सही मार्गदर्शन की तलाश है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी समाज के हर क्षेत्र से ऐसे अनेकों लोग सामने आए थे, जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी। उन्होनें खुद को भारत की आजादी के लिए झोंक दिया था। आज हमें विकसित भारत का लक्ष्य पाने के लिए एक बार फिर उसी भावना की जरूरत है। मैं अपने सभी युवा साथियों को कहूंगा कि इस अभियान से जरूर जुड़ें। बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं के राजनीति में आने पर लोकतंत्र मजबूत होगा।

जातिगत गणना कराने से कोई शक्ति नहीं रोक सकती : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति जनगणना को लेकर एक बार फिर से मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मोदी जी, अगर आप जाति जनगणना को रोकने के बारे में सोच रहे हैं, तो आप सपना देख रहे हैं, कोई शक्ति अब इसे रोक नहीं सकती! हिंदुस्तान का ऑर्डर आ चुका है-जल्द ही 90% भारतीय जाति जनगणना का समर्थन और मांग करेंगे। ऑर्डर अभी लागू कीजिए, या आप अगले प्रधानमंत्री को ये करते देखेंगे। दरअसल लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस के उस ट्वीट को रिट्वीट किया जिसमें पार्टी ने जाति जनगणना पर मूड ऑफ द नेशन सर्वे के आंकड़े बताए थे।

यूपीएस में यू का मतलब मोदी सरकार का यू-टर्न है: खड़गे

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को यूनिफाइड पेंशन स्कीम के ऐलान के बाद केंद्र पर निशाना साधा है। खड़गे ने कटाक्ष करते हुए कहा कि यूपीएस में यू का मतलब मोदी सरकार का यू-टर्न है। खड़गे ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'लोकसभा चुनाव के बाद विपक्ष के फिर से उभरने की वजह से बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार ने हाल ही में अपने प्रमुख फैसलों से पीछे हटना शुरू कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यूपीएस में 'यू' का मतलब मोदी सरकार का यू-टर्न है। 4 जून के बाद, जनता की ताकत प्रधानमंत्री के सत्ता के अहंकार पर हावी हो गई है।

खड़गे ने नरेंद्र मोदी सरकार के कुछ हालिया फैसलों का जिक्र किया, जिन्हें विरोध के बाद वापस ले लिया गया। इनमें लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन/इंडेक्सेशन के संबंध में बजट में किए गए फैसले को वापस लेना, वक्फ बिल को संयुक्त संसदीय समिति को भेजना, ब्रॉडकास्टिंग बिल के ड्राफ्ट को वापस लेना और नौकरशाही में लेटरल एंट्री को खत्म करना शामिल है। खड़गे ने कहा कि हम जवाबदेही सुनिश्चित करते रहेंगे और 140 करोड़ भारतीयों को इस निरंकुश सरकार से बचाएंगे। ज्ञात हो कि शनिवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एकीकृत पेंशन योजना को मंजूरी दे दी, जो सरकारी कर्मचारियों को गारंटीकृत पेंशन का आश्वासन देती है।

डॉक्टर रेप मर्डर केस... कोलकाता में पूजा समितियों ने गणेशोत्सव को सजावट से दूर रखने का लिया फैसला

एजेंसी/कोलकाता

कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी है। इस बीच, राजधानी की गणेश पूजा समितियों ने गणेशोत्सव को लाइट और सजावट से दूर रखने का फैसला किया है। समितियां इस साल अपने पंडालों में सादी बनाए रखेंगे। एक आयोजक ने बताया कि उनके पूजा पंडाल की थीम 'दुष्कर्म के खिलाफ संघर्ष' होगा। साल्ट लेक के बी ब्लॉक में होने वाली 15 साल पुरानी गणेश पूजा के लिए इस बार चंदरनगर से खरीदी गई लाइट्स को रद्द करने का फैसला किया है। चंदरनगर की लाइट्स अपने अनोखे डिजाइन के लिए मशहूर हैं। लेकिन इस बार इन्हें पूजा में नहीं लगाया जाएगा। पूजा समिति के अध्यक्ष अनिंद्य चटर्जी ने बताया कि पंडाल के रास्ते में कम से कम रोशनी रहेगी और पंडाल के अंदर लाल रंग की रोशनी होगी। गणेश चतुर्थी इस साल सात सितंबर को है।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान फिर से चुने गए लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

एजेंसी/रांची

केंद्रीय मंत्री सह हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद चिराग पासवान रविवार को रांची पहुंचे। जहां पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक हिस्सा लिया। जहां सर्वसम्मति से उन्हें लोजपा का फिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष चुने जाने का बाद उन्होंने सभी नेताओं और कार्यकताओं के प्रति आभार प्रकट किया। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक में हिस्सा लेने के लिए रांची पहुंचे थे। जैसे ही वे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से बाहर निकले पार्टी कार्यकताओं ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इस दौरान वे सभी का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। इसके बाद वे सीधा बिरसा चौक गये जहां वे बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया उन्हें श्रद्धांजलि। इसके बाद वे पार्टी की बैठक में हिस्सा लेने के लिए रवाना हो गये।

झारखंड के चरही में सामान लदा ट्रक पलटने से चार लोगों की मौत

एजेंसी/हजारीबाग

झारखंड में रविवार की शाम को भीषण सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना की वजह से 1:30 घंटे तक सड़क जाम रही। घटना हजारीबाग जिले के चरही थाना क्षेत्र में देर शाम करीब 6.30 बजे हुई. चरही घाटी यूपी में मजदूरों के साथ टेंट का सामान लदे आइसर ट्रक (यूपी 60बीटी 2995) के पलटने की वजह से 4 मजदूरों की मौत हो गई। घटना चरही घाटी के यूपी मोड़ के पास हुई। शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का हजारीबाग के नगवा हवाई अड्डा मैदान में प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम हुआ था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के पैसे महिलाओं के खाते में ट्रांसफर किए थे। इसका टेंट लादकर हजारीबाग से आयसर ट्रक रांची जा रहा था. बारिश की वजह से चालक अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए पलट गया। ट्रक के ऊपर टेंट के मजदूर बैठे थे। ये लोग सामान के नीचे दब गए। घटनास्थल पर ही 4 लोगों की मौत हो गई।

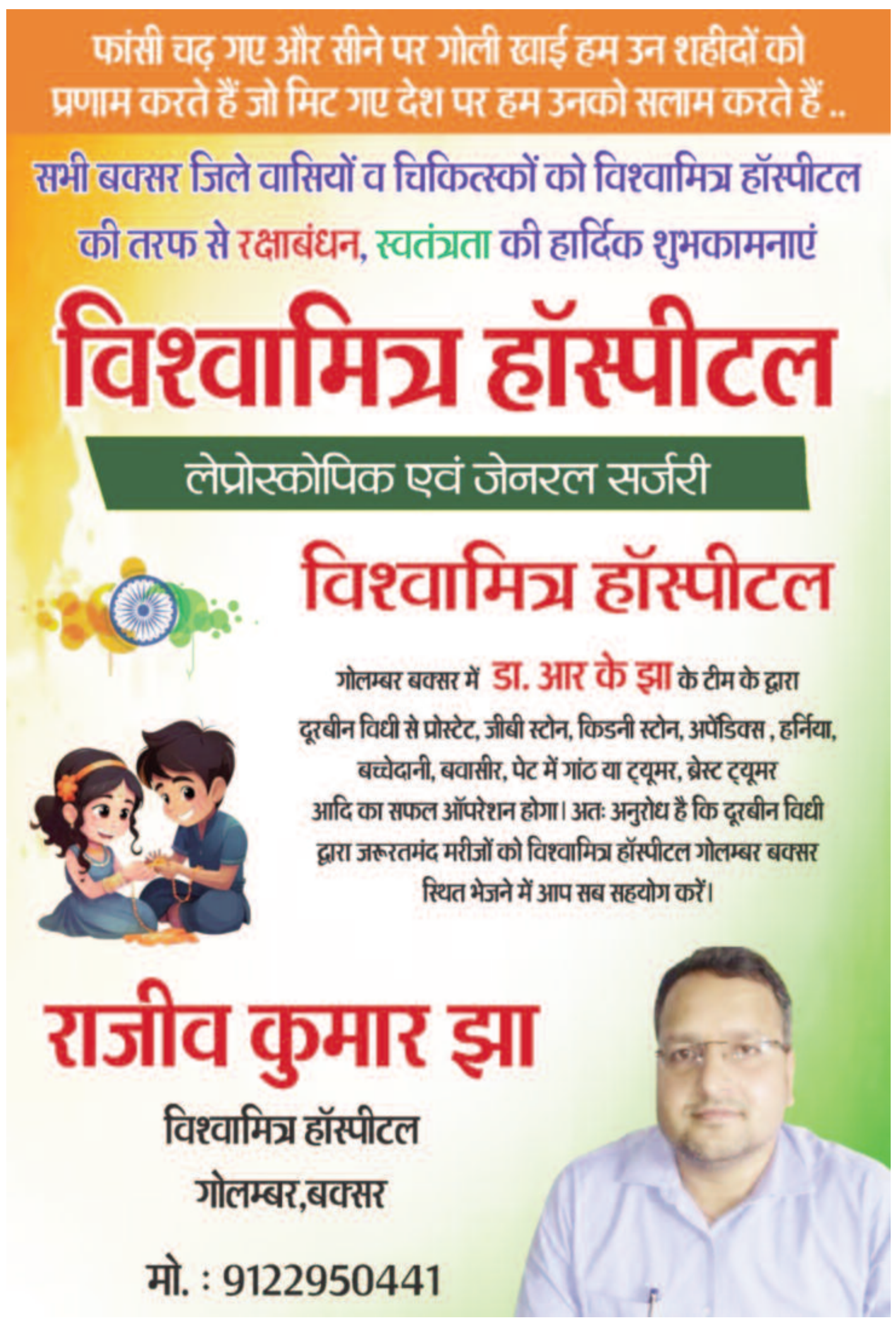

पटना जीआरपी थानेदार समेत 5 पुलिसकर्मी पर एफआईआर, तीन सस्पेंड

कार्रवाई

केटी न्यूज/पटना

पटना जीआरपी थाने में एक यात्री से जबरन वसूली के आरोप में बड़ा एक्शन लिया गया है। इस मामले में थानेदार समेत पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के यात्री सोमनाथ नइया से 50 हजार रुपये की मांग की गई थी और उन्हें धमकाया गया था। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल में मिले साक्ष्यों से अवैध वसूली की पुष्टि हुई है। इसके बाद रेल एसपी के निर्देश पर 6 आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले में थानेदार समेत पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। बताया जा रहा है

कि, पश्चिम बंगाल के रहने वाले सोमनाथ नइया ने एक अगस्त को हावड़ा की ट्रेन पकड़ने के लिए पटना जंक्शन पर इंतजार कर रहे थे इस बीच, जीआरपी सिपाही कृष्ण कुमार ठाकुर वहां पहुंचा और उसने यात्री से कहा कि वह संदिग्ध अवस्था में यहां खड़ा है। इस पर सिपाही और यात्री के बीच थोड़ी बहस हुई। इसके बाद यात्री को वह थाने पर लेकर गया और हाजत में बंद कर दिया। उधर, पश्चिम बंगाल पहुंचने पर सोमनाथ ने चार अगस्त को रेलवे हेल्पलाइन के नंबर 139 पर शिकायत की थी। इसकी जांच वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) प्रभाकर तिवारी को सौंपी गई थी। जांच में सीसीटीवीफुटेज और मोबाइल में मिले साक्ष्य से अवैध वसूली की पुष्टि हुई, जिसके बाद रेल एसपी के निर्देश पर छह अभियुक्तों के विरुद्ध प्राथमिकी की गई। थानेदार पंकज कुमार को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया। उनकी जगह इंस्पेक्टर राजेश कुमार सिन्हा को पदभार सौंपा गया है।जबकि,दारोगा राकेश कुमार व रामचंद्र राम और एएसआइ संजय कुमार एवं सिपाही कृष्ण कुमार ठाकुर को निलंबित कर दिया गया है। एसपी एएस ठाकुर ने थानेदार को निलंबित करने के लिए डीआइजी को अनुशंसा की है। इनके अलावा पटना जंक्शन के मेस संचालक रवि को भी नामजद किया गया है। बताया जा रहा है कि, पश्चिम बंगाल के रहने वाले सोमनाथ नइया ने एक अगस्त को हावड़ा की ट्रेन पकड़ने के लिए पटना जंक्शन पर इंतजार कर रहे थे।इस बीच, जीआरपी सिपाही कृष्ण कुमार ठाकुर वहां पहुंचा और उसने यात्री से कहा कि वह संदिग्ध अवस्था में यहां खड़ा है। इस पर सिपाही और यात्री के बीच थोड़ी बहस हुई। इसके बाद यात्री को वह थाने पर लेकर गया और हाजत में बंद कर दिया। उधर, पश्चिम बंगाल पहुंचने पर सोमनाथ ने चार अगस्त को रेलवे हेल्पलाइन के नंबर 139 पर शिकायत की थी। इसकी जांच वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) प्रभाकर तिवारी को सौंपी गई थी। जांच में सीसीटीवीफुटेज और मोबाइल में मिले साक्ष्य से अवैध वसूली की पुष्टि हुई, जिसके बाद रेल एसपी के निर्देश पर छह अभियुक्तों के विरुद्ध प्राथमिकी की गई।

सिपाही भर्ती परीक्षा में सात अभ्यर्थी ओएमआर कॉपी ले भागे, 6 गिरफ्तार

केटी न्यूज/ पटना

केन्द्रीय चयन पर्षद द्वारा आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा के पांचवे चरण की परीक्षा रविवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। सरकार सभी प्रतियोगी परीक्षाओं को कदाचार मुक्त माहौल में कराने के लिए कटिबद्ध है। इसको लेकर पुलिस प्रशासन ने कदाचार के आरोप में कुल 13 अभ्यर्थियों पर कार्रवाई की है। उनमें 06 अभ्यर्थियों को कदाचार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, जबकि सात अभ्यर्थियों पर प्राथमिकी दर्ज करायी गई है। इस संबंध में पुलिस अधिकारी का कहना है कि जांच करने के दौरान पटना, औरंगाबाद और मधेपुरा में परीक्षार्थी ओएमआर कार्बन कॉपी लेकर फरार हो गये। इसके बाद ओएमआर कार्बन कॉपी लेकर भागने के आरोप में उनपर प्राथमिकी दर्ज की गई है। भागलपुर और नालंदा में जांच अधिकारियों ने अभ्यर्थी को ब्लू-टूथ के साथ गिरफ्तार किया है। वहीं पूर्णिया, सहरसा और बेगूसराय में तीन अभ्यर्थी दुसरे की जगह परीक्षा दे रहे थे, जिन्हें जांच के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया।

समस्तीपुर के मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के एनएच 28 पर हुई दुर्घटना

नेपाल से देवघर जा रही 43 कांवरियों से भरी बस समस्तीपुर में पलटी, 25 घायल

केटी न्यूज/पटना

समस्तीपुर के मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के एनएच 28 पर नेपाल से कावड़ियों को लेकर देवघर जा रही बस पलट गई। इस घटना में बस पर सवार 25 से अधिक कांवड़िये घायल हो गए। सभी घायल कांवड़िया को मुसरीघरारी के निजी व सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस में 43 नेपाली कांवरियां सवार थे। घटना तड़के करीब 3:00 के आसपास की बताई गई है। जानकारी के मुताबिक, मुसरीघरारी चौक के पास एनएच 28 पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने तीर्थ यात्रियों से भरी बस में टक्कर मार दी। जिसके बाद बस पलट गई और उसमें सवार 43 लोगों में से 35 से अधिक लोग जख्मी हो गए। जिनमें 8 लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मुसरीघरारी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती

कराया। प्रशासन की ओर से सभी घायलों का बेहतर इलाज कराने का प्रयास किया जा रहा है। यात्रियों का कहना है कि नेपाल से कांवड़ियों को लेकर बस देवघर जा रही थी इसी दौरान मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के एन एच 28 पर चौक से कुछ दूर आगे बढ़ते ही बस का एक्सल टूट गया। इस कारण बस सड़क किनारे पलट गई। हालांकि बस की स्पीड ज्यादा नहीं थी जिस कारण कांवड़ियों की जान बाल-बाल बच गई। इस घटना में 25 से अधिक कांवड़ियों को चोटें आई हैं जिन्हें मुसरीघरारी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुछ को सुबह सदर अस्पताल भेजा गया है जहां सभी का प्राथमिक उपचार किया गया है और उन्हें छुट्टी दे दी गई है। जलाभिषेक करने के लिए देवघर जा रहे थेवहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि तड़के करीब 3:00 बजे हुई इस घटना के बाद एनएच 28 पर अपरा तफरी का माहौल व्याप्त हो गया। देवघर जा रहे 20 से अधिक तीर्थ यात्री को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। बाकी अन्य का मुसरीघरारी के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। जिस ट्रक ने टक्कर मारी उसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। फिलहाल सभी जख्मी का इलाज जिले के अलग-अलग अस्पतालों में किया जा रहा है। घटना की सूचना पर तुरंत मुसरीघरारी थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और बस में फंसे कांवड़ियों को बाहर निकाल कर जख्मी कांवरियों को उपचार के लिए एनएच किनारे स्थित एक निजी अस्पताल ले गए।

सामने से आ रहे वाहन ने बस में मारी टक्कर

समस्तीपुर। जयनगर नेपाल से सटे इलाके से बस पर सवार होकर जलाभिषेक करने के लिए देवघर जा रहे थे। इसी दौरान एनएच 28 पर हादसा हुआ। शनिवार सुबह नेपाल से चले थे सभीकांवड़ियों ने बताया कि वे लोग देवघर में जलाभिषेक करने के लिए जा रहे थे शनिवार को दिन के 11:00 बजे नेपाल से चले थे। रात करीब 3:00 बजे सामने से आ रही एक वाहन ने बस में ठोकर मार दी जिससे बस का एक्सल टूट गया और बस सड़क किनारे पलट गई। बस की स्पीड ज्यादा नहीं थी जिस कारण जान माल का क्षति नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घायल कांवरियों में बारा जिले नेपाल के रहने वाले रामकिशोर महतो, झुनिया देवी, रोशनी मुखिया, परम शीला देवी, श्रीपति मुखिया, पार्वती देवी, बिंदेश्वर मुखिया, लक्की मुखिया, अरुण मुखिया, परमिंदर मुखिया, जगत मुखिया, विनोद पंडित, मोती पंडित, विश्वनाथ मुखिया, राजेश साह, लक्ष्मी यादव आदि शामिल है।

लालू-राबड़ी के शासनकाल में 118 नरसंहार हुए : चौधरी

केटी न्यूज/ पटना

बिहार सरकार के मंत्री और जनता दल यूनाइटेड के दिग्गज नेता अशोक चौधरी ने नीतीश कुमार को इशारों में बिहार का गांधी कह दिया है। उन्होंने कहा कि गांधी जी का जो अहिंसा का पाठ था, वैसा ही पिछले 18 सालों के दौरान नीतीश कुमार ने कर दिखाया है। गांधीजी के आदर्शों को धरातल पर उतारा है। पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने की बात हो वह वहां महिलाओं को आरक्षण देने का सवाल मुख्यमंत्री ने आगे बढ़कर कार्य किया है। यह बातें मंत्री अशोक चौधरी रविवार को समस्तीपुर के सर्किट हाउस में रविवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। मंत्री ने लालू परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि लालू राबड़ी के शासन काल के 118 नरसंहार की बात करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के रीजन में कोई भी नरसंहार नहीं हुआ। हिंदू मुस्लिम सभी का विकास हो रहा है। बिहार में बिगड़ चुकी लॉ एंड ऑर्डर की व्यवस्था को सुधारने के लिए वह रात-रात भर जगह हैं और सीधा प्रशासनिक पदाधिकारी से संपर्क साधा है। समस्तीपुर पहुंचे मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि उन्होंने लोगों से वादा किया था कि अपनी बेटी शांभवी की जीत के बाद वह पहले समस्तीपुर के मुक्तापुर और भोला टॉकीज 53 नंबर एक गुमती पर आर ओ बी की स्वीकृति प्रदान कराएंगे। यह वायदा उन्होंने पूरा कर दिया है जल्दी ही इन दोनों आर ओबी का निर्माण शुरू हो जाएगा। मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि बीच में मुख्यमंत्री सेतु योजना को बंद कर दिया गया था। अब योजना को पुनःशुरू किया जा रहा है। पूरे बिहार में करीब 1000 पुल पुलिया का निर्माण होगा। इसका लाभ समस्तीपुर संसदीय क्षेत्र के लोगों को भी मिलेगा।

तेज रफ्तार बाइक ने सड़क किनारे बैठे लोगों को मारी टक्कर, दो की मौके पर मौत

केटी न्यूज/मोतिहारी

मोतिहारी के सुगौली नगर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। घटना एनएच से सटे आमिरखान टोला की है, जहां तेज गति से आ रही बाइक ने सड़क किनारे बैठे दो लोगों को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि चार से पांच बाइकर्स छपवा की ओर से रेस लगा रहे थे, जिनमें से एक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे बैठे लोगों से जा टकराई। हादसे में बाइक चालक और एक अन्य व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में मातम पसरा हुआ है और लोगों में भारी आक्रोश है। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय लोग इस हादसे के लिए तेज रफ्तार बाइकर्स की लापरवाही को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। वहीं, बाइक पर सवार एक अन्य युवक और एक नीचे खड़ा युवक दो

लोग घायल हो गये। एक घायल कारण कुमार पिता मनोहर दास और दूसरा सुगौली आमिरखान टोला निवासी शेख हैं। वहीं बाइक चालक अनुभव कुमार मोतिहारी का रहने वाला बताया जाता है। दूसरा मृतक नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड 15 सुगौली गांव कानू टोला निवासी स्व. पारस साह का पुत्र रामजी साह बताया जा रहा है। वहीं, घटना के बाद घटना स्थल घटना की खबर सुनते ही हजारों की भीड़ जमा हो गई मौके पर पुलिस पहुंच दोनो शव को अपने कब्जे लेकर पोस्टमार्टम केलिए मोतिहारी भेजा। दोनों घायलों को इलाज केलिए अस्पताल भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुगौली की ओर से तीन बाइक पर सवार युवक काफी तेज गति से बाइक पर रेस लगाने के चक्कर में सड़क किनारे बैठे दो लोगों को ठोकर मार दी। इस बाबत थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पुलिस पहुंच घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। दोनों शवों को पोस्मार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है।

घरेलू विवाद में दंपति ने जहर खाकर की आत्महत्या

मुंगेर। मुंगेर जिले से एक दिल-दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पर एक दंपति ने घरेलू विवाद में जहर खाकर आत्महत्या कर ली। वहीं, इस घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के तारापुर थाना क्षेत्र के धोबई गांव का है। मृतकों की पहचान धोबई गांव निवासी इंद्रदेव यादव (35) और उसकी पत्नी पिंकी देवी (28) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि इंद्रदेव यादव और उसकी पत्नी पिंकी देवी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके दोनों ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, इस घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। सभी का रो-रो कर बुरा हाल है।

2 अक्टूबर को पार्टी बन रही जनसुराज 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेगी

राज्य के 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जनसुराज पार्टी, 40 महिलाओं को मिलेगी जगह : पीके

- 2025 में जब जनसुराज सरकार बनी तो 10-12 हजार की नौकरी के लिए किसी को बिहार छोड़ने पर मजबूर नहीं होना पड़ेगा

केटी न्यूज/पटना

जनसुराज पदयात्रा की शुरुआत करने वाली चुनावी रणनीति कर प्रशांत किशोर ने बड़ा एलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को पार्टी बन रही जनसुराज 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पीके के कहा कि 2025 में जनसुराज 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा और कम से कम 40 महिला उम्मीदवारों को नामांकित किया जाएगा। हमने यह भी कहा है कि 2030 में जन सुराज 70-80 महिलाओं को नेता बनाया जाएगा। यह बातें प्रशांत किशोर ने रविवार दोपहर पत्रकारों से से बातचीत के दौरान कही। तेजस्वी यादव पर पीके ने बोला हमला बिहार के विकास को लेकर

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा दिए गए बयान के सवाल पर प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर तेजस्वी यादव जाति, रंगदारी, शराब माफिया, अपराध पर बोलते हैं तो टिप्पणियां की जा सकती हैं। लेकिन, अगर वह विकास मॉडल पर चर्चा करते हैं तो यह हास्यास्पद है। वह पिछले 15 वर्षों से सत्ता में हैं, उन्हें पता नहीं है कि जीडीपी और जीडीपी वृद्धि क्या है। वह बिहार के विकास की कहानी के बारे में बात कर रहे हैं, जब छह महीने पहले तेजस्वी यादव डिप्टी सीएम थे। बिहार उनके लिए स्विट्जरलैंड था और छह महीने बाद बिहार गटर बन गया है। अगर आज नीतीश कुमार महागठबंधन में शामिल हो जाते हैं, तो बिहार उन्हें फिर से अच्छा लगने लगेगा महिला प्रकोष्ठ की बैठक के सवाल पर प्रशांत किशोर ने कहा कि यह महिला प्रकोष्ठ की बैठक नहीं थी। यह सही मायने में महिलाओं को नेता बनाने का प्रयास था। जब तक महिलाओं को आर्थिक आजादी नहीं मिलेगी तब तक उनकी बराबरी की भागीदारी संभव नहीं है। दूसरी बात यह है कि महिलाओं को रोजी रोजगार करने के लिए चार प्रतिशत गारंटी पर लोन मिले। इसलिए जनसुराज का अभियान है कि महिलाओं को जीतकर विधानसभा पहुंचाया जाए। 2025 में जब जनसुराज सरकार बनी तो 10-12 हजार की नौकरी के लिए किसी को बिहार छोड़ने पर मजबूर नहीं होना पड़ेगा। हमने इसका पूरा खाका तैयार कर लिया है।

कृष्ण जन्मोत्सव आजः जिले के मंदिरों में बढ़ी रौनक, मध्य रात्रि गूंजेगा जय कन्हैया लाल की...

केटी न्यूज/डुमरांव

- लड्डू-गोपल के सामानों की जमकर हुई बिक्री
- बांके बिहारी मंदिर में होता है खास उत्सव, राजपरिवार समेत उमड़ता है पूरा शहर

सोमवार की रात 12 बजे नटवर नागर श्रीकृष्ण लला जन्म लेंगे। 26 अगस्त को मनायी जाने वाली श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनायी जायेगी। इस उत्सव को लेकर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के ठाकुरबाड़ी और मंदिरों की साफ-सफाई और रंग-रोगन का काम अंतिम दौर में हैं। वहीं जन्मोत्सव मनाने के लिए शहरवासी भी बाजारों में लड्डू-गोपाल के सामानों की खरीदारी करने में जुटे है। बाजारों में भगवान कृष्ण के राजस्थानी पगड़ी, मुकुट, झूलन, वस्त्र आदि की दुकानें सजाई गयी है। मंदिरों में भजन-कीर्तन का भी आयोजन होगा। शहर के राजगढ़ स्थित बांके बिहारी मंदिर, जवाहर मंदिर सहित कई ठाकुरबाड़ी में धूमधाम से जन्मोत्सव मनाया जायेगा। मंदिरों में भोग भगवान को अर्पित किये जायेंगे, जो जन्मोत्सव के बाद उसे श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया जायेगा।

श्रद्धालुओं ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। कई मंदिरों में श्रद्धालु भगवान श्री कृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भजन-कीर्तन करेंगे। पूरे दिन भक्त उपवास रख कर रात में भगवान कृष्ण को फल व मिठाई का भोग लगाकर जन्मोत्सव मनायेंगे। विद्वानों की माने तो इस बार जन्माष्टमी पर अद्भुत संयोग बना है। श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र के मध्य रात्रि को हुआ था। शहर के राजगढ़ स्थित चर्चित बांके-बिहारी राधे कृष्ण मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की तैयारियां पूरी हो गयी हैं। यहां सोमवार की रात 12 बजे कृष्ण-कन्हैया का जन्मोत्सव मनाया जायेगा। जन्मोत्सव पर कृष्ण लला के दर्शन के लिए भक्त यहां पहुंचते है और भोग लगा प्रसाद का पारण कर अपना उपवास तोड़ते है। बांके बिहारी मंदिर में आयोजित जन्मोत्सव काफी खास होता है। यहां राज परिवार के साथ पूरा शहर उमड़ता है।

डुमरांव के बाबा जंगलीनाथ शिव मंदिर का वार्षिकोत्सव आज, तैयारी पूरी

डुमरांव। शहर के अतिप्राचीन बाबा जंगलीनाथ शिव मंदिर का वार्षिकोत्सव पूजन सह मेला सोमवार को आयोजित होगा। पूजन आयोजन को लेकर समिति सदस्य दिन-रात लगकर तैयारी पूरी कर लिया है। बतादें कि भादो मास के प्रथम सोमवार को इस मंदिर का वार्षिकोत्सव पूजन पर भव्य मेला लगता है। मंदिर समिति द्वारा रंगीन लाइटो से आकर्षण ढंग से सजाने के साथ परिसर स्थित तालाब के चारों ओर डिस्को लाइट लगाया गया है, जो श्रद्धालुओं को आकर्षिक करेगा। समिति के सदस्य रमेश कुमार, बब्लू केशरी, राजकुमार शर्मा, राजू गुप्ता, लक्ष्मी शर्मा, संटू कुमार, गोलू कुमार, विजय, अर्जुन, अंकित, सुमित, ऋषभ, मनीष, भानु, संटू ने बताया कि मंदिर परिसर से चौक और मंदिर परिसर से इंटर कॉलेज होते हुए राजहाई स्कूल के अंतिम छोर तक लाइट की व्यवस्था की गयी है। आवागमन मार्ग में एक किलोमीटर तक सड़क के दोनों किनारे फुटपाथ पर दुकान लगाने को लेकर दुकानदार अपना जगह चिन्हित कर चुके है। नगर परिषद प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के आवागमन वाले मार्ग पर लगे झाडियों की साफ कराने के साथ उभरे गड्ढे को भरा गया। इस मंदिर के वार्षिकोत्सव पूजन पर भंडारा के साथ महाप्रसाद का वितरण होता है। वार्षिकोत्सव सह मेला में स्थानीय लोगों की सराहनीय भूमिका रहती है।

खबरें फटाफट

शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार

डुमरांव। कोरान सराय पुलिस ने थाना क्षेत्र के करूअंज गांव में गुप्त सूचना पर छापेमारी कर एक कारोबारी को दो लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। कारोबारी की पहचान जवाहर राम के रूप में हुई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि वह अपने घर से शराब का कारोबार कर रहा है। इस सूचना पर छापेमारी किया गया तो उसके घर से दो लीटर देशी शराब बरामद हुआ। थानाध्यक्ष ने कहा कि उसके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

महंगा पड़ा शराब के नशे में हंगामा

डुमरांव। शराब के नशे में हंगामा करना एक युवक को महंगा पड़ गया है। लोगों की शिकायत पर पुलिस ने उसे पकड़ मेडिकल जांच करा न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। घटना कोरानसराय बाजार की है। जानकारी के अनुसार स्थानीय युवक संतोष साह शराब के नशे में बाजार में हंगामा कर रहा था। वह लोगों से गाली गलौज भी कर रहा था। इसी दौरान बाजार में मौजूद लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस टीम भेज उसे पकड़ मेडिकल जांच करवाया गया। जहां, शराब पीने की पुष्टि होने पर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

वाहन जांच अभियान चला पुलिस ने वसूला जुर्माना

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने स्थानीय थाना गेट के पास वाहन जांच अभियान चला बिना हेलमेट तथा कागजातों के बाइक चलाने वालों से जुमार्ना वसूला है। वाहन जांच अभियान थानाध्यक्ष संजय कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। थानाध्यक्ष ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि एसपी मनीष कुमार के निर्देश पर यह अभियान चलाया गया था। उन्होंने कहा कि वाहन जांच के दौरान कल आठ वाहनों से 10 हजार रूपए का जुमार्ना वसूला गया है। उन्होंने कहा कि वाहन जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा। वही, पुलिस के इस अभियान से वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ी रही।

मचा हड़कंप : स्टॉप डायरिया कैंपेन के दौरान डायरिया की चपेट में आए ग्रामीण

बनकट में डायरिया की चपेट में आए 20 लोग, सहमे ग्रामीण

- जानकारी मिलते ही अलर्ट हुआ जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग
- राहत बचाव कार्य जारी, गांव तथा आस पास के इलाके में किया गया दवा का छिड़काव

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के डुमरांव प्रखंड के बनकट गांव में डायरिया फैल गया है। गांव के करीब 20 लोग इसके प्रकोप में आ गए है। फैलने से लोग दहशत में आ गए हैं। स्वास्थ्य विभाग से लेकर प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ गया है। डायरिया वाले गांव में प्रशासन से लेकर स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम कैम्प कर स्थिति को संभालने में जुट गई। हालांकि, घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम हरकत में आ गई। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सभी को डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि सभी की स्थिति सामान्य है।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि स्थिति नियंत्रित कर ली गई है। वही, डायरिया का प्रकोप फैलने से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। जबकि स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन द्वारा गांव में राहत व बचाव कार्य चलाया जा रहा है। आक्रांत लोगों को दवा देने के साथ ही गांव में भी संक्रमण रोकने के लिए दवा का छिड़काव कराया गया। इस काम में नगर परिषद भी जुट गया। स्थिति संभलने के बाद जिले का प्रशासनिक महकमा चैन की सांस लिया। जबकि मरीजों की हालत भी स्थिर बनी हुई है।

डीएम की है पैनी नजर : बनकट में डायरिया फैलने की खबर पर डीएम अंशुल अग्रवाल तक की पूरी नजर लगी हुई है। इधर स्वास्थ्य विभाग के सीएस डॉ. एससी सिन्हा से लेकर आलाधिकारी तक वहां पहुंच जानकारी हासिल किये और लोगों से पूछताछ करते हुए उन्हें नहीं घबड़ाने की नसीहत देते हुए प्रशासन हर तरह से सेवा में तैयार रहने की बात कही। इस संबंध में जब पीएचसी प्रभारी डा. आरबी प्रसाद से बात की गई तो उन्होंने बताया कि गांव की स्थिति पूरी तरह से कंट्रोल में है। जो डेढ़ दर्जन लोग अक्रात हुए हैं, उनका इलाज किया गया है, सभी स्वस्थ्य हैं। उनके परिवार को समझाकर दवा भी दिया गया है।

नगर परिषद की टीम ने कराया एंटी लार्वा व ब्लीचिंग का छिड़काव : बता दें कि बनकट गांव डुमरांव नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र में शामिल है। जिस कारण चेयरमैन सुनीता गुप्ता और उनकी पूरी टीम गांव में जाकर एंटी लार्वा व ब्लीचिंग पावडर का छिड़काव शुरू करा दिया है। गांव के लोगों से मुलाकत सारी जानकारी हासिल की गई। नप ने इस गांव से सटे महरौरा गांव को भी सेनेटाइज करा दिया है, जिससे डायरिया के चपेट में ग्रामीण नहीं आए। साथ ही लोगों को एहतियात बरतने के लिए समझाया भी गया है। मेडिकल व नप टीम ने हर परिवार में ओआरएस के घोल को वितरित करवाया। सभी की तत्परता से डायरिया को बेकाबू होने से पहले ही काबू कर लिया गया।

पिछले महीने ही विभाग ने चलाया था अभियान : बता दें कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा पिछले महीने ही डायरियां रोकने के लिए अभियान चलाया गया था। इस दौरान विभाग ने दावा किया था कि पूरे जिले में डायरिया रोकने के लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया गया है। लोगों को साफ सफाई से रहने तथा दस्त होने पर ओआरएस घोल लेने की नसीहत दी गई थी। लेकिन, विभाग की यह कवायदें धरातल पर नहीं उतरी। जिसका प्रमाण बनकट गांव में फैली डायरिया है। गांव के चारों तरफ आज भी जलजमाव व गंदगी फैली है।

जलजमाव से घिरा है बनकट गांव

विदित हो कि बनकट गांव से पक्की सड़क गुजरती है, जो पूरी तरह से जर्जर है। जबकि सड़क किनारे चाट तथा गांव के चारों तरफ जलजमाव हो गया है। गांव के उत्तर व दक्षिण में आहर है, जहां सालों से जलजमाव है। इसके कारण पूरा गांव पानी से घिरकर टापू बन गया है, इससे भी ग्रामीण हमेशा परेशानी में पड़े रहते हैं। इसका पंचायत स्तर पर निजात नहीं दिलाया जा सका है। बनकट गांव अब नगर परिषद में शामिल हो गया है, लिहाजा लोगों को आश बंधी है कि गांव अब शहर की तरह दिखने लगेगा।

चिकित्सकों की निगरानी में चल रहा इलाज

मामले में सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने बताया कि सभी मरीजों का इलाज चल रहा है। जिनकी निगरानी में चिकित्सक लगातार लगे हुए हैं। साथ ही, सोमवार को पूरे में गांव में अभियान चलाकर जांच की जाएगी।

बक्सर के शील अस्पताल में शराब पार्टी की सूचना पर पुलिस ने की छापेमारी, दो गिरफ्तार

- डॉ. सुनील कुमार के चेंबर से 750 एमएल की छह बोतलों के अलावा 180 एमएल के 4 टेट्रा पैकेट हुए बरामद

डॉ. सुनिल कुमार समेत तीन पर प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/बक्सर

शराबबंदी के बाद भी जिले में शराब पीने वालों सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। आम लोगों के साथ साथ अब खास लोग भी शराब का सेवन करते हुए पकड़े जा रहे हैं। ताजा मामला बक्सर नगर थाना अंतर्गत चरित्रवन स्थित शील अस्पताल का है। जहां पर शनिवार की देर रात अस्पताल में शराब की पार्टी चल रही थी। गुप्त सूचना पर नगर थाने की पुलिस ने अस्पताल में छापेमारी की। जहां से पुलिस ने शराब की बोतलों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया। हालांकि, मौके से चिकित्सक फरार होने में कामयाब हो गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पार्टी में शामिल शेष लोग अस्पताल के पीछे के रास्ते से भागने में सफल हो गए, लेकिन पकड़े गए लोगों से पूछताछ जारी है। जिसके आधार पर अन्य दोषियों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

दो लोगों को किया गया गिरफ्तारः बक्सर एसपी मनीष कुमार ने बताया कि शनिवार की देर रात पुलिस को गुप्त सूचना मिली की चरित्रवन स्थित शील अस्पताल में शराब की पार्टी शुरू है। जिसके बाद नगर थानाध्यक्ष संजय विकास सिन्हा के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। लगभग 10:45 में टीम अस्पताल पहुंची और अस्पताल में छापेमारी शुरू की गई। छापेमारी की सूचना पर पार्टी में शामिल चिकित्सक और अन्य लोग फरार हो गए। लेकिन मौके से अस्पताल के आईसीयू स्टाफ उपेंद्र कुमार सिंह और डॉ. सुनील के बहनोई मनोज कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आईसीयू वार्ड से शराब की बोतल, लिट्टी, मटन और चावल भी जब्त किए।

साथ ही, पुलिस जवानों ने अस्पताल के कोने कोने की तलाशी ली। जहां डॉ. सुनील कुमार के चेंबर से 750 एमएल की रॉयल स्टैग की छह बोतलें, 180 एमएल की चार एट पीएम की टेट्रा पैक शराब के पैकेट और सात खाली शराब की बोतलें भी बरामद की गई। साथ ही, अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी खंगाली जा रही है। ताकि, छापेमारी के दौरान फरार हुए लोगों की शिनाख्त की जा सके। एसपी ने बताया कि मामले में सुसंगत धाराओं के तहत कुल तीन लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिनमें डॉ. सुनील कुमार फिलहाल फरार चल रहे हैं। जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

खेत से लौट रहे वृद्ध की आहर में डूबने से मौत

नावानगर। स्थानीय अंचल के व सिकरौल थाना क्षेत्र के बाबूगंज इंग्लिश पंचायत के राजनडीह गांव के पास आहर में डूबने से एक वृद्ध किसान की मौत का मामला प्रकाश में आया है। मृतक बसांव कला गांव के 74 वर्षीय भरत सिंह बताया जाता है। घटना रविवार की दोपहर की है। इधर सूचना पर पहुंची सिकरौल पुलिस ने वृद्ध की शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेज दिया है।

बताया जाता है कि मृतक का खेत राजनडीह मौजा में था। जिसके चलते बसांव कला के लोगों को आहर के माध्यम खेत तक जाना पड़ता है। घटना के दिन सुबह मृतक अपने परिजन के साथ खेत में धान की सोहनी करने गया था। लगभग सुबह 11 बजे तक खेत में सोहनी करने के बाद परिवार के सभी सदस्य घर लौट चले। थोड़ी देर बाद मृतक घर लौटने के लिए आहार पार कर रहा था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया। जिससे डूबने से उनकी मौत हो गई। वृद्ध किसान जब काफी देर तक घर नहीं लौटे तो, परिजन खोजबीन करने लगे। इसी दौरान आहार में उनकी लाठी तैरती हुई दिखी। जिसके बाद लोगों को उनके आहर में डूबने का अशांका हुई। ग्रामीणों ने आहार में उतर कर खोजबीन शुरू किया। लगभग तीन घंटे तक खोजबीन के बाद वृद्ध की शव मिली। शव को ग्रामीणों ने आहार से बाहर निकाला। साथ ही इसकी सूचना पुलिस को दिया।

बनने वाली प्रभु श्री राम की प्रतिमा की जमीन पर फर्जीवाड़ा, सरकारी भूमि को अपना बात कर ली ठगी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में बनने वाले विश्व की सबसे ऊंची प्रभु राम की प्रतिमा पर बनने से पहले ही भू-माफियाओं की नजर लग गई। जिसके कार्यान्वयन से पहले ही ठगों ने लाखों का चूना लगा दिया। बनने वाली प्रतिमा का स्थल बिहार सरकार की है।

बताया जाता है की इसमे तत्कालीन सीओ की भूमिका भी संदिग्ध है। जहा बनने वाली प्रभु श्री राम की प्रतिमा का स्थल 97 बीघा 14 कट्ठे की रैयती जमीन बनाकर उसे राम मंदिर निर्माण समिति के सदस्य डुमरी निवासी सचिन कुमार पिता सत्येंद्र कुंवर को बेचने की बात तय थी। इसके लिए पहले एक बार 5,101 रुपये और दूसरी बार में 10,51,000 रुपयों का बयाना भी दे दिया गया है। लेकिन जब खरीददार द्वारा रैयतदार को जमीन की नापी के लिए कहा गया तो वह आनाकानी करने लगा। बाद में पता चला कि जिस जमीन को वह रैयती बता रहा है, वह पूरी की पूरी फर्जी है। इसके बाद पीड़ित सचिन कुमार ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बात दें कि बक्सर में पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे द्वारा सात नवंबर 2022 को अहिरौली में आयोजित हुए सनातन

संस्कृति समागम में विश्व की सबसे 1008 फीट ऊंची मूर्ति बनाने का आह्वान किया गया था। जहां मौजूद स्वामी रामभद्राचार्य महाराज ने सनातन संस्कृति के मंच सेभगवान राम के प्रतिमा को विशाल रामायण भवन पर स्थापित किया जाने को कहा था इसकी ऊंचाई 1008 फीट की बनाई जानी थी। जिले में इसके लिए जमीन की तलाश की जाने लगी। करीब 200 बीघा के जमीन की आवश्यकता थी। जमीन तलाश करने का जिम्मा भाजपा नेता सह ब्रह्मपुर के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सत्येंद्र कुंवर को दिया गया। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी ने अपने स्तर से जमीन तलाश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी ने इस मामले में सिमरी के केशोपुर मलहचकिया, वर्तमान पता सागरपाली बलिया निवासी सत्येंद्र गिरी, उसके भाई देवेंद्र प्रताप गिरी और नागेंद्र प्रताप गिरी से 97 बीघे 24 कठ्ठा के भूखंड को लेकर 69,40,000 की दर से डील तय की थी। आपसी सहमति से मौजा पर नही फूर्द नौ बरार, थाना नं. 530, अंचल सिमरी, खाता नं. 14,15,16,17,20,21,21और क्रमश प्लॉट नंबर 20, 22, 1019,15,14,21 को रैयती जमीन बताकर बेचने की बात तय हुई। भू माफियाओं ने इकरारनामा के अनुसार जिस मौजा खाता प्लॉट और रकबा का उल्लेख किया था। उस पर जब आवेदक नापी के लिए पहुंचा तो पहले एक दो दिन दौड़ाया गया। बाद में भू माफियाओं ने यह स्वीकार कर लिया कि उनकी कोई जमीन है ही नहीं।

50 लखटकिया दीदी को किया गया सम्मानित, केसठ में भी आयोजित हुआ समारोह

परिवार के लाभ को एक लाख तक पहुंचा दूसरे के लिए बनी नजीर

केटी न्यूज/डुमरांव(केसठ)

डुमरांव प्रखंड कार्यालय के सभागार में ग्रामीण विकास मंत्रालय कार्यक्रम के तहत लखपति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिस जीविका दीदी के समूह का टर्नओवर एक लाभ तक पहुंच गया है, उन्हें ही सम्मानित किया गया। इसमें कृषि, पशुपालन, स्वरोजगार, मछली पालन सहित अन्य रोजगार को लेकर टीम की महिलाओं को बढ़ावा दिया जाता है। फिर जरूरत के अनुसार उन्हें तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग दिया जाता है। कार्य करने के लिए तकनीकी जानकारी भी दी जाती है।

हालांकि जिस तरह से उन्हें स्वरोजगार के प्रति प्रशिक्षण देना चाहिए उस तरह से नहीं मिलतता। कई समूह की महिलाओं ने इसका डरते हुए खुलाशा भी किया। जीविका संगठन से जुड़ी कई महिलाओं ने बताया कि यहां लखपतिया को सम्मानित किया जा रहा है और हकीकत कुछ और है। समारोह में पहुंची महिलाओं ने इस हकीकत को बयां करते हुए बताया की पांच से दस हजार की सहायता लेने के लिए महीनों दौड़ लगानी पड़ती है, भिर भी नहीं मिलता। इस सवाल से अधिकारी भी गोल-मटोल जवाब देकर बचने की कोशिश करते रहे। इस मौके पर प्रखंड परियोजना प्रबंधक अखिलेश कुमार, जिला कार्यक्रम समन्वयक शमीम अशलम, दयानंद पासवान बलबीर सिंह, पंकज कुमार, गोविंद कुमार, हरियाली सी एल एफ पुष्पा देवी, लाखनडिहरा की अध्यक्ष उषा देवी सहित दर्जनों दीदी मौजूद थी।

केसठ में लखपति दीदी सम्मान समारोह का हुआ आयोजन : केसठ बस स्टैंड स्थित जीविका सीएलएफ कार्यालय में लखपति दीदी सम्मान समारोह का आयोजन जीविका बीपीएम धर्मवीर कुमार गुप्ता के द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें 9 चयनित दीदियों को लखपति दीदी का प्रसस्ति पत्र दे कर रविवार को समानित किया गया। प्रखंड में लखपति दीदी योजना संचालित होगी। योजना के तहत 11 सौ 8 जीविका दीदियों के चयन का कार्य एमआईएस के माध्यम से शुरू कर दिया गया है। योजना पर क्रियान्वयन की तैयारी जीविका के प्रखंड परियोजना विभाग ने पूरी कर ली है। इसके तहत जीविका दीदियों का पंचायत वार चयन किया जा रहा है। लखपति दीदी के चयन को लेकर विभाग ने प्रखंडवार 15 सीआरपी की तैनाती कर दी है। लखपति दीदी के चयन को लेकर सभी सीआरपी की ट्रेनिंग भी पूरी कर ली गयी है। प्रखंडों में तैनात सीआरपी आवंटित पंचायतों में जाकर योजना के तहत जीविका दीदियों का चयन कर इसकी जानकारी विभाग को उपलब्ध कराएगी। जीविका के बीपीएम धर्मवीर कुमार गुप्ता ने बताया कि केन्द्र सरकार ने महिलाओं के उत्थान को लेकर यह योजना शुरू की है।

केसठ प्रखंड के स्थानीय वार्ड नंबर पांच में क्रियान्वित योजनाओं को लेकर दोनों में ठनी रार

राजनीतिः केसठ में आमने सामने आए बीडीसी और प्रमुख, एक दूसरे पर लगाए गंभीर आरोप

- बीडीसी सदस्यों ने जहां योजनाओं में भेदभाव का अरोप लगाया तो प्रमुख ने कतिकनार की योजना की जांच कराने का बीडीओ को दिया है निर्देश

केटी न्यूज/केसठ

केसठ प्रखंड में राजनीति गरमा गई है। प्रमुख और बीडीसी सदस्य एक दूसरे के आमने सामने आ गए है। आरोपों के घेरे में बीडीओ भी आ गए है। एक तरफ जहां पंचायत समिति सदस्यों ने प्रमुख मुन्ना सिंह तथा बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा पर पंचायत समिति की योजनाओं में भेदभाव का आरोप प्रमुख व बीडीओ पर लगाया है।

बीडीओ को दिए आवेदन में सदस्यों ने लिखा है कि षष्टम वित्त योजना से दो वित्तीय वर्ष में सिर्फ एक पंचायत कतिकनार के वार्ड पांच में योजनाओं का क्रियान्वयन कराने का गंभीर आरोप लगाए है तो दूसरी तरफ प्रमुख ने बीडीओ को कतिकनार पंचायत के वार्ड पांच को छोड़ अन्य वार्डों में संचालित योजनाओं में अनियमितता का आरोप लगाते हुए इसका भौतिक सत्यापन कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिए है। जाहिर है पंचायत समिति सदस्यों व प्रमुख के बीच छिड़ी जंग का अखाड़ा कतिकनार पंचायत बन गया है। दोनों पक्षों ने इसी पंचायत को लेकर अपनी शिकायतें दी है। गेंद अब बीडीओ के पाले में है। देखना है कि वे क्या कार्रवाई कर रहे है। हालांकि, बीडीओ की कार्यशैली भी सदस्यों के सवालों के घेरे में है। ऐसे में प्रमुख द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच निष्पक्ष होने पर सदस्यों ने शंका जाहिर की है। वही, प्रमुख व सदस्यों के बीच की लड़ाई का सबसे बड़ा नुकसान पंचायत की योजनाओं पर पड़ने की बात कही जा रही है।

पंचायत समिति की बैठक में होता है योजनाओं का चयन : बता दें कि पंचायत समिति की बैठक में योजनाओं का चयन किया जाता है। सभी सदस्य अपने-अपने क्षेत्र के योजनाओं का प्रस्ताव देते है। जिन्हें प्रमुखता के आधार पर चयनित किया जाता है। वही, सरकार का स्पष्ट प्रावधान है कि संबंधित मद से क्षेत्रिय संतुलन बनाए रखने के लिए सभी जनोपयोगी योजनाओं का चयन कर क्रियान्वयन करना है। सदस्यों ने इस मनमानी पर रोक लगाने की मांग बीडीओ से की है तथा ऐसा नहीं होने पर इसकी शिकायत जिलाधिकारी व मुख्यमंत्री से करने की धमकी दी है।

प्रमुख ने कतिकनार की कई योजनाओं की जांच का दिया आदेश : दूसरी तरफ प्रखंड प्रमुख मुन्ना सिंह ने बीडीओ को फोन कर तथा ह्वाट्सऐप पर पत्र भेज कतिकनार पंचायत के कई वार्डों में संचालित योजनओं में अनियमितता का आरोप लगाते हुए बीडीओ सह कार्यपालक पदाधिकारी से इसकी जांच कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। प्रमुख ने बताया है कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान उन्होंने देखा कि योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी तरीके से नहीं हुआ है जबकि आम जनता से भी शिकायते मिली है। प्रमुख ने कतिकनार के वार्ड 12 में नल जल योजना से पानी टंकी निर्माण कार्य, कतिकनार पैक्स गोदाम घेराबंदी व पेवर ब्लॉक, कतिकनार मठिया पर छठ निर्माण, वार्ड 8 में कब्रिस्तान की घेराबंदी, महादेवगंज वार्ड 2 एवं 3 में नाली निर्माण आदि कार्यों की जांच कर प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के ऐसे कई मामले सामने आ रहे है, जहां पंचायत समिति सदस्य के द्वारा काम कराया गया है। लेकिन, कही भी प्राक्कलन राशि का बोर्ड नहीं लगाया गया है। जबकि योजना मद से योजना की राशि का भुगतान कर दिया गया है। प्रमुख ने पूछा है कि बिना प्राक्कलन बोर्ड लगाए पोर्टल पर जीरो टैग कैसे किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर बीडीओ द्वारा जांच रिपोर्ट जल्द नहीं दिया जाता है तो बीडीओ और संबंधित सदस्य को आरोपित करते हुए जिले के वरीय अधिकारियों को आरोप पत्र सौंपेंगे। अब देखना ये रोचक होगा की बीडीओ के द्वारा कितनी प्रमुखता और गहराई से जांच की जा रही है। बहरहाल प्रमुख तथा बीडीसी सदस्यों के बीच की यह लड़ाई प्रखंड क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी है।

सदस्यों का आरोप, बिना सहमति किया जा रहा योजनाओं का चयन

उप प्रमुख अमेंद्र, बीडीसी असलम हुसैन, छोटेलाल पासवान, मंजू कुमारी बीडीओ को शिकायत पत्र दे आरोप लगाया है कि पंचायत समिति सदस्यों के बिना सहमति के प्रखंड प्रमुख और बीडीओ के मिलीभगत से सरकारी षष्टम वित्त की राशि दो वित्तीय वर्ष से योजनाओं का चयन बार-बार कतिकनार पंचायत के वार्ड पॉच में खर्च किया जा रहा है। जिससे कतिकनार के अन्य वार्डों के साथ ही स्थानीय केसठ व रामपुर पंचायत क्षेत्र का विकास कार्य पूरी तरह से बाधित है। सदस्यों ने इसे वित्तीय राशि की अनियमितता बताया है और कहा है कि दो वित्तीय वर्ष में केसठ और रामपुर पंचायत में एक भी योजना षष्टम वित्त से स्वीकृति नहीं की गई है। जिससे साबित होता है कि बीडीओ और प्रमुख विकास कार्यों के संतुलन बनाए रखने में मनमानी और दबंगता कर नियमों की धज्जियां उड़ा रहे है।

"बीडीसी सदस्यों ने जिस समय के कार्यों पर आरोप लगाए है उस वक्त मैं बीपीआरओ के चार्ज में नहीं था। मेरे चार्ज लेने के बाद से षष्टम वित्त से किसी योजना का चयन नहीं हुआ है। प्रमुख का आवेदन भी मिला है। योजनाओं का पारदर्शी तरीके से जांच किया जाएगा। – मिथिलेश बिहारी वर्मा, बीडीओ, केसठ

एक नजर

जर्जर पथ की मरम्मत के लिए सौंपा ज्ञापन

डुमरांव। स्वर्गीय द्वारिका प्रसाद स्मृति संस्थान ने डुमरांव के मुख्य पथ स्टेशन रोड की खराब स्थिति की जानकारी देते हुए इसके मरम्मत के लिए स्थानीय विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह को एक मांग पत्र सौंपा है। यह मांग पत्र स्व. द्वारिका प्रसाद स्मृति संस्थान के प्रमुख अखिलेश केसरी ने दिया है। मांग पत्र में अखिलेश ने बताया है कि डुमरांव स्टेशन से लेकर ट्रेनिंग स्कूल तक पूरा का पूरा खराब रोड है जो कि जानलेवा हो चुका है, आए दिन ई-रिक्शा, ऑटो, बाइक तथा अन्य वाहन पलटते रहते है। जिससे यात्रियों के जान माल का खतरा बना हुआ है। उन्होंने अपने मांग पत्र में इस पथ को शीघ्र बनवाने के लिए विधायक को पहल करने की मांग की है। दूसरी तरफ उन्होंने बताया है कि शक्ति द्वार मोड़.से जंगली शिव मंदिर होते हुए नया भोजपुर सब्जी मंडी जाने वली सड़क भी काफी जर्जर हो गई है। उन्होंने इसके अलावे लालाटोली से बड़ी संगत मठिया व धर्मशाला को जोड़ने वाले पथ आदि का भी जिक्र किया है। अखिलेश ने बताया कि विधायक ने उनकी मांगों पर सार्थक जबाव दिया है और कहा है कि मैं भी उसी रास्ते से गुजरता हूं, मुझे भी तकलीफ होती है। मैंने स्टेशन रोड की मरम्मत के लिए पहले से ही विधानसभा में आवाज उठा चुका हूं। उम्मीद है कि बरसात के बाद यह रोड बन जाएगा। मांग पत्र सौंपने के दौरान उनके साथ मोहित श्रीवास्तव, विनोद चौधरी, वसीम अख्तर, शशी पटेल, प्रमोद कुमार पाठक, मंतोष चौधरी, राकेश कुमार, आदि सदस्य मौजूद थे।

रघुनाथपुर में मनाई गई बीपी मंडल की जयंती

ब्रह्मपुर। रविवार को रघुनाथपुर बाजार समिति के प्रांगण मे समाजवादी विचार मंच के द्वारा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री तथा भारत सरकार के पिछड़ा आयोग के सर्वेसर्वा रहे बीपी मंडल की 106 वी जयंति समारोह पूर्वक मनाई गई। जिसमें उपस्थित सभी वक्ताओं ने कहा कि मंडल साहब ने पिछड़ो के सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति का आंकलन किया और उसकी रिपोर्ट तैयार किया। जिसको मंडल कमिशन का नाम दिया गया। उसी रिपोर्ट के लागू होने पर पूरे भारत के पिछड़ो को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिला। इस मौके पर वक्ताओं ने स्व. बीपी मंडल को भारत रत्न देने की मांग केंद्र सरकार से की। इस मौके पर समाजवादी विचार मंच के संयोजक पूर्व मुखिया संतोष यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता और संचालन सतेंद्र कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम में राजद नेता शशि कुमार राय, अरविन्द कुमार सिंह, भाई सुनील, बिट्टू बलवंत, रंजीत राम, सुनील कुमार, पप्पू यादव, सरोज कुमार, श्रवण कुमार, राजेश सिंह, गफुर खान, ललन दुबे, अजय कुमार सिंह इत्यादि लोगो ने मंडल के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

खबरें फटाफट

अज्ञात बाइक सवार ने अधेड़ को मारी टक्कर

केसठ। स्थानीय केसठ वासुदेवा मार्ग पर शिवपुर गांव के समीप शनिवार की शाम एक अज्ञात बाइक सवार ने अधेड़ में टक्कर मार दिया जिससे युवक की एक पैर की हड्डी टूट गई। इस दुर्घटना में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मिली जानकारी के अनुसार केसठ के शिवपुर गांव निवासी रामयेकपाल के 45 वर्षीय पुत्र रंगलाल पासवान शनिवार की देर शाम केसठ से बाजार कर अपने गांव शिवपुर जा रहे थे। तभी विपरीत दिशा से तेज गति से आ रही एक अज्ञात बाइक ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिसको छटपटाते देख स्थानीय पीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार कर बक्सर रेफर कर दिया।

आज से बूथ लगाकर खिलाई जाएंगी फाइलेरिया रोधी दवाएं

बक्सर। जिले में 10 अगस्त से फाइलेरिया उन्मुलन के लिए एमडीएम अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत सोमवार से जिले में बूथ लगाकर लोगों को दवाओं का सेवन कराया जाएगा। इसके लिए जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यालय ने सारी तैयारियां पूरी कर ली है। इस संबंध में बताया गया कि अभियान के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। जिसके तहत लाभुकों को दवाइयां खिलाई जाएंगी।

बहला फुसलाकर मासूम से किया अप्राकृतिक यौनाचार, आरोपी धराया

केटी न्यूज/ ब्रह्मपुर

नैनीजोर थाना क्षेत्र के एक गांव में छह वर्षीय एक मासूम के साथ अप्राकृतिक यौनाचार का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित के पिता ने इस मामले में आरोपित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। मिली जानकारी के अनुसार वह इसके पहले भी उक्त मासूम के साथ ऐसी हरकत कर चुका है। लेकिन तब परिजनों ने शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। लेकिन उसने जब दुबारा ऐसी हरकत की तो मामला पुलिस तक पहुंच गया। नैनीजोर थानाध्यक्ष मो फिरोज आलम ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, ग्रामीण सूत्रों की माने तो वह कई अन्य मासूमों को भी बहला फुसलाकर अपनी हवस का शिकार बना चुका था।

डीएवी स्कूल में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में बाल गोपाल संग किया गया पूजन

डुमरांव। डीएवी स्कूल के प्राचार्य सी के पाठक के नेतृत्व में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में स्कूल परिसर में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा व हवनादि किया गया। पाचार्य ने अपने सहकर्मियो और बाल गोपाल संग सनातनी विधि से हवन-पूजन कर दिन की शुरूआत की। आशुतोष पांडा धमार्चार्य ने हवन के कार्य को सम्पन्न कराया। इस मौके पर दीपक सिंह, आशीष तिवारी, राकेश पाण्डेय, श्रवण कुमार, संजय मुखर्जी, रागिनी गौतम, श्रीपति वसावी, रीना सिह, उमेश चौधरी, संतोष कुमार सहभागी के रूप में साथ रहे। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर बाल गोपालो ने मटका तोड़ा और राधा कृष्ण की भव्य झांकियां प्रस्तुत की। राधा कृष्ण बने बच्चे आकर्षण के केंद्र बने रहे तथा सबका मन मोह रहे थे। दर्शक दीर्घा में बैठे बच्चों ने भी कार्यक्रम का खुब लुत्फ उठाया। प्राचार्य महोदय ने सभी बच्चों को प्रोत्साहित कर जीवन मे कुछ अच्छा करने ओर हमेशा सत्य पर चलने की सलाह दी। प्राचार्य महोदय ने सभी बच्चों की मनभावन प्रस्तुती एव सहकर्मी को बेहतरीन शैक्षणिक अनुभव प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापन देकर सम्मानित किया।

डुमरांव स्टेशन रोड के गड्ढे को भरने का काम हुआ शुरू, नप हटवा रहा पानी

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर के स्टेशन रोड की स्थिति काफी जर्जर हो चुकी है। गड्ढों में तब्दील इस सड़क को भरने और उसमें जमा पानी को हटाने का काम नगर परिषद ने शुरू कर दिया है। पहले फेज से गड्ढे में जमा पानी को पम्पिंग सेट लगाकर पानी को हटाया गया है। फिर जहां फिर जहां फुटपाथ रोड से उपर है, उसे समतल कर रोड से नीचा किया जा रहा है। फुटपाथ को समतल करने के बाद नाली का निर्माण किया जाएगा। जहां रोड पर पानी लगता है वहां पर नाली की व्यवस्था ही नहीं है। इस संबंध में चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया की नप का यह रोड नहीं है, यह रोड एनएच का है। नगरवासियों की परेशानी को देखते हुए नप ने रोड को भरने और फुटपाथ को समतल करने का काम शुरू किया है। वैसे एन एच के अधिकारियों को नप ने पत्राचार कर सारी जानकारी दिया भी है। एन एच के अधिकारी आज आकर सारी जानकारी लेकर गए भी हैं। इस पर शीघ्र काम लगाने का आश्वासन भी दिया है।

मालूम हो कि डुमरांव शहर की रोड रेलवे स्टेशन से लेकर टीचर्स ट्रेनिंग स्कूल तक पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। स्टेशन रोड में राज हाईस्कूल व महरौरा मोड़ के पास जानलेवा गड्ढा निकल आया है। इन गड्ढों में पानी भरा रहने के कारण इसके गहराई का पता ही नहीं चलता और प्रतिदिन वाहन फंस और पलट रहे थे। लिहाजा सरकार से लेकर अधिकारियों तक की बदनामी हो रही थी। नप ने रविवार को जेसीबी लगाकर स्टेशन रोड में उभर आए गड्ढे और नाली के पानी के बहाव को रोकने के लिए फुटपाथ को समतल कर नाली निर्माण के लिए सुगम बना रहा है। आने वाले दिनों में रोड पर पानी नहीं लगे नप इसका इंतजाम करने में जुट गया है।

कैंब्रिज स्कूल, बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा देने आने वाले हजारों परीक्षार्थियों को झेलनी पड़ी परेशानी

चिंतनीयः जर्जर हुआ हरनही रोड, कीचड़ व जलजमाव से हादसे की बनी है आशंका

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के शहीद मर्द रोड से जुड़े हरनही रोड काफी जर्जर हो गया है। इसी पथ में कैंब्रिज स्कूल स्थित है, जहां केन्द्रीय चयन पार्षद द्वारा सिपाही भर्ती परीक्षा का केन्द्र बनाया गया है। रविवार को इस केन्द्र पर सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा आयोजित हुई। इस दौरान परीक्षार्थियों को सड़क के खस्ताहाल से काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बता दें कि शक्ति द्वार रोड से हरनही रोड में प्रवेश करते ही गड्ढे व कीचड़ शुरू हो जाते है। कई जगहों पर तो पूरी सड़क ही गड्ढों में तब्दील हो गई है। जिस कारण आवागमन में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। वही, स्थानीय नगर परिषद प्रशासन से लगायत संबंधित अधिकारी इस मामले में बेफिक्र बने है।

इस पथ के खस्ताहाल से रविवार को बिहार पुलिस की परीक्षा के दौरान ई-रिक्शा (टोटो) से परीक्षा केन्द्र पर जाने वाले परीक्षार्थियों को भारी फजीहत झेलनी पड़ी। कई टोटो तो गड्ढें व जलजमाव के कारण पलट गए। वही, बाइक भी फिसलते रही। जिस कारण परीक्षार्थियों के कपड़े भी गंदे हो रहे थे। जिस कारण सिपाही भर्ती के परीक्षार्थियों में व्यवस्था के प्रति गहरी नाराजगी थी।

हर दिन पढ़ने आते है हजारों बच्चें : बता दें कि कैंब्रिज स्कूल डुमरांव का प्रतिष्ठित स्कूल है। यहां हर दिन हजारों बच्चें पढ़ने आते है। जिन्हें जर्जर सड़क से परेशानी उठानी पड़ रही है। कैंब्रिज स्कूल के डायरेक्टर टीएन चौबे ने बताया कि यह सिर्फ उनकी समस्या नहीं है, बल्कि हर दिन स्कूल के हजारों छात्रों, किसानों तथा इस पथ से जुड़े लोगों की भी परेशानी है। उन्होंने कहा कि सिपाही भर्ती परीक्षा के अलावे अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ ही मैट्रिक की परीक्षा भी प्रत्येक साल इस विद्यालय में आयोजित कराई जाती है। जिसमें सैकड़ो परीक्षार्थी परीक्षा देने आते है। उन्हें भी सड़क के खराब स्थिति से परेशान होना पड़ता है।

एनएच 922 को जोड़ती है यह सड़क : बता दें कि यह सड़क काफी उपयोगी है तथा डुमरांव को खासकर अनुमंडल कार्यालय तथा कालीमंदिर के साथ ही नथुनी के बाग इलाके को एनएच 922 से जोड़ती है। यह पथ आगे जाकर रेलवे क्रासिंग को पार करते हुए बड़का ढकाईच के पास एनएच 922 में मिलती है। राजकालीन यह सड़क काफी चौड़ी भी है। लोगों का कहना है कि यदि इस पथ का पक्कीकरण करा दिया जाए तो इस बड़े वाहन आसानी से आ सकते है तथा शहर व स्टेशन रोड में वाहनों का दबाव भी कम होगा।

खबरें फटाफट

नगर पंचायत के ट्रैक्टर ने महिला को रौंदा

छपरा। जिले के दरियापुर थाना अंतर्गत सैदपुर गांव में नगर पंचायत का कचरा ढोने वाले ट्रैक्टर ने एक महिला को जोरदार टक्कर मार दिया। जिसके कारण महिला की मौत हो गई। मृत महिला दरियापुर थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव निवासी मकसूदन राम की 70 वर्षीय पत्नी लखपतिया देवी है। प्राप्त जानकारी अनुसार वह महिला घर के समीप ही कुछ कर रही थी, तभी नगर पंचायत का कचरा ढोने वाला ट्रैक्टर उधर से गुजरा और उसे धक्का मार दिया।जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गई और अस्पताल ले जाने से पहले उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद परिवार वालों में कोहराम मच गया। सूचना के बाद दरियापुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेजा, जहां शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद उसे परिवार वालों को सुपुर्द कर दिया गया।

नकल के आरोप में तीन केंद्रों पर की गई कार्रवाई

आरा। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) की ओर से आयोजित बिहार पुलिस के सिपाही संवर्ग (सामान्य व सशस्त्र) की पांचवें चरण की लिखित परीक्षा रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हो गयी। सभी केंद्रों के बाहर और अंदर के अलावा शहर में सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। परीक्षा के दौरान तीन केंद्रों से छह अभ्यर्थी कदाचार के आरोप में निष्कासित कर दिये गये। इन पर परीक्षा अधिनियम के तहत केंद्राधीक्षकों की ओर से संबंधित थानों में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के आरबीएस पब्लिक स्कूल सनदिया केंद्र पर दो अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र की कॉपी अदला-बदली करते पकड़ा गया। दोनों को सीसीटीवी की निगरानी में बुकलेट आदान-प्रदान करते पाया गया।

नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा हाउसिंग कॉलोनी में परिवार के साथ रहता था युवक

भोजपुर में घर से निकले युवक का हत्या कर फेंका मिला शव

- परिजन द्वारा मारपीट कर व गला दबाकर हत्या करने का लगाया जा रहा है आरोप
- पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले में रात में घर से निकले युवक की हत्या कर फेंका गया शव बरामद हुआ है। उसका शव के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दुल्हीनगंज गांव के दुल्हनगंज-घाघा बाजार रोड में सड़क किनारे से बरामद हुआ है। मृतक के गले पर रंग का निशान,सूजन, उसके नाक,आंख मुंह में खून लगा जख्म, चेहरे, बाल में मिट्टी लगा हुआ, गर्दन व सीने पर खरोंच का निशान एवं गर्दन मुड़ा हुआ पाया गया है। जिसके कारण मृतक के परिजन द्वारा मारपीट कर व उसका गला दबाकर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। शव के मिलने से गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना जगदीशपुर थाना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। कुछ देर बाद उसकी पहचान हुई। उसके बाद पुलिस ने इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन जगदीशपुर थाना पहुंचे। जिसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदस्य अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गजराजगंज ओपी अंतर्गत बिशनपुरा गांव निवासी कवि तिवारी का 24 वर्षीय पुत्र अंकित आदित्य है। वह वर्तमान में नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा हाउसिंग में अपने परिवार के साथ रहता था। इधर मृतक के परिजन ने बताया कि शनिवार की रात करीब साढ़े आठ बजे वह घर से बिना कुछ कहे बाहर निकाला था और देर रात तक वह घर वापस नहीं लौटा। जिसके बाद परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया था। अभी परिजन उसकी खोजबीन कर ही रहे थे। इसी बीच रविवार की सुबह जगदीशपुर थाना द्वारा फोन कर उन्हें सूचना दी गई की उसका शव बरामद हुआ है। जिसके बाद परिजन वहां पहुंचे। वहीं परिजन द्वारा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। इसके अलावा परिजन द्वारा मारपीट कर व उसकी गला दबाकर हत्या करने का भी आरोप लगाया है। हालांकि उसकी हत्या किसने और क्यों की। इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। वहीं पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार भी मृतक की मौत मारपीट कर वह गला दबाकर मृत्यु होना प्रतीत होता है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। मृतक अपने एक भाई व एक बहन में बड़ा था एवं अपने मां-बाप का इकलौता चिराग था। उसके परिवार में मां अनुराधा तिवारी एवं एक बहन है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक की मां अनुराधा तिवारी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गायत्री परिवार की युवा इकाई ने किया पौधरोपण

जहानाबाद। विश्व संस्कृत दिवस के पावन अवसर पर गायत्री परिवार की युवा इकाई प्रज्ञा युवा प्रकोष्ठ जहानाबाद के द्वारा संस्कृत विद्यालय, ठाकुरवाड़ी जहानाबाद में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विधान पार्षद जीवन कुमार ने बताया कि वर्तमान समय में वृक्षारोपण का कार्य सबसे महत्वपूर्ण है। वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण को संतुलित किया जा सकता है। प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों के माध्यम से प्रकृति सभी प्राणियों पर अनंत उपकार करती है। पेड़-पौधे हमें छाया प्रदान करते हैं। जंगल ही हैं जो जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों को कम करने की क्षमता रखते हैं, जिसके लिए वृक्षारोपण अभियान जारी रहना जरुरी है। इसी से जलवायु में सुधार संभव है। पौधरोपण प्रक्रिया प्रकृति में संतुलन बनाए रखती है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समय निकाल कर पर्यावरण की रक्षा हेतु कम से कम पांच पौधे लगाकर उसकी सेवा करनी चाहिए। साप्ताहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम जिले को हरा भरा बनाने में महती भूमिका निभा रहा है।

माइक्रो प्लान तैयार कर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर खिलाई जायेगी एल्बेंडाजोल गोली: डीएम

केटी न्यूज/छपरा

कृमि संक्रमण से शारीरिक एवं मानसिक विकास बाधित होता है। गंभीर संक्रमण से दस्त, पेट दर्द, उल्टी,कमजोरी आदि जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके लिये समय समय पर डीवर्मिंग के लिये एल्बेंडाजोल की खुराक लेनी चाहिये। 1-2 वर्ष के बच्चों को आधी गोली तथा 2-3 वर्ष के बच्चों को एक गोली चूर्ण बनाकर पानी में मिलाकर खिलाना चाहिए। 3-19 वर्ष के बच्चों को एक गोली अच्छी तरह से चबाकर पानी के साथ खानी चाहिए। आगामी 4 सितंबर को राष्ट्रीय कृमि दिवस के अवसर पर 1-19 आयुवर्ग के बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को यह दवा निःशुल्क खिलाई जायेगी। यह दवा आंगनबाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों के माध्यम से लक्षित आयुवर्ग के बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को खिलाई जायेगी। 1-5 वर्ष आयुवर्ग के सभी बच्चों एवं 6-19 आयुवर्ग के वैसे बच्चे जो विद्यालय नहीं जा रहे हैं,उन्हें आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से दवा खिलायी जायेगी। विद्यालय में अध्ययनरत सभी बच्चों को विद्यालय के माध्यम से दवा खिलायी जायेगी। इसके एक सप्ताह के बाद 11 सितंबर को मॉप-अप राउंड चलाया जायेगा जिसमें छूटे हुये बच्चों को दवा खिलायी जायेगी। इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर डीएम ने स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस एवं शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक किया। 4 सितंबर से पूर्व स्पष्ट माइक्रो प्लान तैयार कर कार्रवाई करने का निदेश दिया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में इसका सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करायेंगे। इनके लिये वह अपने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट एक्शन प्लान के तहत कार्रवाई करेंगे।

दरधा नदी में अचानक आयी बाढ़, कई इलाके में चढ़ा पानी

केटी न्यूज/जहानाबाद

दरधा एवं यमुने नदी में अचानक उफान आ गया है। जिससे नदी के किनारे रहने वाले इलाके में अफरा तफरी मच गयी। शहर के बीच से बहने वाली दोनों नदियों में अचानक आई बाढ़ से निचले मोहल्ला जाफरगंज एवं आम्बेडकर नगर मोहल्ले में बाढ़ का पानी घुस गया है। जिससे लोगो को घोर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार नदी के पानी में हो रही बृद्धि से नदी के किनारे के घरों को खाली करना भी प्रारम्भ कर दिया है। वही कुछ लोग जान जोखिम में डाल कर नदी के तेज धारा में पानी से डूबी पुल पार कर रहे है। जिससे हादसे की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगो ने बताया कि अचानक नदी में पानी आ जाने से निचली इलाके के कई घरों में पानी आ गया है। वही नदी में बाढ़ आने से जाफरगंज जाने वाली पूल डूब गया है और उसपर पानी की तेज धारा बह रही है। लेकिन कुछ लोग जान जोखिम के डालकर पुल को पार कर रहे है। ऐसे में हादसा भी हो सकता है। हालांकि प्रशासन एक तरफ बैरिकेटिंग भी कर रखी है वावजूद लोग पुल को पार कर रहे है। स्थानीय लोगों की माने तो इन्हें रोकने और टोकने वाला कोई नही है।

एक नजर

विदेशी शराब के साथ चार कारोबारी गिरफ्तार

छपरा। सारण एसपी डॉक्टर कुमार आशीष के नेतृत्व में सारण पुलिस द्वारा जिले में अवैध शराब का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में मकेर थाना को मद्यनिषेध इकाई पटना से सूचना प्राप्त हुई कि सोनहो चौक होते हुए शराब लदी दो चार पहिया वाहन रेवा घाट पुल पार करने वाली है।प्राप्त सूचना पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए रेवा घाट पुल के पास सघन वाहन चेकिगं प्रारंभ किया गया। वाहन चेकिंग के क्रम में दो चार पहिया वाहन को 219 लीटर विदेशी शराब के साथ जब्त किया गया।साथ ही इस कारोबार में संलिप्त चार कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया। जिनमें सोनीपत निवासी राहुल कुमार,आशीष कुमार,जगदीशपुर गांव निवासी शहीद मलिक एवं मोहित सरोहा शामिल हैं।छापेमारी टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारियों में अपर थानाध्यक्ष मकेर थाना के अखिलेश कुमार,मेराज खां,रामनिवास कुमार,विक्रम कुमार, मकेर थाना एवं थाना के अन्य कर्मी शामिल थे।

मुन्ना भवानी के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाएं जनसुराज से जुड़ीं

छपरा। पटना में प्रस्तावित जनसुराज की राज्यस्तरीय महिला कार्यशाला में सम्मिलित होने के लिए रविवार को पटना के बापू सभागार में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं ब्रजेन्द्र कुमार सिंह उर्फ मुन्ना भवानी के साथ छपरा से पटना पहुंची। पटना प्रस्थान के पूर्व मुन्ना भवानी ने कहा कि इस महिला कार्यशाला को जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर संबोधित करेंगे और आगे महिलाओं को लेकर क्या करना है, महिलाओं का उत्थान कैसे हो सके इस पर भी प्रशांत किशोर बात करेंगे और महिलाओं से सवाल जवाब भी करेंगे।जनसुराज के साथ काफी संख्या में महिलाएं जुड़ रही हैं और धीरे-धीरे जनसुराज में महिलाओं की संख्या काफी अधिक हो गई है। अभी भी रोजाना पूरे सारण में अधिक से अधिक महिलाएं जुड़ रही हैं।प्रशांत किशोर महिलाओं को लालच नहीं दे रहे हैं बल्कि एक उम्मीद दे रहे हैं कि हम आगे महिलाओं को विशेष भागीदारी देंगे। साथ ही साथ महिलाओं को रोजगार का बेहतर अवसर प्रदान करना भी जनसुराज का उद्देश्य है।जिलाध्यक्ष बच्चा राय,मुन्ना भवानी,खुर्शीद नैयर,रूपझरी देवी,मीणा देवी,जिंतेंद्र मांझी,प्रकाश सिंह,नीरज तिवारी,रणवीर सिंह,अप्पू सिंह,आनन्द यादव के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं पटना गई।

महिला पर्यवेक्षिका को मिलेगा नियोजन पत्र

छपरा। समाज कल्याण विभाग के तहत समेकित बाल विकास परियोजना अंतर्गत सारण जिला में उपलब्ध रिक्तियों के विरुद्ध 37 महिला पर्यवेक्षिकाओं का नियोजन किया गया है। इनमें से 27 महिला पर्यवेक्षिकाओं को उनके दस्तावेजों के सत्यापन के उपरांत नियोजन पत्र दिया जाएगा।

डालिम्स सनबीम स्कूल के बच्चों ने श्रीकृष्ण व राधा की सुंदर झांकियां निकाल मोहा मन

केटी न्यूज / गाजीपुर

सीबीएसई द्वारा मान्यता प्राप्त डालिम्स सनबीम स्कूल गांधी नगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। नन्हें बच्चे कृष्ण व राधा की पोशाकें पहनकर स्कूल पहुंचे। बच्चों ने श्रीकृष्ण व राधा की सुंदर झांकियां निकाली। नर्सरी से यूकेजी कक्षा के बच्चों ने सुंदर-सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए। चौथी कक्षा के बच्चों ने श्रीकृष्ण के जीवन से संबंधित बहुत सुंदर संगीत की प्रस्तुति करके माहौल कृष्णमय कर दिया।

इस दौरान स्कूल को पूरी तरह सजाकर कृष्णमयी रुप दिया गया था। बच्चों ने दही हांडी का भी सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए हांडी फोड़ी। जिसमे डायरेक्टर हर्ष राय ने कहा कि हर साल की भांति इस साल भी हमारे बच्चो में एक उत्साह है जिसे देख बहुत आनंद आता है और हमें भी अपना बचपन याद आता है। बच्चे भगवान का रूप होते है जिसमें हम श्रीकृष्ण को देख रहे राधा रानी की झलक को देख पा रहे हैं। विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. प्रेरणा राय ने बच्चों को श्रीकृष्ण की लीलाओं से अवगत करवाया और बताया कि ऐसे उत्सव न केवल बच्चों में नई ऊर्जा व स्फूर्ति प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें अपनी संस्कृति व सभ्याचार से जोड़कर भी रखते हैं। इसलिए बच्चों को हमारे सनातन धर्म में होने वाले सभी त्योहारों को बताने के लिए गतिविधियां ही एक मात्र साधन है। इससे बच्चों को त्योहारों के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके। स्कूल प्रांगण में श्रीकृष्ण की अलग -अलग तरह से झांकियां बनाई गई। जिसमें नन्द बाबा का गांव का रूप, गौशाला, श्री कृष्ण को पालने में और यमुना नदी का स्वरूप दिया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में एक्टिविटी इंचार्ज नेहा राय, आरती सिंह, पूजा सिंह , ऋतु यादव, नेहा उपाध्याय, सुशील राय, रागिनी पांडेय, विजयलक्ष्मी यादव आदि ने अपना योगदान दिया।

एक नजर

शिक्षण संस्थान की लापरवाही के कारण कोई पात्र छात्र छात्रवृत्ति से वंचित न रहें: गिरजा शंकर

गाजीपुर। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गिरिजा शंकर सरोज ने समस्त शिक्षण संस्थानों को सूचित किया कि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग को छोड़कर) दशमोत्तर छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के संबंध में छात्रों के बैंक खाते से आधार सीडिंग व योजना की अन्य शर्तों के बारे में छात्रों एवं अभिभावकों को शिक्षण संस्थान स्तर पर कार्यरत नोडल अधिकारी/शिक्षण संस्थान के कक्षाध्यापक/शिक्षकों के माध्यम से छात्रवृत्ति योजनाओं के नियमों/शर्तों एवं छात्रवृत्ति अन्तरण से संबंन्धित प्रकिया के बारे में विधिवत जानकारी/सूचना प्रदान कराएं। जिन छात्रों के आवेदन पत्रों में त्रुटियॉ हों उन छात्रों से नोडल अधिकारी व्यक्तिगत रूप से संपर्क स्थापित कर त्रुटियों का सुधार कराएं। समस्त शिक्षण संस्थान सभी अर्ह छात्रों का आवेदन सुनिश्चित कराएं तथा अर्ह छात्रों का आवेदन समयान्तर्गत अग्रसारित करना भी सुनिश्चित करें तथा इस आशय का प्रमाण पत्र दें कि सभी अर्ह छात्रों का आवेदन कराते हुए उनका आवेदन संस्था के माध्यम से अग्रसारित कर दिया गया है। यदि शिक्षण संस्थान स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही के कारण कोई पात्र छात्र छात्रवृत्ति से वंचित रहता है तो इसका उत्तरदायित्व स्वयं शिक्षण संस्थान की होगी।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गाजीपुर। गहमर थाने के सायर गांव में एक नवविवाहिता ने देर रात साड़ी का फंदा बना फांसी लगा ली। नवविवाहिता के आत्महत्या करने व दूधमुंही बच्ची के रोने बिलखने पर पास पड़ोस के लोगों की नींद खुली की खुली रह गई। लोग जब उसके घर पहुंचे तो देखा नव विवाहिता फांसी पर झूली हुई है। लोगों के द्वारा घटना की सूचना गहमर कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची गहमर कोतवाली पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी। बता दें कि सेवराई तहसील क्षेत्र के सायर गांव निवासी दीपक राम 26 वर्ष चेन्नई में प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है। दीपक की शादी दो वर्ष पूर्व जमानिया कोतवाली क्षेत्र के बघरी गांव निवासी निरहू राम की पुत्री गुड़िया के साथ हिन्दू रीति- रिवाज से हुई थी। दोनों की एक 11 माह की बेटी भी है। गुड़िया के पति इस समय चेन्नई में प्राइवेट नौकरी करते हैं। मृतका गुड़िया रक्षाबंधन में भाई को राखी बांधने के लिए अपने मायके बघरी गई हुई थी, जहाँ से शनिवार की शाम चार बजे वह अपने ससुराल सायर आई। घर में गुड़िया के अलावा अन्य कोई सदस्य नहीं था। इस बीच किसी बात को लेकर गुड़िया ने शनिवार की देर रात घर मे लगे बांस के सहारे साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

खबरें फटाफट

केंद्रीय काउंसलिंग के लिए छात्र तीन तक जमा करें कागजात

गाजीपुर। यूपी बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा -2024 में जिन छात्र-छात्राओं को केंद्रीय काउंसलिंग द्वारा स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर (पीजी कालेज-गाजीपुर) आवंटित हुआ है, वह सभी छात्र-छात्राएं (उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा 23 से 31 अगस्त तक परीक्षा केंद्र पीजी कॉलेज होने के कारण) अब 03 सितंबर 2024 को चीफ प्रॉक्टर ऑफिस में पहुंचेंगे। वहां समस्त प्रमाण पत्रों की मूल प्रति साथ में छाया प्रति, दो प्रति पासपोर्ट साइज फोटो (जो संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड् के प्रवेश फार्म पर लगाया गया हो) तथा टीसी/प्रवजन प्रमाण पत्र के साथ समय साढ़े बारह बजे संपर्क करें।

तालाब किनारे युवक का मिला शव, हत्या की आशंका

मऊ। घोसी कोतवाली क्षेत्र के मुस्कुरा गांव में रविवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब गांव से कुछ दूरी पर तालाब के किनारे एक युवक का शव पाया गया। युवक का शव तालाब के किनारे देखने के बाद ग्रामीणों ने उसकी पहचान कर परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद जांच-पड़ताल में जुटी रही। वहीं, आवश्यक कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। घोसी कोतवाली क्षेत्र के मुस्कुरा गांव निवासी राकेश यादव (27) वर्ष गांव में ही बच्चों को ट्यूशन पढ़ाता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि शनिवार की देर शाम को वह रोज की भांति बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने के बाद घर आया था। रात को भोजन करने के बाद वह सोने के लिए अपने कमरे में देखा गया था, लेकिन रविवार की सुबह घर पर मौजूद नहीं था। सुबह के समय गांव के लोग तालाब के किनारे से होकर अपने खेत की तरफ जा रहे थे। इस बीच, वहां पर शव देखने के बाद जब पास गए तो उसकी पहचान राकेश यादव के रूप में हुई। धीरे-धीरे वहां ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालुओं में उत्साह

आज प्रत्येक घरों में जन्म लेंगे कान्हा शंखनाद से गूंजेगा हर मंदिर और द्वार

केटी न्यूज / बलिया

नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक घरों में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की तैयारी आरम्भ हो गई है। वहीं कुछ कमेटियों द्वारा पंडाल बनाकर उसमें मूर्ति स्थापित कर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस दिन लोग व्रत भी रखते हैं। जबकि कुछ लोग निर्जला व्रत भी रहते हैं। भगवान कान्हा की झांकी सजाने के लिए रविवार को लोगों ने राधे-कृष्ण की विभिन्न स्वरूपों की मूर्तियों के साथ ही कान्हा के वस्त्र, मुकुट, सिंहासन, गद्दी के साथ ही साज-सजा के सामानों की श्रद्धालुओं ने खरीददारी की। भाद्रपद कृष्ण पक्ष के अष्टमी तिथि सोमवार (26 अगस्त) को भगवान श्रीकृष्ण का जन्म प्रत्येक घरों में होगा। जबकि मंदिरों में उसके अगले दिन जन्मोत्सव साधु संतों द्वारा मनाया जाएगा। इसकी तैयारी नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जोरों पर चल रही है। नगर के पुलिस लाइन, शहर कोतवाली सहित जनपद के सभी थानों एवं चौकियों में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की तैयारी जारी है। इसके अलावा जिला कारागार में मुरलीधर का जन्मोत्सव बंदीरक्षक व निरूद्ध कैदियों द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा। नगर से सटे मिड्ढा गांव में झांकी सजाई जा रही है। जबकि सुखपुरा थाना के बसंतपुर गांव में विभिन्न कमेटियों द्वारा पंडाल बनाकर कान्हा की मूर्तियां स्थापित कर पूजा की जाती है। जबकि प्रत्येक वर्ष आरपीएफ परिसर में होने वाला श्रीकृष्ण जन्माष्टमी इस वर्ष कोरोना महामारी के चलते नहीं मनाई जा रही है। बता दे कि सोमवार को कान्हा प्रत्येक घरों में रात के 12 बजे जन्म लेंगे। इनके जन्म लेने के बाद महिलाएं पारम्परिक गीत सोहर गाती हैं। तत्पश्चात आरती व प्रसाद का वितरण कर व्रती लोग पारण करते हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन विहिप मनाएगा 60वीं वर्षगांठ

बलिया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दिन विश्व हिंदू परिषद के 60 वर्ष पूरे होने पर बीजेपी जिले में धूमधाम से 60वा वर्ष गांठ मनाएगा। वही नगर के एक धर्मशाला में 30 अगस्त को व्यापक स्तर पर विश्व हिंदू सम्मेलन आयोजित करेगा। यह बातें श्री कृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर रविवार को हरपुर मिड्ढी स्थित आवास पर विहिप के प्रांतीय सह मंत्री मंगलदेव चौबे प्रेसवार्ता के दौरान कही। कहाकि अब तक 40 लाख से अधिक भाई बहनों को धर्म परिवर्तन से बचाया गया है तथा पूरे भारत में नौ लाख से ज्यादा हिंदू भाइयों बहनों को स्वधर्म में वापस लाया गया हैं। राजस्थान के ब्यावर परियोजना में लगभग एक लाख मुस्लिम धर्मांतरित हिंदुओं को घर वापस लाया गया है। इसके अलावा बांसवाड़ा में भी 300 से ज्यादा विद्यालय, 20 छात्रावास और 100 से अधिक संस्कार केंद्रों के माध्यम से ईसाई बन चुके पचास हजार हिंदुओं को घर वापस लाया गया है। यहां पिछले 15 सालों में एक भी हिंदू ईसाई नहीं बना। बताया कि 31 प्रांतों के 93 स्थानों पर 840 संस्कार शालाएं संचलित है। बताया कि सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जातिगत विभाजन को कम करने और हिंदू समाज में एकता स्थापित करने के लिए अभियान चलाना चाहिए। बताया कि सन 1964 में भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दिन विहिप की स्थापना हुई थी, निरंतर प्रयास से आज परिषद लगातार अपने लक्ष्य के प्रति बेहतन परिणामों के साथ अग्रसर है। इस मौके पर विहिप के विभाग मंत्री विवेकानंद पांडेय आदि मौजूद रहे।

किशोरी से चचेरे चाचा ने किया दुष्कर्म पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

- किशोरी के माता-पिता हरियाणा में करते हैं प्राइवेट नौकरी

केटी न्यूज / बलिया

बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बगल के घर में सो रही 15 वर्षीय किशोरी के साथ उसके चचेरा चाचा ने शुक्रवार की देर रात कमरे में घुसकर मुंह में कपड़ा ठूंस कर उसके साथ जबरिया दुराचार किया। दुराचार के बाद चाचा किशोरी को बेहोश छोड़कर वहां से फरार हो गया। शनिवार की देर रात पुलिस ने पीड़िता की सगी चाची के तहरीर पर पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को रविवार को पुलिस ने गिरफ्तार न्यायालय भेज दिया। उधर, घटना की जानकारी होते ही रविवार की सुबह गांव एसपी विक्रांत वीर ने परिजनों से घटना की जानकारी ली और घटना स्थल का निरीक्षण किया। मिली जानकारी के अनुसार बगल के घर में रहने वाला चाचा देर रात एक बजे छत के सहारे घर में पंहुचकर किशोरी के मुंह में कपड़ा ठूंसकर उसके साथ दुराचार किया और कमरे में बेहोशी हालत में छोड़कर फरार हो गया। काफी देर बाद होश में आई किशोरी ने डर और भय से पूरा एक दिन चुपचाप बिता दिया। शनिवार की देर शाम जब किशोरी की तबियत खराब हुई तो उसने अपनी चाची को घटना की जानकारी दी। किशोरी की चाची ने पुलिस को शनिवार की देर रात ही तहरीर देकर मामले की जानकारी दिया। मामले में पुलिस ने पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। रविवार को एसपी विक्रांत वीर व फोरेंसिक टीम किशोरी के घर पहुंचकर परिजनों से बात कर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। किशोरी अपने तीन छोटे भाई बहनों के साथ अपने दादा, दादी व चाचा, चाची के साथ गांव पर रहती है। माता-पिता हरियाणा में रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं। कोतवाली पुलिस ने महिला आरक्षी की मौजूदगी में किशोरी का बयान लिया। इस बाबत एसपी विक्रांत वीर ने बताया कि मेरी वह फ्रेंडशिप टीम द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया और मामले में दुष्कर्म व पाक्सो का मुकदमा दर्ज कर साक्ष्य संकलन किया जा रहा है।

फेफना जंक्शन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव ना होना दुर्भाग्यपूर्ण : जनार्दन

सिंहपुर। क्षेत्रीय संघर्ष समिति के बैनर तले फेफना जं. रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव सहित तीन सूत्रीय मांगों को लेकर विगत छह दिनों से क्रमिक अनशन चल रहा है। इसके पहले 19 दिनों तक धरना प्रदर्शन होता रहा। रविवार को बलेजी निवासी लल्लन प्रसाद, ईश्वर चंद, भरत राम, लालचंद यादव एवं ग्राम प्रधान प्रेमचंद यादव क्रमिक अनशन पर बैठे। इस दौरान अनशनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

क्षेत्रीय संघर्ष समिति के संयोजक जनार्दन सिंह ने कहा कि हम जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलनरत है। रेलवे प्रशासन समय रहते हमारी मांगों पर सार्थक पहल करते हुए इसे पूरा करे। जनार्दन ने कहा कि फेफना जं. रेलवे स्टेशन क्षेत्र के 80-85 गांवों का केन्द्र है। बावजूद इसके यहां किसी भी एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव ना होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

थाना समाधान दिवस पर 17 शिकायतों में से 3 का मौके पर हुआ निस्तारण

फरियादियों को बार-बार थाने में दौड़ाने पर होगी कड़ी करवाई : डॉ. इला मारन

- एसडीएम न्यायिक ने राजस्व निरीक्षक, लेखपाल को अलर्ट मोड में रहने का दिए निर्देश
- लापरवाही किसी की भी हो शिकायत मिलने पर बर्दास्त नही की जाएगी : एसडीएम राजेश अग्रवाल

केटी न्यूज / मऊ

घोसी कोतवाली परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें एसडीएम न्यायिक राजेश अग्रवाल ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी साथ ही समाधान करने के निर्देश दिए। इस दौरान कुल 17 शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिसमें 3 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। एसडीएम न्यायिक ने शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे मौके पर जाकर टीम के साथ जांच करें और शिकायतों का सही तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करें। जिससे ग्रामीणों की समस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके।

एसडीएम न्यायिक राजेश अग्रवाल ने राजस्व निरीक्षक, लेखपाल को क्षेत्र में अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जो भी भूमि विवाद जटिल प्रकृति के हों उनके बारे में बारीकी से जांच कर निपटारा करें जिससे कोई गंभीर घटना न घटित हो पाए। एसडीएम न्यायिक ने चेतावनी देते हुए कहा कि लापरवाही किसी की भी हो शिकायत मिलने पर बर्दास्त नही किया जाएगा। एसडीएम न्यायिक की कड़क प्रणाली की चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है खासकर गरीब जनता बेहद खुश है। एसपी डा. इला मारन ने थाना समाधान दिवस पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि सभी शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्वक करें। फरियादियों को बार-बार थाने में दौड़ाने पर कड़ी करवाई की जाएगी। इस दौरान घोसी के सीओ दिनेश मिश्र, कोतवाली प्रभारी राजकुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह, मतीन खान, आत्माराम, पारसनाथ, सुधाकर लेखपाल पंकज चौहान, अजीत राजभर, रवि कुमार, शनि सिंह, शशांक सिंह, अजय बहादुर, राजनाथ यादव, अजय चौहान, रामभवन, जयप्रकाश भारती और रितेश सिंह राजपूत लेखपाल गण समेत बड़ी तादाद में फरियादी मौजूद रहे।

प्रयागराज के नगर देवता श्री वेणी माधव के मंदिर का कायाकल्प करेगी योगी सरकार

- पर्यटन विभाग की तरफ से 209.35 लाख की लागत से मिलेगा मंदिर को भव्य स्वरूप
- सौर ऊर्जा से जगमग होगा मंदिर, श्रद्धालुओं को मिलेगी विशेष सुविधाएं

केटी न्यूज /प्रयागराज

तीर्थराज प्रयाग में आयोजित होने जा रहा महाकुंभ सनातन संस्कृति और हिंदू धर्म का सबसे बड़ा धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन है। योगी सरकार इसे भव्य, दिव्य और नव्य बनाने के लिए विशेष तौर पर यहां के मंदिरों का कायाकल्प कर रही है। इसी क्रम में पर्यटन विभाग की तरफ से भगवान श्री वेणी माधव मंदिर का कायाकल्प किया जा रहा है। इसके लिए योगी सरकार 209.35 लाख की धनराशि खर्च करेगी। वहीं मंदिर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए दो बड़े द्वार भी बनाए जा रहे हैं। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र प्रयागराज का संगम है। यहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की पावन धारा की इस त्रिवेणी में स्नान से मुक्ति की कामना के लिए यहां करोड़ों श्रद्धालु आते हैं। धार्मिक मान्यता है कि मुक्ति और पुण्य प्राप्ति की यह कामना तब तक पूरी नहीं होती जब तक प्रयाग के नगर देवता श्री बेनी माधव के दर्शन श्रद्धालु न कर लें। गंगा किनारे दारागंज स्थित प्राचीन मंदिर में महाकुंभ के दौरान पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए योगी सरकार ने इसके कायाकल्प का संकल्प लिया है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि पर्यटन विभाग 209.35 लाख की लागत से इस पौराणिक मंदिर का कायाकल्प करेगा। इसके लिए 205.35 लाख की धनराशि स्वीकृत हो चुकी है। प्रथम किस्त के रूप में 164.00 लाख का बजट शासन ने जारी भी कर दिया है। टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नवंबर के अंतिम सप्ताह तक यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

सौर ऊर्जा से जगमग होगा मंदिर, बढ़ेंगी बुनियादी सुविधाएं

श्री वेणी माधव के मंदिर की अवस्थिति ऐसी है कि यहां पहुंचने के लिए संकरे मार्ग होने की वजह से प्रायः जाम की स्थिति बन जाती है। शहर की सबसे पुरानी आवासीय बस्ती होने की वजह से मार्ग भी चौड़े नहीं किए जा सकते। ऐसे में पर्यटन विभाग मंदिर के लिए दो बड़े द्वार बनवा रहा है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह के मुताबिक यहां 3 मीटर और 5 मीटर लंबाई के दो प्रवेश द्वार बनाए जा रहे हैं, जिससे मंदिर परिसर में भीड़ एकत्र न हो सके। श्रद्धालुओं के विश्राम के लिए यहां यात्री शेड का भी निर्माण किया जा रहा है। मंदिर के अंदर पेयजल के लिए आरओ प्लांट लगाया जायेगा। मंदिर की बाहर की दीवारों की क्लैडिंग रेड स्टोन से की जाएगी। मंदिर सौर ऊर्जा से जगमग होगा, इसके लिए भी यहां विशेष व्यवस्था की जा रही है।

खबरें फटाफट

स्टेशन मास्टर को गोली मारने वाले शूटर गिरफ्तार

चंदौली। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के हमीदपुर गांव के पास जीवनथपुर स्टेशन मास्टर को गोली मारने वाले दो शूटरों को पुलिस ने शनिवार की रात सैयदराजा थाना क्षेत्र के धरौली पुलिया के पास से असलहा के साथ गिरफ्तार किया है। रविवार को पत्र प्रतिनिधियों को सीओ आशुतोष ने बताया कि दोनों बदमाशों ने रमेश कहने पर स्टेशन मास्टर को गोली मारी थी। पूछताछ में सामने आया कि रमेश ने ही बदमाशों को असलहा उपलब्ध करवाया था।बताया किया कि स्टेशन मास्टर वीरेंद्र कुमार वर्मा को गोली मरवाने वाले रमेश केशरी से पूछताछ के दौरान दोनों शूटरों का नाम सामने आया। गिरफ्तार शूटर कृष्ण कुमार कोतवाली क्षेत्र के जीवनथपुर स्थित संकट मोचन कालोनी का रहने वाला है। उसके उपर शराब तस्करी और गैंगस्टर में पहले से ही मुकदमे दर्ज हैं। दूसरा मनीष सिंह मिर्जापुर जिले के अदलहाट थाना क्षेत्र के नारायण पुर का रहने वाला है।

पीड़ित परिवार से मिला कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल

चंदौली। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर विगत दिनों पूर्व केशव पुर गांव ने हुए घटना को लेकर कांग्रेसियों का एक प्रतिनिधि मंडल गांव जा कर पीड़ित परिवार से मिला। और हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। वही सदर कोतवाल गगन राज सिंह से मिलकर मामले का जल्द से जल्द जांच कार्यवाई का निर्देश दिया।

इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह कहा कि भाजपा सरकार में अपराधी बेलगाम हो चुके हैं। आए दिन प्रदेश में जघन्य जैसे घटना को अंजाम दिया जा रहा है। प्रशासन मृतक महेंद्र प्रजापति के परिवार के भरण पोषण के लिए आर्थिक सहायता के रूप में 25 लाख का मुवावजा सरकार द्वारा तत्काल देना चाहिए। साथ ही रहने के लिए मृतक की पत्नी को आवास दिया जाना चाहिए जिससे मृतक की पत्नी अपने नाबालिग बच्चों का भरण पोषण कर सकें।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में जन्माष्टमी पर्व मनाने को लेकर दिए दिशा निर्देश

हर जेल, पुलिस लाइन, थाने में भव्यता और भक्तिभाव के साथ मनाएं जन्माष्टमी: सीएम

- मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि अत्यन्त संवेदनशील, विशेष सतर्कता एवं समुचित पुलिस प्रबंध किए जाएं
- झांकियों, शोभायात्रा के मार्गो को लेकर कहीं भी न हो विवाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर रखें सख्ती

केटी न्यूज /लखनऊ

जन्माष्टमी के अवसर पर पूरे प्रदेश में घरों और मंदिरों के साथ-साथ पुलिस थानों, कारागारों और पुलिस लाइन में भी भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव पूरे हर्षोल्लास और भक्तिभाव से मनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी पर्व से पूर्व सभी रिजर्व पुलिस लाइंस ,पुलिस थानों एवं कारागारों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व परंपरागत भक्तिभाव से मनाए जाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीएम ने प्रदेश भर में कृष्णलीला, झांकी और शोभायात्रा के आयोजनों के दौरान वहां सुरक्षा, सफाई व अन्य व्यवस्थाएं सुचारू रूप से करने के आदेश दिए हैं। इसके अतिरिक्त भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल के प्रबंध करने के भी निर्देश दिए हैं। सीएम योगी के निदेर्शों का अनुपालन करते हुए उत्तर प्रदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा के महानिदेशक पीवी रामा शास्त्री ने प्रदेश के समस्त कारागारों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी को परंपरागत रूप से मनाए जाने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी पर्व को लेकर रविवार को अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़ी श्रद्धा एवं धूम-धाम से मनाया जाता है, जिसमें सम्मिलित होने के लिए देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। मथुरा नगर स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि/शाही ईदगाह मस्जिद स्थल अत्यन्त संवेदनशील है। यह स्थल आईएसआई व विभिन्न आतंकवादी संगठनों के निशाने पर भी है। इसको देखते हुए भी विशेष सतर्कता एवं समुचित पुलिस प्रबंध किए जाएं।

विवाद सुलझाने का करें प्रयास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विगत वर्षों में या इस वर्ष अभी तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व से संबंधित जिन-जिन स्थानों पर किसी प्रकार का विवाद सामने आया हो, वहां पुलिस एवं राजस्व विभाग के गजटेड अधिकारियों द्वारा अभी से स्थिति का अध्ययन कर लिया जाए एवं विवाद को सुलझाने तथा संवेदनशीलता को दूर करने के लिए कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। सीएम योगी ने कहा कि अधीनस्थ कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं कि वे अपनी बीट में जाकर सभी प्रकार के विवाद की जांच करें और बीट सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर जाकर विवाद को समय रहते हल कराएं। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी द्वारा आवश्यकतानुसार विभिन्न विवाद के स्थलों, मार्गों का भ्रमण भी कर लिया जाए।

कहीं भी न हो अशोभनीय नृत्य का कार्यक्रम

सीएम ने निर्देश दिया कि समस्त जनपदों में गश्त चेकिंग के लिए पुलिस पार्टी नियमित रूप से निकाली जाए। प्रातः गश्त चेकिंग पार्टी (पोस्टर पार्टी) द्वारा सघन रूप से चेकिंग करते हुए सुनिश्चित किया जाए कि कहीं पर कोई आपत्तिजनक पोस्टर न लगा हो। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा भी इस त्यौहार को शालीनता एवं हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने की परंपरा रही है। समस्त सुरक्षा व्यवस्था के अतिरिक्त यह भी सुनिश्चित करें कि यह पवित्र त्योहार परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास व शालीनता के साथ मनाया जाए। इस अवसर पर किसी भी प्रकार का अशोभनीय नृत्य का कार्यकम न हो। संबंधित पुलिस आयुक्त, जनपद प्रभारी एवं सेनानायक पहले से ही इस संबंध में किए जाने वाले कार्यक्रमों का अवलोकन करें और प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार का अशोभनीय एवं अश्लीलतापूर्ण संवाद अथवा नृत्य न होने पाए।

झांकियों, शोभायात्राओं के दौरान न उत्पन्न हो विवाद की स्थिति

इसके साथ ही सीएम योगी ने पूजा अर्चना, शोभायात्रा के दौरान किसी भी तरह के विवाद की स्थिति न बने, इसको लेकर भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विवादित स्थलों पर झांकियों को सजाने, शोभायात्रा के मार्ग में विवाद एवं नए मार्गों को लेकर अक्सर विवाद देखने को मिलते हैं। इसके साथ ही, परंपरा से हटकर कार्यक्रमों के आयोजन तथा गैरपरंपरागत जुलूस/शोभायात्रा निकाले जाने, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग का भी उपयोग किया जाता है। वहीं, दूसरे संप्रदाय के धार्मिक स्थलों में पूजा अर्चना के दौरान उनके करीब से शोभायात्राओं के गुजरते समय ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग, शोभायात्राओं/कार्यक्रमों के समय आपत्तिजनक टीका-टिप्पणी/नारेबाजी आदि को लेकर पूर्व में कई स्थानों पर विवाद की स्थिति सामने आई है।

आयोजन स्थलों पर हो पर्याप्त पुलिस की व्यवस्था

सीएम योगी ने निर्देश दिए कि समस्त जनपदों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से संबंधित समस्त आयोजन, लीला स्थल, पंडाल, मंदिर एवं शोभायात्राओं को सूचीबद्ध कर योजनाबद्ध पुलिस की व्यवस्था की जाए। साथ ही समस्त आयोजनों में आने वाले श्रद्धालुओं की संभावित संख्या का आंकलन करते हुए सुदृढ़ सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी नई परंपरा की अनुमति कदापि न दी जाए। असामाजिक, साम्प्रदायिक तत्वों की सूची को अपडेट करें और आवश्यकता पड़ने पर इन साम्प्रदायिक एवं अवांछनीय तत्वों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि समस्त जनपदों की पुलिस लाइन तथा इस्कान मंदिरों में वृहद कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जहां काफी अधिक संख्या में श्रद्धालु, महिला, पुरुष, बच्चे, बुजुर्ग सम्मिलित होते हैं।

एक नजर

परिजनों के थाने के घेराव के बाद नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र के एक गांव में शानिवार सुबह नाबालिक लडकी अकेले घर में घर का कामकाज कर रही थी। तभी गांव के ही एक व्यक्ति ने मौका देखकर नाबालिक से जबरन दुष्कर्म किया।आरोपी युवक के खिलाफ परिजनों ने स्थानीय थाने में दी तहरीर।एक दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी के खिलाफ कार्यवाही न होने से नाराज परिजनों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर थाने का घेराव किया तथा पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जानकारी के मुताबिक खुटहन थाना क्षेत्र के एक गांव में एक पिता ने थाने में तहरीर दिया कि उसकी नाबालिग बेटी के साथ गांव के ही एक ब्यक्ति ने घर मे अकेली देख उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया।इस मामले में रविवार सुबह तक कोई कार्यवाही न होने से नाराज पीड़ित परिवार ने ग्रामीणों के साथ थाने का घेराव किया तथा पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।मामला बढ़ता देख पुलिस ने परिवार को समझा बुझाकर पीड़िता को मेडिकल के लिए भिजवाया।तथा मुकदमा दर्ज कर आरोपी ब्यक्ति को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही में जुट गई। इस मामले में सीओ शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने बताया कि शनिवार को खुटहन थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग से दुष्कर्म के प्रयास की तहरीर प्राप्त हुई थी।जिसके संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया गया था तथा आज आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य विधिक कार्यवाही जारी है।कुछ अराजक तत्वों ने थाने का घेराव करने का प्रयास किया था उन्हें भी चिन्हित कर उनके खिलाफ भी कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।

कर्बला के प्यासे शहीदों के चेहलुम में उमड़ा जनसैलाब

जौनपुर। शीराजे हिंद जौनपुर का चेहल्लुम रविवार को गमगीन माहौल में मनाया गया। इमाम बारगाह शेख मुहम्मद इस्लाम से उठा जुलूस देर रात सदर इमाम बारगाह पहुंचा। नम आंखों से सभी ताजिए एवं तुरबत सुपुर्दे खाक किए गए। शनिवार को आठ बजे रात में इमाम चौक इस्लाम मरहूम पर ताजिया रखा गया , उसके बाद शब्बेदारी व मजलिस हुई । जिसमे नगर एवं बाहर से आई अंजुमनों ने सारी रात नौहा व मातम किया कर कर्बला के प्यासे शहीदों को पुरसा दिया । सुबह 5 बजे मजलिस हुई, उसके बाद आग में जंजीरों का मातम अंजुमन गुलशने इस्लाम रजिस्टर्ड ने किया। संचालन सैय्यद अकबर हुसैन जैदी एडवोकेट ने किया। रविवार को दिन में एक बजे मजलिस शुरू हुई जिसे मौलाना सैय्यद नदीम जैदी फैजाबादी ने खिताब किया । मजलिस की समाप्ति पर इमामबाड़े से चमत्कारी तुरबत निकाली गई , साथ में ताजिये भी निकले । पानदरीबा रोड, हमाम दरवाजा, काजी की गली, पुरानीबाजार होता हुए सदर इमामबाडा पर जुलूस समाप्त हुआ , जुलूस का संचालन सैय्यद कबीर जैदी ने किया। शिराजे हिंद का चेहल्लुम एक दिन पहले मनाया जाता है, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों जायरीन पहुंचते हैं । इसकी वजह बताई जाती है कि इस इमाम बारगाह एवं जुलूस के बानी शेख मुहम्मद इस्लाम मरहूम को किसी मामले में फंसा दिया गया था , उन्हें जेल हो गई थी उन्हे जिस दिन रिहा किया गया, वह सफर के महीने की 18 तारीख थी । जेल से छूटने के बाद रातभर मजलिस मातम करके 19 सफर को ताजिया को उठाया गया। इस चेहल्लुम की देखरेख मीर मुजफ्फर हुसैन जैदी के खानदान के लोग करते है । सैय्यद जाफर हुसैन जैदी करबलाई मुतवल्ली, सैय्यद कबीर जैदी, सैय्यद जमीर जैदी, सैय्यद अकबर हुसैन जैदी एडवोकेट , सैय्यद शाहिद जैदी एवं कार्यकारी मुतवल्ली सैय्यद लाडले जैदी ने लोगो का आभार जताया।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री को कार्यकताओं ने दी श्रद्धांजलि

चंदौली। समाजवादी पार्टी कार्यालय में रविवार को डॉ राम मनोहर लोहिया भवन कार्यकताओं की बैठक हुई। इसमें बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बीपी मंडल की जयंती पर कार्यकताओं ने उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया और उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। इस जिलाध्यक्ष सत्य नरायन राजभर ने बीपी मंडल ने हमेशा गरीबों और मजलूमों के लिए संघर्ष किया है। उनके किए गए संघर्ष को हम कभी भुला नहीं सकते है। लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष निरंजन कनौजिया ने कहा कि बीपी मंडल जी आज हमारे बीच में नहीं है लेकिन उनकी यादें आज भी कायम है। हम सभी को उनके जयंती पर संकल्प लेना होगा कि हम भी गरीबों और मजलूमों के लिए संघर्ष करने में पीछे नहीं रहेंगे यही उनसे प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस दौरान मुसाफिर सिंह चौहान, प्रदेश सचिव लोहिया वाहिनी मुस्ताक अहमद, विधानसभा अध्यक्ष चकिया प्रभु नारायण यादव, विधानसभा अध्यक्ष सैयदराजा रामजनम यादव,जिला अध्यक्ष मजदूर सभा चंद्रभानु यादव, जिला अध्यक्ष लोहिया वाहिनी निरंजन कन्नौजिया , राष्ट्रीय सचिव अधिवक्ता सभा इमरान सिद्दकी, सुनील मुखिया,जिला उपाध्यक्ष राम सिंह चौहान,सीपी खरवार, श्यामनारायन केसरी, आदि उपस्थित थे।

महिलाओं ने धूमधाम से किया ललही छठ माता का पूजन

केटी न्यूज / जौनपुर

प्राचीन काल से चली आ रही ललही छठ माता की पूजा की परंपराएं आज भी जीवित हैं। इसे महिलाओं द्वारा बड़े ही निष्ठा पूर्वक और धूमधाम से किया जाता है। जिले में ललही छठ का पर्व रविवार को आस्था के साथ मनाया गया। शहर से लेकर गांव के अनेक स्थानों पर महिलाओं पर महिलाओं ने साूहिक रूप से पूजन किया और दही तथा महुआ के साथ अन्य फल आदि प्रसाद में चढाया और संतान की लम्बी आयु के लिए व्रत रखा। इस व्रत की सबसे खास बात ये है कि व्रत सिर्फ वही माँ कर सकती हैं जिनके पुत्र होता है ज्ञात हो कि भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की षष्ठी को ललही छठ व्रत का त्योहार मनाया जाता है. ललही छठ को हल षष्ठी या हल छठ भी कहा जाता है। दरअसल, इसे बलराम के जन्मदिन के उपलक्ष में मनाया जाता है। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से ठीक दो दिन पूर्व उनके बड़े भाई बलराम जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। भगवान कृष्ण के बड़े भाई बलराम का जन्म भादों मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी को हुआ था। इसलिए इस दिन को बलराम जयंती भी कहा जाता है। बलराम को बलदेव, बलभद्र और बलदाऊ के नाम से भी जाना जाता है. बलराम को शेषनाग का अवतार माना जाता है. बलराम को हल और मूसल से खास प्रेम था. यही उनके प्रमुख अस्त्र भी थे। इसलिए इसदिन किसान हल, मूसल और बैल की पूजा करते हैं।इसे किसानों के त्योहार के रूप में भी देखा जाता है । बेटे की लंबी आयु के लिए माँ इस दिन व्रत रखती हैं। वह अनाज नहीं खाती हैं। इस दिन व्रत रखने वाली माताएं महुआ की दातुन करती हैं। इस दिन तालाब में उगे अनाज जैसे कि तिन्नी या पसही के चावल खाकर व्रत रखा जाता है।

समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में समारोह पूर्वक मनाई गई स्व. बाबू बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल की जयंती

पिछड़ों के मसीहा और सामाजिक न्याय के पुरोधा थे बीपी मंडल : मौर्य

केटी न्यूज/ जौनपुर

रविवार को स्व. बाबू बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल (बी.पी. मंडल) की 106वीं जयंती ज़िला समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में नगर के एक होटल में समारोह पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने किया। सर्वप्रथम उपस्थित सपाजनों ने सामाजिक न्याय के पुरोधा बीपी मंडल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि मंडल आयोग बनाने में पिछड़ों के मसीहा बीपी मंडल का योगदान रहा। अपने बेबाक अंदाज और लोगों के हित के विषय में सोचने वाले स्व. बीपी मंडल अपनी कर्तव्य निष्ठा, सादगी ओर सच्चाई के लिए जाने जाते रहे। उन्हें जब भी मौका मिला वो अपने काम से लोगों की नजरों में बैठ गए।

पिछड़ों के मसीहा एवं हमदर्द बिहार के 7 वीं पूर्व मुख्यमंत्री और मंडल आयोग के अध्यक्ष बीपी मंडल (बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल) को पिछड़ा वर्ग के आइकन के रूप में याद किया जाता है। बीपी मंडल को मंडल कमीशन की सिफारिशों को लागू करने का एक बड़ा नायक माना गया है। उनके प्रयासों की वजह से केंद्र सरकार की नौकरियों और केंद्रीय शिक्षण संस्थानों के दाखिलों में पिछड़े वर्गों को 27 परसेंट रिजर्वेशन मिलने का रास्ता साफ हुआ। मंडल कमीशन रिपोर्ट जब लागू हुई तो देश खास कर हिंदी क्षेत्र की राजनीति में काफी बदलाव आया। इसे भारतीय राजनीति में साइलेंट रिवॉल्यूशन से नवाजा गया। इसके जरिए समाज से जुड़ने के कारण वंचित समुदाय और भी मजबूती से देश से जुड़े। मंडल कमीशन की रिपोर्ट आने के बाद ही बिहार और उत्तर प्रदेश समेत देश के कई राज्यों से पिछड़ी जातियों के नेता आगे आने लगे।

भारतीय राजनीति के धुरी माने जाने वाले बीपी मंडल जी ने समाज के पिछड़े व आर्थिक - सामाजिक रूप से उपेक्षित लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया। स्व. मंडल जी ने सामाजिक न्याय की लड़ाई के लिए कोई समझौता नही किया जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री पद से 30वें दिन ही इस्तीफा दे दिया था। एक सम्पन्न परिवार से आने वाले मंडल जी ने हमेशा समाज के पिछड़े व वंचित लोगों के हक की लड़ाई लड़ी। कार्यक्रम का संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। कार्यक्रम में विधायक केराकत तूफानी सरोज पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व विधायक श्रद्धा यादव,पूर्व ज़िला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, पूर्व प्रत्याशी पंधरी लाल यादव, पूर्व प्रत्याशी डा. सभाजीत यादव, वरिष्ठ नेता लालचंद यादव लाले,रुखसार अहमद, महेंद्र यादव, शिव शरण कुशवाहा, प्रमुख विमलेश यादव आदि उपस्थित थे।

सुभाषितम्

हमारी सबसे बड़ी महानता गिरने से बचने में नहीं है बल्कि हर बार गिरकर उठने में निहित है। -कन्फ्यूशियस

शासन और प्रशासन के सामने न्यायपालिका का समर्पण?

पिछले कुछ वर्षों से सरकार और प्रशासन के निर्देश पर तुरंत दान महाकल्याण की तरह, घटनास्थल पर ही फैसला करने की प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है। भीड़तंत्र भी सरकार और प्रशासन से जो चाहता है वह करा लेता है। कानून के नाम पर शासन और प्रशासन को जो अधिकार मिले हैं यदि उनके द्वारा इनका दुरुपयोग किया जाता है तो ऐसी स्थिति में जनता का विश्वास शासन और प्रशासन पर खत्म होने लगता है। शासन और प्रशासन अपने ही बनाए गए कानून का पालन नहीं कर रहे हैं। न्यायपालिका के अधिकारों का उपयोग प्रशासन खुलकर करने लगा है। इसके बाद भी भारत की न्यायपालिका मौन साध करके तमाशा देख रही है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा रहा है, न्यायपालिका ने सरकार और प्रशासन के सामने समर्पण कर दिया है। भारत में संविधान लागू है। किसी भी मामले में विवाद अथवा अपराध होने पर जांच एजेंसी जांच करती हैं। जांच करने के बाद न्यायालय में मामले को पेश करती हैं। फैसला न्यायपालिका को ही करना होता है। शासन को कानून और नियम बनाने का अधिकार है। संविधान के दायरे में नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए, कानून और नियम बनाने के अधिकार सरकार के पास हैं। सरकार द्वारा बनाए गए कानून और नियमों का पालन कराने का अधिकार संविधान ने प्रशासन को दिया है। कानून का उल्लंघन करने के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। फैसला न्यायालय ही कर सकती है। फैसला करने का अधिकार शासन और प्रशासन को नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में बुलडोजर संस्कृति और भीड़तंत्र तुरत-फुरत फैसला कर रहा है। शासन और प्रशासन किसी को भी अपराधी घोषित कर, कुछ ही घंटों में उसके मकान और संपत्ति को बुलडोजर से गिरा देती है। एक व्यक्ति के अपराध की सजा पूरे परिवार को बिना किसी अपराध के दे देती है। अपराध व्यक्ति द्वारा किया गया है। जांच किए बिना एक व्यक्ति के अपराध की सजा पूरे परिवार को देने की बुलडोजर संस्कृति उत्तर प्रदेश से शुरू हुई थी। जो अब कई राज्यों में फैल गई है। विशेष बात यह है, कि एक धर्म समुदाय के लोगों पर ही इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। राजनीतिक कारणों से अभी कोई विपक्षी दलों के राजनेता इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं देते थे, लेकिन जिस तरह से आए दिन बुलडोजर से घटना के कुछ ही घंटे बाद आरोपी की संपत्ति और उसके मकान को गिराया जा रहा है। उसकी प्रतिक्रिया अब पूरे देश में हो रही है। हाल ही में मध्य प्रदेश के छतरपुर में जिस तरह की घटना हुई है। उस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। आरोपी का करोड़ों रुपए की लागत का मकान एवं अन्य संपत्ति को अतिक्रमण मानते हुए बुलडोजर से ढहाया गया है। जिस मकान को गिराया गया है, उसको बनाने के लिए बैंक ने लोन दिया था। बैंक ने सारे कागज सर्च किए थे। सारी परमिशन उसके पास थी, उसके बाद भी शासन और प्रशासन की नाराजगी के चलते आरोपी का मकान गिरा दिया गया। वहां पर जो गाड़ियां खड़ी थीं, उन्हें बुलडोजर से तोड़ दिया गया। यह घटना टीवी पर दिखाई गई। इस घटना के माध्यम से शासन और प्रशासन ने एक धर्म समुदाय के लोगों को आतंकित करने का काम किया है। अब इसकी जो जानकारी सामने आई है, उसके बाद विपक्षी दलों ने इस मामले में तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विरोध जताया है। बुलडोजर एक्शन पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, दिग्विजय सिंह और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश सिंह ने कार्यवाही का विरोध किया है। विपक्षी दल के नेताओं ने कहा, अपराध पर सजा देने का काम न्यायालयों का है। पुलिस द्वारा मामले की जांच नहीं की गई और आरोपी का मकान गिरा दिया गया। सही मायने में यह अन्याय की पराकाष्ठा है। कानून के रखवाले ही यदि कानून को तोड़ने का काम कर रहे हैं।

चिंतन-मनन

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी। ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- ह्यबोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं। असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई।

जब बंटा देश-किसने दिया था शरणार्थियों को सहारा

-आर.के. सिन्हा

मनोज कुमार को सारा देश उनकी देशभक्ति से रची-बसी फिल्मों की मार्फत बखूबी जानता है। उन्होंने एक बार बताया था कि उनका परिवार जब देश के बंटवारे के बाद सरहद के उस पार से लूटा-पिटा 1947 में दिल्ली में आया तो उनके परिवार के कई सदस्य दंगाइयों के हमलों के कारण चोटग्रस्त थे। उनका छोटा भाई बीमार था। तब उन सबका इलाज सेंट स्टीफंस अस्पताल में हुआ था। उस दौर में दिल्ली जंक्शन, जिसे पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन भी कहा जाता है, में आ रहे शरणार्थियों को दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के वालंटियर इलाज के लिए अपने सेंट स्टीफंस अस्पताल लेकर जा रहे थे या फिर सिविल लाइंस के ब्रदरहुड हाउस परिसर में शरण दे रहे थे। देश के बंटवारे के कारण पाकिस्तान से लाखों हिन्दू और सिख शरणार्थी दिल्ली आए थे। ये ज्यादातर दिल्ली जंक्शन पर ही आते थे। तब इनके पास नए शहर में खुले आसमान के अलावा कुछ नहीं होता था। उस भीषण दौर में दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी, राष्ट्र स्वंयसेवक संघ और कुछ सिख संगठनों के कार्यकर्ता ही शरणार्थियों को मदद दे रहे थे।

दरअसल भारत के लिए हरेक स्वाधीनता दिवस दो तरह की अनुभूतियां लेकर आता है। पहला, देश को ब्रिटिश सरकार के चंगुल से मुक्ति मिल गई। इसलिए उन तमाम स्वाधीनता सेनानियों के प्रति मन में अपार श्रद्धा का भाव पैदा होने लगता है, जिनके बलिदानों की वजह से गोरे यहां से गए। दूसरा, देश को 15 अगस्त 1947 को आजादी के साथ बंटवारे का दंश भी झेलना पड़ा। भारत दो भागों में बंट गया। उस दौर में राजधानी दिल्ली में लाखों हिन्दू और सिख शरणार्थी आ गए थे। तब दिल्ली जंक्शन पर आने वालों में मिल्खा सिंह भी थे। वे आगे चलकर महान धवाक बने। देश के बंटवारे के समय इंसानियत मरी पड़ी थी। मिल्खा सिंह के माता-पिता का कत्ल कर दिया गया था। पर तब भी कुछ फ?िश्ते तो मौजूद थे ही। वे उन्हें रेल के लेडीज कूपे में छिपाकर ले आए थे। वे अपनी बहन से बिछड़ गए थे। जरा सोचिए कि अनजान और विभाजन के कारण अस्त-व्यस्त शहर में मिल्खा सिंह अपनी दंगों के दौरान गुम हो गई बहन को कैसे खोज रहे होंगे। पर उन्होंने अपनी बहन को अंततः तलाश कर लिया था। देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली विभाजन की घड़ी में उस समय, आज के मुकाबले एक छोटा सा शहर ही तो था। तब सेंट स्टीफंस अस्पताल की हेड डॉ. रूथ रोसवियर के नेतृत्व में यहां घायल और बीमार शरणार्थियों का इलाज हो रहा था। डॉ.रूथ ब्रिटिश नागरिक थीं। इस अस्पताल को दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी ने 1885 में खोला था। इसी ने सेंट स्टीफंस कॉलेज स्थापित किया था। अब इसने सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल भी खोला है। दूसरी ओर देखें तो करोल बाग में डॉ. एन.सी.जोशी उस संकट के दौर में दिल्ली वालों की सेवा में जुटे रहते थे। करोल बाग में 1947 के दौरान जब दंगे भड़के तो उसके शिकार डॉ.जोशी भी हो गए थे। उधर, इरविन अस्पताल (अब लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल) के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ बनवारी लाल और उनके कबूल चंद वाल्मिकी जैसे मेहनती साथियों के द्वारा रोगियों का दर्द दूर किया जा रहा था। दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी के वर्कर बहुत से रोगियों को लेडी हार्डिंग मेडिकल अस्पताल भी इलाज के लिए लेकर जा रहे थे। तब तक नई दिल्ली एरिया का यह एकमात्र कायदे का अस्पताल था। उस दौर में इधर की प्रिंसिपल-डायरेक्टर डॉ. के.जे. मैक्डरमेट (1946- 1948) और डॉ. ओ.पी.बाली (1948-1950) की देखरेख में रोगियों की भीड़ का खुशी-खुशी इलाज हो रहा था। 1947 तक इधर की छात्राएं अपना सालाना इम्तिहान देनेके लिए लाहौर जाती थीं। उनका इम्तिहान किंग एडवर्ड मेडिकल कालेज में होता था। तब ये कॉलेज पंजाब यूनिवर्सिटी का हिस्सा था। इस बीच, दिल्ली वालों की सेवा करने में डॉ. विशम्भर दास भी थे। उन्होंने सन 1922 में नई दिल्ली एरिया में बिशम्भर फ्री होम्पैथिक डिस्पेंसरी की स्थापना की और जीवनपर्यंत दीन-हीनों का इलाज करते रहे। उनके नाम पर डॉ. विशम्बर दास मार्ग है,जिसे 1965 से पहले एलेनबे रोड कहा जाता था। आपको अब भी बहुत सारे शरणार्थी परिवार मिल जाएंगे जो बताएंगे कि अगर दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी से जुड़े फादर इयान वेदरवेल और उनके साथियों का साथ ना मिलता तो वे कहीं के नहीं रहते। वे विभाजन के कारण सड़क पर आ गए थे। फादरवेदरवेल दिन-रात शरणार्थियों के पुनर्वास में लगे थे। 1925 में स्थापित ब्रदरहुड हाउस में हर रोज शरणार्थियों को रहने के लिए छत और गरम और ताजा भोजन मिल रहा था। वेदरवेल का भारत से सबसे पहले रिश्ता तब स्थापित हुआ था जब दूसरा विश्व महायुद्ध चल रहा था। वे ब्रिटेन की फौज में थे। पंजाब रेजीमेंट में थे। भारत के कुछ शहरों में रहे भी थे। विश्व महायुद्ध की समाप्ति के बाद उनका जीवन बदला। उनका सैनिक की नौकरी से मन उखड़ने लगा। वे युद्ध के विरूद्ध बोलने-लिखने लगे। उन्होंने जंग के कारण होने वाली तबाही को अपनी आंखों से देखा था। उससे वे विचलित रहने लगे थे। उन्हें युद्ध की निरर्थकता समझ आ गई थी। तब उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से थीआलजी (धर्म शास्त्र) की डिग्री ली। वे अपने जीवन में शांति चाहते थे। समाज सेवा करने की उनकी इच्छा थी। कुछ समय तक लंदन में रहे और फिर भारत आ गए। फादर इयान वेदरवेल ने फिर अपना शेष जीवन गरीब गुरुबा और हाशिये पर धकेल दिए लोगों के हक में काम करने में लगा दिया। फादर इयान वेदरवेल फादर वेदरवेल की जान बसती थी भारत में। उन्हें यहां का सब कुछ अच्छा लगता था। यहां के लोग, बच्चे, पेड़, पौधे, नदियां वगैरह। फादर वेदरवेल की शख्सियत पर महात्मा गांधी का प्रभाव साफ नजर आता था। भारत जब अपना स्वाधीनता दिवस मना रहा है, तब हमें स्वाधीनता सेनानियों के साथ-साथ उन तमाम अनाम शख्सियतों का स्मरण कर लेना चाहिए जिन्होंने शरणार्थियों को सहारा दिया था। एक बात समझ लें कि तब देश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई थी। सब तरफ अराजकता और अव्यवस्था थी। उस दौर में निस्वार्थ भाव से शरणार्थियों का साथ देने वालों को सदैव याद रखा जाना चाहिए।

महिलाओं को समानता एवं सक्षमता के पंख देने होंगे

-ललित गर्ग

दुनिया भर में, महिलाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा से लेकर राजनीति और आर्थिक भागीदारी तक विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक असमानताओं को दूर करने के प्रयासों को तीव्र गति देने के लिये महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है। सन 1920 में इस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में 19वां संशोधन स्वीकार किया गया था। यह दिन महिलाओं को पुरुषों के समान मानने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। न्यूजीलैंड विश्व का पहला देश है, जिसने 1893 में महिला समानता की शुरूआत की। महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करने वाली एक महिला वकील बेल्ला अब्जुग के प्रयास से 1971 से 26 अगस्त को ह्यमहिला समानता दिवसह्ण के रूप में मनाया जाने इस वर्ष की थीम है समता को अपनाएं, जो न केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उन्नति के लिए बल्कि समाज की समग्र प्रगति के लिए भी महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व पर केन्द्रित है। यह व्यापक मानवाधिकारों और सतत विकास के साथ लैंगिक समानता के परस्पर संबंध पर जोर देता है। महिला समानता दिवस से जुड़ा हुआ रंग बैंगनी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त, बैंगनी रंग महिलाओं और लैंगिक समानता का प्रतीक है। यह न्याय और गरिमा का प्रतिनिधित्व करता है, और अक्सर दूरदर्शी सोच और महिलाओं के अधिकारों के लिए चल रही लड़ाई को दर्शाने के लिए उपयोग किया जाता है। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज हमें महिला समानता दिवस मनाये जाने की आवश्यकता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता के कारण महिला समानता ज्यादा अपेक्षित है। भारत ने महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार पुरुषों के बराबर दिया, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में काफी प्रगति देखी गयी है, खासकर शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे क्षेत्रों में। नारी शक्ति वन्दन अधिनियम-2023 के माध्यम से नारी शक्ति को राजनीति में समानता देने की शुरूआत हुई है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी सरकारी पहलों ने समाज में महिलाओं और लड़कियों की स्थिति को सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके अतिरिक्त, कार्यबल और नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। इन प्रगतियों के बावजूद, महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं। भारत में लैंगिक असमानता अभी भी व्याप्त है, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहाँ महिलाओं को अक्सर शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बाल विवाह, घरेलू हिंसा और लैंगिक वेतन अंतर जैसे मुद्दे समानता की दिशा में प्रगति में बाधा डालते रहते हैं। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता हासिल करना भारत सहित विश्व भर में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बना हुआ है। समान कार्य के लिए समान वेतन को बढ़ावा देने वाली नीतियों के माध्यम से इस असमानता को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। क्योंकि देश में ऐसी महिलाएं नजर आती हैं, जो सभी प्रकार के भेदभाव के बावजूद प्रत्येक क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर चुकी हैं और सभी उन पर गर्व भी महसूस करते हैं। परन्तु इस कतार में उन सभी महिलाओं को भी शामिल करने की जरूरत है, जो हर दिन अपने घर में और समाज में महिला होने के कारण असमानता, अत्याचार एवं उपेक्षा को झेलने के लिए विवश है। आये दिन समाचार पत्रों में लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ और बलात्कार जैसी खबरों को पढ़ा जा सकता है, परन्तु इन सभी के बीच वे महिलाएं जो अपने ही घर में सिर्फ इसीलिए प्रताड़ित हो रही हैं, क्योंकि वह एक औरत है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट टाइम टू केयर में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती।

भगवान श्री कृष्ण ईश्वर के रूप में अमर हैं

- संजय गोस्वामी

भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव 26 अगस्त को का दिन बड़ी धूमधाम से मनाया जायेगा। जन्माष्टमी पर्व भगवान श्री कृष्ण के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, जो रक्षाबंधन के बाद भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। श्री कृष्ण देवकी और वासुदेव के 8वें पुत्र थे। मथुरा नगरी का राजा कंस था, जो कि बहुत अत्याचारी था। उसके अत्याचार दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे थे। एक समय आकाशवाणी हुई कि उसकी बहन देवकी का 8वां पुत्र उसका वध करेगा। यह सुनकर कंस ने अपनी बहन देवकी को उसके पति वासुदेवसहित काल-कोठारी में डाल दिया। कंस ने देवकी के कृष्ण से पहले के 7 बच्चों को मार डाला। जब देवकी ने श्री कृष्ण को जन्म दिया, तब भगवान विष्णु ने वासुदेव को आदेश दिया कि वे श्री कृष्ण को गोकुल में यशोदा माता और नंद बाबा के पास पहुंचा आएं, जहां वह अपने मामा कंस से सुरक्षित रह सकेगा। श्री कृष्ण का पालन-पोषण यशोदा माता और नंद बाबा की देखरेख में हुआ। बस, उनके जन्म की खुशी में तभी से प्रतिवर्ष जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाता है। बाद में अहंकारी कंस का वध भगवान श्री कृष्ण करते हैं और पाप का अन्त होता है जन्माष्टमी पर्व को भगवान श्री कृष्ण के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व पूरी दुनिया में पूर्ण आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। जन्माष्टमी को भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में बसे भारतीय भी पूरी आस्था व उल्लास से मनाते हैं। श्री कृष्ण युगों-युगों से हमारी आस्था के केंद्र रहे हैं। इसमें यह संदेश है कि पुत्र के लिए पिता वासुदेव ने भी भगवान को नदी पार कराया क्या पता था वो भगवान कृष्ण के रूप में है इस दिन व्रत का विशेष महत्व है इस दिन बाल गोपाल को खीर में रख कर 12बजे रात में ढ़ोल बजारे के साथ भक्ति भाव से पूजन किया करते हैं इसमें अनुशक्तिनगर में भक्तिसंगम के द्वारा विशेष रूप से जन्माष्टमी मनाई जाती है जिसमें गीता पाठ, बाल संस्कार, गायत्री हवन, रामचरित्र मानस आदि का भी भक्तिभाव से पूजन किया जाता है जन्माष्टमी पर पूरे दिन व्रत का विधान है। जन्माष्टमी पर सभी 12 बजे तक व्रत रखते हैं। इस दिन मंदिरों में झांकियां सजाई जाती हैं और भगवान श्रीकृष्ण को झूला झुलाया जाता है और भजन कीर्तन होता है का आयोजन होता है। ऐसे ही एक आयोजन अनुशक्तिनगर में जन्माष्टमी धूमधाम से किया जाता है जिसमे भगवान श्री कृष्ण की विशाल जुलुस का आयोजन किया जाता है अनुशक्तिनगर में बी ए आर सी के वैज्ञानिक द्वारा भक्ति भाव से 7बजे शाम से लेकर रात्रि 12बजे तक विधि विधान से भगवान श्री कृष्ण का पूजन किया जाता है इस पुनीत कार्य हेतु भक्ति संगम के सदस्य खासकर डॉ संजय सिंह, श्री एस पी प्रभाकर, श्री मनीष कुमार, श्री प्रकाश कश्यप, श्री प्रवीण दुबे, श्री एच सी सोनी, श्री अलोक सक्सेना, श्री वसंत साव, श्री अनुपम शर्मा, श्रीअनुपम दीक्षित, श्री ललित मोहन आदि कार्यकर्ता का अहम्-योगदान होता है ऑफिस का काम करते हुए इसे श्रद्धापूर्वक करते हैं बधाई के पात्र हैं बाके बिहारी श्री कृष्ण बचपन में कभी यशोदा मैया के लाल होते हैं, तो कभी ब्रज के नटखट कान्हा माखनचोर बन कर माता को चिढ़ाते हैं भगवान श्री कृष्ण ने ऐ संदेश दिया कि बाल्य अवस्था में खाने पीने के समान को चोरी ना समझा जाए ऐ एक अवस्था जो बाल्य रूप का है ऐसे भी चोरी करना आसान नहीं है क्योंकि पकड़े जाने पर पिट जाते हैं अतः भगवान श्री कृष्ण ने जन्म से ही ईश्वर का अवतार जैसा रूप दिखाया है जब माता यशोदा को जब माखन चोरी के कारण मुँह खोल कर माता यशोदा को पूर्ण ब्रह्माण्ड ही दिख जाता है अतः भगवान श्री कृष्ण ईश्वर के रूप में अमर हैं.ऐ गीता में पढ़ने को मिलता है ईश्वर सत्मिदानन्दस्वरूप, वनराकार, सवशर्तिमान, न्यायकारी, अजन्मा, अनन्त, आदि का उल्लेख हैं।

आज का राशिफल

मेष आज भाग्य का साथ मिलेगा और आपको हर कार्य में सफलता मिलेगी। आपका आर्थिक संकट दूर होगा।

तुला आज दिन लाभ से भरा होगा और आप बिना वजह काफी परेशान रहेंगे।

वृषभ आपका मन शुभ कार्य में लगेगा। आपके घर में किसी शुर्भ कार्य का आयोजन हो सकता है।

वृश्चिक भाग्य साथ देगा और आपके सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें।

मिथुन आपका समय तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी अप्रत्याशित उन्नति को देखकर सभी हैरान होंगे।

धनु आज दिन सफलता से भरा होगा। आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा।

कर्क आज दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा और आपको काफी दौड़भाग करनी पड़ेगी।

मकर शेयर बाजार से जुड़े हैं तो आपको लाभ होगा। शुभ समाचार भी दिन भर प्राप्त होते रहेंगे।

सिंह चिंता फिक्र और परेशानी वाला रहेगा। आपको कारोबार में बिक्री न होने से चिंता परेशान करेगी।

कुंभ दिन लाभ प्रदान करने वाला माना जा रहा है। की घनिष्टता से आपके कार्य सफल होंगे।

कन्या आज दिन काफी बिजी रहेगा और आपको रोजाना से अधिक काम करना पड़ सकता है।

मीन आज करियर में सफलता मिलने के योग हैं और आपके लिए उन्नति के नए रास्ते खुलेंगे।

विशेष

2 साल के लिए राज्यसभा जाएंगे उपेंद्र कुशवाहा

पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा को भारतीय जनता पार्टी राज्यसभा भेज रही है। भाजपा केराज्यसभा सदस्य विवेक ठाकुर के लोकसभा सदस्य बनने के बाद यह सीट खाली हुई है। इसका कार्यकाल मात्र 2 वर्षों का बचा हुआ है। अर्थात उपेंद्र कुशवाहा 2 साल के लिए राज्यसभा में जा रहे हैं। इसके पहले नीतीश बाबू ने उन्हें राज्यसभा भेजा था। राज्यसभा जाने के बाद उन्होंने पाला बदल लिया था। 2014 में वह भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़े थे। 2019 के चुनाव में वह भाजपा से अलग हो गए थे। भाजपा अब उन्हें 2 साल के लिए राज्यसभा में बेचकर टेस्ट कर रही है। टेस्ट में सफल हो गए, तब आगे विचार किया जाएगा। आरक्षण के मुद्दे पर अभी भारतीय जनता पार्टी को उनकी जरूरत है।

मध्यावधि चुनाव की तैयारी?

केंद्र सरकार को बने हुए अभी 3 महीने भी पूरे नहीं हुए हैं। चार बार केंद्र सरकार को शर्मिंदा होना पड़ा है। सबसे पहले बजट में मिडिल क्लास के ऊपर जो कैपिटल गेन लगाया था। उसे वापस लेना पड़ा है। उसके बाद सरकार वक्फ बिल लेकर संसद में आई। सहयोगी दलों और विपक्ष के दबाव में सरकार को वक्फ बिल जेपीसी में भेजने की घोषणा कर अपने कदम वापस खींचने पड़े। ब्रॉडकास्टिंग बिल लेकर सरकार संसद में पहुंची थी। उसे भी सरकार को सहयोगी दलों के दबाव में वापस लेना पड़ा। रही सही कसर लैटरल भरती के विज्ञापन ने पूरी कर दी। आरक्षण को लेकर एक बार फिर सहयोगी दल सरकार के खिलाफ खड़े हो गए।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1303: अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़गढ़ पर कब्जा किया. 1316: तोपखाने का प्रयोग पहली बार उत्तरी फ्रांस में क्रेसी की लड़ाई में हुआ. 1541: तुर्की के सुल्तान सुलेमान प्रथम ने बुडा और हंगरी पर कब्जा कर अपना प्रांत बना लिया. 1847: लाइबेरिया स्वतंत्र गणराज्य बना. 1859: ब्रिटेन और जापान ने व्यापारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए. 1896: स्पेनियों के खिलाफ फिलीपीस में विद्रोह शुरू हुआ. 1914: बंगाल के क्रांतिकारियों ने कलकत्ता बंदरगाह के पचास माउजर पिस्तौलें और 46 हजार चक्र गोलियां लूट ली. 1945: प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी ने रूस के ब्रेस्त लिटोवस्क पर कब्जा किया. 1934: हिटलर ने फ्रांस से कहा कि सार का क्षेत्र जर्मनी को सौंप दे. 1936: मिस्त्र पर ब्रिटिश का कब्जा समाप्त हुआ. 1937: जापान ने चीनी जहाजरानी की नाकेबंदी की. 1964: रोडेशिया में राष्ट्रवादी आंदोलनों पर प्रतिबंध लगाए.

दैनिक पंचांग

26 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.16 बजे से
चंद्र	वृष में	तुला	09.26 बजे से
मंगल	वृष में	वृश्चिक	11.41 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	13.57 बजे से
गुरु	वृष में	मकर	16.02 बजे से
शुक्र	कन्या में	कुंभ	17.49 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	19.21 बजे से
राहु	मीन में	मेष	20.52 बजे से
केतु	कन्या में	वृष	22.32 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.30 बजे से
7.30 से 9.00 बजे तक		कर्क	02.44 बजे स
		सिंह	05.00 बजे से

सोमवार 2024 वर्ष का 239 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 02.20 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 15.55 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 22.17 बजे को समाप्त। **करण** बालव 14.56 बजे तदनन्तर कौलव 02.20 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 10° 19' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872083 **जूलियन दिन** 2460548.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 21 **विशेष** श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत, कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

कब है श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, पूजा का शुभ मुहूर्त

इस साल कृष्ण जन्माष्टमी 26 अगस्त, सोमवार जाएगी। भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का शुभारंभ 25 अगस्त, रविवार रात्रि 3 बजकर 39 मिनट से हो रहा है। अष्टमी तिथि का समापन 26 अगस्त, सोमवार को रात्रि 2 बजकर 19 मिनट पर होगा। ऐसे में रोहिणी नक्षत्र 26 अगस्त को ही मिल रहा है, इसलिए जन्माष्टमी पर्व इस दिन ही मनाना शुभ होगा। इस साल जन्माष्टमी के दिन एक विशेष योग बन रहा है जिसका नाम है जयंती योग। जयंती योग का अर्थ है द्वापर युग में श्री कृष्ण के जन्म के समय जिस योग का निर्माण हुआ था उसी योग का निर्माण एक बार फिर से जन्माष्टमी पर हो रहा है। इसी वजह से इस साल का पर्व हर बार से खास है। शास्त्रों के अनुसार, श्री कृष्ण का जन्म भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर वृषभ राशि में रोहिणी नक्षत्र के होने के समय हुआ था। इस साल 26 अगस्त को रोहिणी नक्षत्र वृषभ राशि में दोपहर 3 बजकर 55 मिनट से रात के 3 बजकर 38 मिनट तक है, इसी वजह से इस पर्व का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

भगवान श्रीकृष्ण के माथे पर हमेशा क्यों लगा होता है मोर पंख?

कृष्ण जन्माष्टमी हर साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को धूमधाम से मनाया जाता है। इस साल यह त्योहार 26 अगस्त, दिन सोमवार को है। लोग इस दिन श्री कृष्ण की विधि अनुसार पूजा अर्चना करते हैं। प्रेम और दया के प्रतीक माने जाने वाले श्रीकृष्ण को सारे देवताओं में सबसे ज्यादा श्रृंगार करना पसंद है। आपने भी देखा होगा हर मंदिरों में कृष्ण की प्रतिमा बेहद सुंदर तरीके से और आभूषणों से सजी धजी होती है। कृष्ण का नाम जुबां पर आते ही हमारे मन में सबसे पहले जो छवि उभर कर आती है, वो है- आभूषणों के साथ हाथ में बांसुरी और मस्तक पर मोर पंख धारण किए हुए युवा कृष्ण। दरअसल, कान्हा का मोर पंख पहनना बेहद पसंद आता है और इसलिए उन्हें मोर मुकुटधारी भी कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इसके पीछे कई कारण भी बताए गए हैं। आइए आज हम आपको इसी के बारे में विस्तार से बताते हैं।

राधा संग प्रेम का प्रतीक है मोर पंख

कान्हा के साथ मोरपंख रहने की एक बड़ी वजह राधा से उनका अटूट प्रेम भी है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, राधा के महल में ढेर सारे मोर रहते थे। एक बार जब कन्हैया अपनी बांसुरी बजा रहे थे, तो उसकी धुन पर राधा नाचने लगी। उनके साथ-साथ मोर भी मद मस्त हो कर नाचने लगे थे। ऐसे में, एक मोर का पंख नाचते हुए नीचे गिर गया। कहते हैं, उसी मोर पंख को उठाकर श्री कृष्ण भगवान ने अपने माथे पर सजा लिया था। इस प्रकार उन्होंने मोरपंख को राधा के प्रेम का प्रतीक माना और हमेशा अपने मुकुट में मोरपंख सजाए रहते हैं।

शत्रु को विशेष स्थान देते थे कन्हैया

माना जाता है कि कान्हा के भाई बलराम शेषनाग के अवतार थे। मोर और नाग एक-दूसरे के दुश्मन होते हैं, लेकिन कन्हैया के माथे पर लगा मोरपंख यह संदेश देता है कि वे शत्रु को भी अपने जीवन में विशेष स्थान देते हैं।

कालसर्प योग भी है कारण

मोर और सर्प एक-दूजे के दुश्मन होते हैं। ऐसे में, अगर किसी की कुंडली में कालसर्प योग होता है, उन्हें मोर पंख को हमेशा साथ रखना जरूरी होता है। पौराणिक मान्यता है कि श्रीकृष्ण पर भी कालसर्प योग था। इसलिए वह मोरपंख को सदैव अपने पास माथे पर लगा कर रखते थे। मोरपंख के जरिए कान्हा ने कई संदेश दिए हैं।

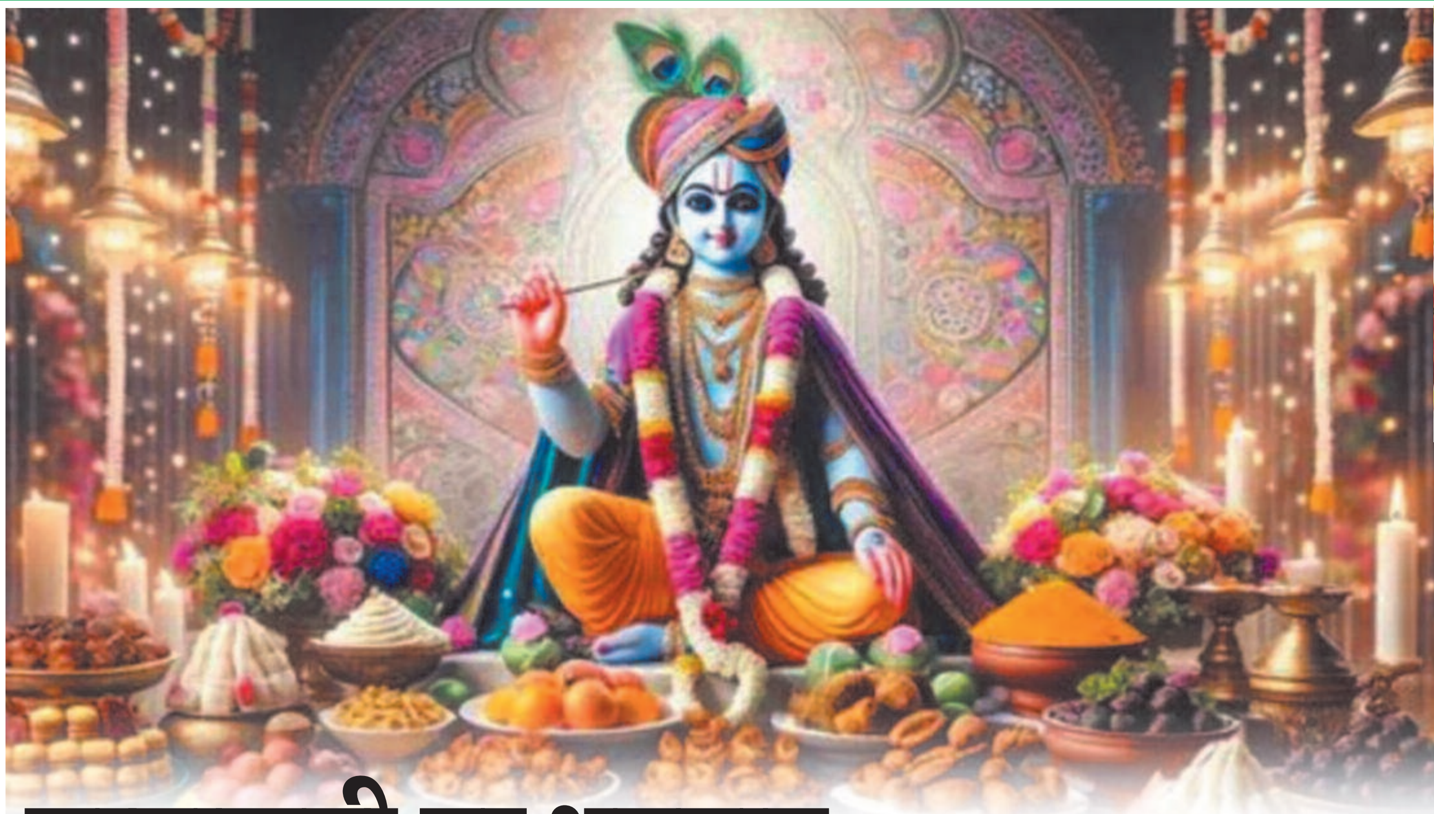

जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण को क्यों लगाया जाता है छप्पन भोग?

हिंदू धर्म में जन्माष्टमी का त्योहार बेहद शुभ और पावन माना जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। अब ऐसे में भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग लगाने का महत्व क्या है। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति जन्माष्टमी के दिन लड्डू गोपाल की पूजा विधिवत रूप से करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि होती है। अब ऐसे में जन्माष्टमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग लगाने की मान्यता है।

भगवान कृष्ण को माखन-मिश्री बहुत प्रिय था। छप्पन भोग में विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, व्यंजन और फल शामिल होते हैं, जो उनकी इस मिष्ठान प्रेम को दर्शाते हैं। छप्पन भोग को सृष्टि के छप्पन अक्षरों का प्रतीक माना जाता है। यह मान्यता है कि इन व्यंजनों के माध्यम से भगवान कृष्ण को संपूर्ण सृष्टि अर्पित की जाती है। भगवान कृष्ण भगवान विष्णु के अवतार हैं। भगवान विष्णु को समस्त भोगों का भोगी माना जाता है। छप्पन भोग के माध्यम से उनका पूजन किया जाता है। छप्पन भोग बनाने और परोसने की रीतियां विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग होती हैं। यह स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को दर्शाता है। पौराणिक कथा के अनुसार एक बार ब्रजवासी स्वर्ग के राजा इंद्र की पूजा के लिए एक बड़ा आयोजन कर रहे थे। तब छोटे कृष्ण ने नंद बाबा से पूछा कि यह आयोजन क्यों किया जा रहा है। तब नंद बाबा ने कहा कि इस पूजा से देवराज इंद्र बेहद प्रसन्न होंगे और अच्छी वर्षा करेंगे। नन्हें कृष्ण ने कहा कि बारिश तो स्वयं इंद्र का काम है और हम इनकी पूजा क्यों करें। अगर पूजा करनी है, तो गोवर्धन पर्वत की पूजा करनी चाहिए। क्योंकि इससे फलों और सब्जियों की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही जानवरों को भी चारा मिलता है। तब भगवान श्रीकृष्ण की बात सभी को पसंद आई और सभी लोगों ने इंद्र की जगह गोवर्धन की पूजा करने लगे। इंद्रदेव ने इसे अपने अपमान समझ लिया और वह बेहद क्रोधित हुए। क्रोधित इंद्रदेव ने ब्रज में खूब कहर बरपाया और खूब बारिश करवाई।

इससे पूरे शहर में हर तरफ पानी ही पानी नजर आने लगा। ऐसा दृश्य देखकर सभी ब्रजवासी डर गए। तब श्रीकृष्ण ने सभी को बचाने के लिए कहा कि सभी गोवर्धन पर्वत की शरण में आ जाओ। वहीं हमें इन सभी प्रकोप से बचाएंगे। भगवान कृष्ण ने पूरे गोवर्धन पर्वत को अपने बाएं हाथ की उंगली से उठा लिया। इससे उन्होंने पूरे ब्रज की रक्षा की। वहीं भगवान श्रीकृष्ण ने 7 दिनों तक बिना कुछ खाए गोवर्धन पर्वत को उठाए रहें। कुछ देर बाद जब इंद्रदेव शांत हुए, तो उन्होंने आठवें दिन बारिश बंद करवाई। उसके बाद सभी ब्रजवासी पर्वत से बाहर आ गए। सब समझ गए कि कान्हा ने सात दिनों से कुछ भी नहीं खाया है। तभी मां यशोदा से पूछा कि वह अपने लाला को कैसे खाना खिलाती हैं। तब सबने बताया कि वह अपने कान्हा को दिन में आठ बार भोग कराती हैं। इस प्रकार सभी ने कुछ छप्पन भोग यानी कि हर दिन 8 व्यंजन तैयार किए और श्रीकृष्ण को खिलाया। इस प्रकार कान्हा को 56 भोग खिलाने का परंपरा शुरू हुई।

जन्माष्टमी के दिन भूलकर भी न करें ये गलतियां

इस साल जन्माष्टमी का पर्व 26 अगस्त को मनाया जाएगा, इस दिन भगवान श्री कृष्ण की पूजा की जाती है और भक्त व्रत रखते हैं। ऐसे में जन्माष्टमी के दिन क्या करना है क्या नहीं चलिए जानते हैं।

हर साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन देश में कृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाती है। लोग इस दिन व्रत रखते हैं, श्री कृष्ण की पूजा करते हैं, रात में जागरण करते हैं और कीर्तन कर भगवान के प्रति अपनी भक्ति को प्रकट करते हैं। भक्त इस दिन राधा रानी की पूजा और कीर्तन करते हैं। कान्हा के जन्म दिन को लोग बहुत खास तरह से मनाते हैं, इस दिन पूजा और व्रत के दौरान भूलकर भी ये काम नहीं करना चाहिए, जिससे भगवान नाराज हो जाएं और भक्त को परेशानी का सामना करना पड़े। जन्माष्टमी के दिन क्या करना है क्या नहीं, इसके बारे में हमने अपने एस्ट्रो एक्सपर्ट शिवम पाठक से पुछा है कि इस दिन हमें क्या करना चाहिए क्या नहीं, तो चलिए जानते हैं।

जन्माष्टमी के दिन क्या करें

- जन्माष्टमी के दिन व्रत रखे हो या नहीं सुबह जल्दी स्नान करके लड्डू गोपाल की पूजा जरूर करें।
- भगवान श्री कृष्ण के लिए उनके प्रिय चीजों का भोग तैयार करें।
- तुलसी की माला बनाएं, लेकिन सूई धागा से छेद कर नहीं।
- कान्हा का सुंदर श्रृंगार करें और उन्हें झूला झुलाएं।
- गरीबों को दान दें, प्रसाद बनाकर बच्चों को भोग बांटे।
- पूजा से पहले मंदिर की साफ-सफाई करें और गंगाजल से शुद्ध करें।

जन्माष्टमी के दिन क्या नहीं करें

- जन्माष्टमी पर यदि व्रत रखते हैं, तो उसका पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि आप व्रत कर रहे हैं, तो उसके नियमों का पालन पूरी तरह से करें।
- जन्माष्टमी की रात को भोजन करना या सोना गलत माना जाता है। विशेष रूप से रात्रि 12 बजे के बाद भोजन करने से बचें।
- जन्माष्टमी के दिन मांसाहार, तामसिक और राजसिक भोजन का सेवन न करें, इसके अलावा यदि आप कोई नशा करते हैं, तो वह भी करने से बचें। इस दिन केवल सात्विक भोजन और फलाहार का सेवन करें।
- जन्माष्टमी के इस पावन दिन पर किसी भी प्रकार का झगड़ा या विवाद नहीं करना चाहिए, शांति और सौहार्द बनाए रखें।
- मंदिर या घर की स्वच्छता बनाए रखें, गंदगी और अशुद्धता से बचें। पूजा-पाठ के दौरान शुद्ध कपड़े पहने और पूजा के लिए भी शुद्ध और पवित्र चीजों का इस्तेमाल करें।
- बच्चों पर हाथ ना उठाएं और बड़ों का अपमान न करें, इससे भगवान नाराज होते हैं और व्रत पर इसका गलत प्रभाव पड़ता है।

जन्माष्टमी के दिन जरूर करें ये उपाय, भगवान श्रीकृष्ण की बनी रहेगी कृपा

हिंदू धर्म में जन्माष्टमी का त्योहार बेहद धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के लड्डू गोपाल स्वरूप की पूजा विधिवत रूप से की जाती है। सनातन धर्म में जन्माष्टमी का त्योहार अत्यंत पावन और सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा विधिवत रूप से की जाती है। इस दिन ऐसी मान्यता है कि जो भक्त लड्डू गोपाल की पूजा विधिवत रूप से करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। साथ ही सौभाग्य की भी प्राप्ति होती है। जन्माष्टमी का त्योहार हर भक्त के लिए महत्वपूर्ण होता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी दांपत्ति को कोई संतान नहीं है, तो जन्माष्टमी के दिन व्रत रखकर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा विधिवत रूप से करनी चाहिए। इससे शुभ परिणाम मिल सकते हैं। अब ऐसे में जन्माष्टमी के दिन कुछ ऐसे उपाय हैं, जिसे करने से व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए उपाय

अगर आपकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं चल रही है, तो जन्माष्टमी के दिन राधा-कृष्ण मंदिर में जाकर श्रीकृष्ण को अपने हाथों से बनी पीले फूल अर्पित करें। ऐसा करने से व्यक्ति को लाभ हो सकता है। साथ ही फूल अर्पित करते समय इस मंत्र का विशेष रूप से जाप करें।

मंत्र है- **क्लीं कृष्णाय गोविंदाय गोपीजनवल्लभाय स्वाहा।**

कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्ति के लिए उपाय

अगर आपकी नौकरी या बिजनेस करते हैं, तो जन्माष्टमी के दिन सात कन्याओं को घर मे आदर सहित बुलाकर उन्हें खीर खिलाएं। लेकिन इससे पहले लड्डू गोपाल को खीर का भोग जरूर लगाएं। इससे आपको सभी कार्यों में सफलता मिल सकती है। साथ ही इस मंत्र का जाप करें।

मंत्र है- **ऊँ क्लीं नमो भगवते नन्दपुत्राय बालादिवपुषे श्यामलाय गोपीजन वल्लभाय स्वाहा।**

संतान सुख की प्राप्ति के लिए उपाय

संतान सुख की प्राप्ति के लिए जन्माष्टमी के दिन लड्डू गोपाल को पीले मिठाई का भोग लगाएं और उसके बाद उन्हें झूला झुलाएं। ऐसा करने से संतान सुख का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्त होती है।

खुशहाल दांपत्य जीवन के लिए उपाय

अगर आप अपने दाम्पत्य रिश्ते को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो जन्माष्टमी के दिन दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर भगवान श्री कृष्ण का अभिषेक करें। साथ ही भगवान को शहद और इलाइची का भोग लगाएं। साथ ही इस मंत्र का जाप करें- **क्लीं कृष्णाय स्वाहा।**

जन्माष्टमी के दिन इन चीजों के दान से होगा भाग्योदय

सनातन धर्म में जन्माष्टमी को बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित है। इस दिन विशेष रूप से कान्हा की पूजा करने विधान है। इस दिन किन चीजों का दान करने से लाभ हो सकता है। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

हिंदू पंचांग के हिसाब से भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाने की परंपरा है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा विधिवत रूप से करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती है। साथ ही जीवन में चल रही सभी परेशानियों से भी छुटकारा मिल जाता है। इस दिन भक्त लड्डू गोपाल की पूजा करते हैं। उनका श्रृंगार करते हैं। साथ ही माखन का भोग भी लगाते हैं। अब ऐसे में इस दिन कुछ ऐसी चीजें हैं। जिनका दान करने से व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है।

जन्माष्टमी के दिन करें अन्न दान

जन्माष्टमी के दिन अन्न दान करना सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन दान-पुण्य करने से व्यक्ति को शुभ परिणाम मिल सकते हैं। साथ ही अक्षय फलों की भी प्राप्ति होती है। बता दें, अन्न दान महादान होता है। इसलिए जन्माष्टमी के दिन अन्न का दान विशेष रूप से करें।

करें वस्त्र दान

जन्माष्टमी के दिन वस्त्र का दान करना शुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि जन्माष्टमी के दिन वस्त्र का दान करने से व्यक्ति को दुख और दरिद्रता से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण की कृपा भी बनी रहती है।

जन्माष्टमी के दिन करें माखन का दान

जन्माष्टमी के दिन माखन का दान विशेष रूप से करना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि माखन भगवान श्रीकृष्ण को बेहद प्रिय है और ज्योतिष शास्त्र में इसका संबंध शुक्र ग्रह से भी बताया गया है। इसलिए इस दिन माखन का दान करने से व्यक्ति को शुक्रदोष से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही धन-धान्य में भी वृद्धि होती है।

करें मोरपंख का दान

मोरपंख को भगवान कृष्ण से जोड़ा जाता है। उन्हें मोरपंख का मुकुट धारण करते हुए अक्सर दर्शाया जाता है। मान्यता है कि मोरपंख भगवान कृष्ण की कृपा प्राप्त करने का एक माध्यम है। जन्माष्टमी पर मोरपंख दान करने से व्यक्ति के काम में आ रही रुकावटें दूर हो सकती हैं। साथ ही व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं भी पूरी हो जाती है। इसलिए इस दिन मोरपंख का दान करना शुभ फलदायी साबित हो सकता है।

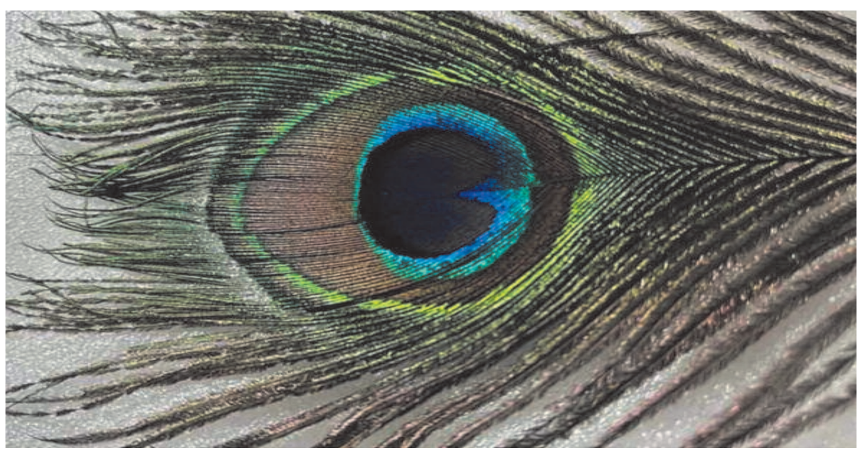

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने एसएसपी आवास के सामने सरकार का पुतला फूंका

रांची, एजेंसी। भाजपा रांची महानगर कमेटी ने शनिवार को एसएसपी आवास के सामने हेमंत सरकार का पुतला दहन किया। महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने दावा किया कि झारखंड की जनता इस निरंकुश सरकार का अंत करेगी। यह सरकार आंसू गैस के गोलों और लाठी की बदौलत युवाओं की आवाज को नहीं दबा सकती। राज्य के अधिकतर एसपी कार्यालय और थानों के सामने भाजपा ने कार्यकर्ताओं ने सरकार का पुतला फूंका। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से विरोध मार्च निकाल कर एसएसपी आवास के सामने हेमंत सरकार का पुतला दहन किया गया। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि हेमंत की हिम्मत सिर्फ लाठी चला कर जनता की आवाज़ को दबाने की कोशिश करना भर है। इस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम, भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, रोमित नारायण सिंह, राजू सिंह, अनिता वर्मा, विनय सिंह, वीणा मिश्रा, विश्वजीत सिंह, विशाल अग्रवाल, राम लगन राम, उमेश यादव, सुभाष अग्रवाल, विकास रवि आदि थे।

झारखंड हाईकोर्ट ने दिया सरकार को वेतन पर निर्णय लेने के लिए इतने का दिनों समय

रांची, एजेंसी। झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने राज्य के जिलों में ग्रामीण कार्य विभाग(आरइओ) प्रमंडलों में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों को समान काम के बदले समान वेतन देने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की. इस दौरान अदालत ने प्रार्थी व राज्य सरकार का पक्ष सुना. इसके बाद अदालत ने ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव को वित्त विभाग के वर्ष 2017 व 2023 के संकल्प के आलोक में चार माह के अंदर निर्णय लेने का आदेश दिया. इसके साथ ही अदालत ने याचिका को निष्पादित कर दिया.प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने अदालत को बताया कि वित्त विभाग ने वर्ष 2017 में संकल्प जारी किया था. इसमें संविदा कंप्यूटर ऑपरेटर को प्रतिमाह 26,800 का मानदेय तथा वर्ष 2023 में उसे बढ़ा कर वित्त विभाग ने 34,400 प्रतिमाह कर दिया, लेकिन इसका लाभ जिला में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर को नहीं मिल रहा है. जबकि, अन्य विभाग में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर को बढ़ा मानदेय दिया जा रहा है. सचिवालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों को लाभ मिल रहा है, लेकिन जिले में काम कर रहे कंप्यूटर ऑपरेटरों को कम मानदेय दिया जा रहा है.

मुख्यमंत्री के हाथों धनबाद की ममता महतो व आदारी देवी को मिला स्वीकृति पत्र

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को हजारीबाग के नगवां मैदान (सिंदूर) में आयोजित झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम में धनबाद के बाघमारा प्रखंड की ममता महतो व आदारी देवी को अपने हाथों से स्वीकृति पत्र प्रदान किया. उक्त कार्यक्रम में धनबाद, बोकारो, हजारीबाग, गिरिडीह, चतरा, कोडरमा व रामगढ़ की लगभग 14 लाख बहन–बेटियों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से सम्मान राशि हस्तांतरित की गयी. वहीं धनबाद उपायुक्त माधवी मिश्रा के निर्देश पर धनबाद से जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद व प्रखंड विकास पदाधिकारी भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए.निदेशक सामाजिक सुरक्षा ने बताया कि प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम में धनबाद से बड़ी संख्या में लाभुक हजारीबाग के कार्यक्रम में शामिल हुए. मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत धनबाद में 3.20 लाख से अधिक लाभुकों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, जबकि 2.96 लाख से अधिक लाभुकों को स्वीकृति प्रदान की गई है. इसमें 2.63 लाख से अधिक लाभुकों के बैंक खाते में राशि ट्रांसफर कर दी गई है. सितंबर महीने के प्रथम सप्ताह में शेष लाभुकों के बैंक खाते में राशि ट्रांसफर कर दिया जायेगा.

वर्ष 2028-29 तक 16,129 मेगावाट बिजली उत्पादन करेगी कोल इंडिया

रांची, एजेंसी। कोयला मंत्रालय ने डायवर्सिफिकेशन के तहत बिजली उत्पादन के क्षेत्र में कदम बढ़ाया है. उक्त कार्ययोजना के मुताबिक कोल इंडिया ने वर्ष 2028–29 तक 16,129 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है. इसमें 7,160 मेगावाट बिजली थर्मल प्लांटों व 8,969 मेगावाट बिजली का उत्पादन सोलर पावर प्लांटों के माध्यम से किया जायेगा. सूचना के मुताबिक कोल इंडिया ने चालू वित्तीय वर्ष (2024–25) में थर्मल पावर प्लांटों से 1980 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जबकि वित्तीय वर्ष 2028– 29 तक 5,180 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जायेगा. इस तरह से कोल इंडिया की थर्मल पावर प्लांटों से बिजली उत्पादन की क्षमता 7,160 मेगावाट हो जायेगी. बता दें कि कोल इंडिया की सहायक कंपनी एसइसीएल और एमपीपीजीसीएल के संयुक्त उद्यम से मध्य प्रदेश में 660 मेगावाट क्षमता वाला सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्थापित हो रहा है. उक्त परियोजना की अनुमानित लागत 5,600 करोड़ रुपये है. जबकि एमसीएल की सहायक कंपनी महानदी बेसिन पॉवर लिमिटेड द्वारा ओड़िशा के सुंदरगढ़ जिले में 1,600 मेगावाट क्षमता सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट प्रस्तावित किया गया है.

अब हर परिवार को सालाना 60 हजार रुपये देगी झारखंड सरकार,

सीएम हेमंत सोरेनका बड़ा एलान

हजारीबाग, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सरकार ने कहा है कि मंईयां सम्मान योजना के तहत अगर घर में तीन महिलाएं और बुजुर्ग हैं, तो पेंशन स्कीम से जुड़े एक परिवार को सरकार के माध्यम से सालाना 60 हजार रुपये मिलेंगे।

इतना ही अगर अगली बार भी मेरी सरकार आई तो एक-एक परिवार को एक-एक लाख रुपये दिए जाएंगे। अब झारखंड का कोई घर ऐसा नहीं होगा, जहां सरकार की कोई योजना नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 से 49 वर्ष उम्र तक की मां, बहन और बेटियों को मंइयां सम्मान से जोड़ा गया है, तो 50 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को पेंशन योजना से। सरकार जन्म से जीवन के अंतिम पड़ाव तक सबका ख्याल रख रही है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि आप बेटे-बेटियों को पढ़ाएं, उनका खर्च सरकार उठाएगी। स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से बिना किसी गारंटी के 15 लाख रुपये देगी।

मुख्यमंत्री शनिवार को हजारीबाग के नगवां सिंदूर मैदान में झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान प्रमंडलीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि करार देते हुए हेमंत सोरेन ने कहा कि मात्र 14 से 15 दिनों में प्रति माह एक हजार रुपये देने के लिए राज्य भर में 42 लाख से अधिक महिलाओं को मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना से जोड़ने का काम किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में सामाजिक सुरक्षा पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके तहत ही हजारीबाग प्रमंडल के सात जिलों की 13,94,082 महिलाओं के खाते में पहली किस्त के रूप में एक-एक हजार रुपये की राशि भेजी जा रही है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार मां, बहन-बेटियों को सामाजिक आर्थिक सुरक्षा देने में लगी है। लेकिन, यहां वर्षों तक राज करने वाली भाजपा की सरकारों ने इससे सरोकार नहीं रखा। भाजपा के पास यहां की महिलाओं, बुजुर्गों को देने के लिए पैसे नहीं थे। इन्होंने सामाजिक सुरक्षा देने की जगह बेईमानों को सुरक्षा देने का काम किया। व्यवसायियों के लाखों-करोड़ रुपये माफ किए।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में मंइयां सम्मान को बहन बेटियों को उनके मान-सम्मान गौरव से जोड़ा। महिलाओं से पूछा कि यह सम्मान आगे चाहिए कि नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार अच्छा काम कर रही है तो विरोधियों को खटक रहा है। लेकिन, आपको इनके झांसे में नहीं आना है। विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि बरसात में बहुत मेढ़क निकलेंगे। टर्र-टर्र करेंगे। आपका दिमाग खराब करेंगे, लेकिन इनके झांसे में नहीं आना है।

यहां के नेताओं से राज्य संभल नहीं रहा तो दूसरे राज्यों से बुला लिया, आपदा को भी हिंदू-मुसलमान में बांट दिया। भाजपा लगातार साजिश कर रही है।हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा ने मुझे साजिश के तहत जेल भेज दिया। पांच छह माह में जेल से बाहर आकर आपके बीच हूं। लेकिन, मुझ पर लगे सभी आरोप झूठे साबित हुए।

अब उनके नेताओं से राज्य नहीं संभल रहा है तो असम, मध्यप्रदेश व गुजरात के नेताओं को बुलाकर झारखंड को बांटने में लगे हैं।

कभी हिंदू मुसलमान तो कभी अगड़ा-पिछड़ा का खेल खेला जा रहा है। उन्होंने आपदा में हिंदू मुसलमान कर दिया है। अब तक लव जेहाद, लैंड जेहाद कर रहे थे अब ये बाढ़ जेहाद कर रहे हैं। झारखंड के मूलवासी, दलितों, अल्पसंख्यकों के हक को छिनने की साजिश रची जा रही है। श्रम एवं कौशल विकास मंत्री सत्यानंद भोगता, समाज कल्याण मंत्री बेबी देवी, कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह सहित विधायक मथुरा महतो, कल्पना सोरेन, सुदीव्य कुमार सोनू, अनूप कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह, मथुरा महतो, अंबा प्रसाद, उमाशंकर अकेला ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

युवाओं के साथ अत्याचार बर्दाश्त नहीं होगा: रागिनी सिंह

रांची/झरिया , एजेंसी। जन आक्रोश रैली में भाजपा कार्यकर्ताओं पर बर्बरतापूर्वक लाठी चार्ज, आंसू गैस के गोले फेंकने व रबर की गोलियां दागने के विरोध में शनिवार को झरिया थाना के समीप मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला जलाया गया। इससे पहले झरिया टैक्सी स्टैंड से झरिया थाना तक नारेबाजी के साथ पदयात्रा निकाली गई। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह ने कहा कि यह सरकार रोजगार नहीं दे सकी, तो युवाओं पर अत्याचार करने पर उतर आई है। युवाओं को रोजगार भत्ता भी नहीं दे रही है। आंदोलन को किसी भी कीमत पर कुचलने नहीं दिया जाएगा।

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि ये कुछ महीनों की सरकार है जो अब नहीं चलने वाली है। युवा बेरोजगार इस सरकार से नाराज है। जिला उपाध्यक्ष विष्णु त्रिपाठी ने कहा कि लाठी चार्ज सरकार की नाकामी को दर्शाती है। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अवधेश साव ने की। मौके पर अरिंदम बनर्जी, सत्यदेव सिंह, बप्पी बाउरी, शिव अग्रवाल, लोकनाथ सिंह, अरुण जयसवाल, तरुण राय, राहुल सोनी, सुदर्शन वर्नवाल, मोतीलाल विश्वकर्मा, संजय रवानी, विश्वनाथ साव, गौतम थे।

जोरापोखर में सीएम का पुतला फूंका : जोरापोखर शहीद शशिकांत पांडेय चौक पर भाजपा भागा मंडल अध्यक्ष बच्चा गिरी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। मुख्यमंत्री हाय हाय... के नारे लगाए गए। योगेंद्र यादव ने कहा कि रांची में भाजपा युवा जनाक्रोश रैली में कार्यकर्ताओं को प्रदेश की सरकार ने लाठी चार्ज व आंसू गैस छोड़कर घायल करना निंदनीय है। मौके पर राकेश सिंह, दलगोबिंद महतो, नगीना पासवान, गरिधारी अग्रवाल, बिनोद सिंह आदि थे।

एसएसपी कार्यालय के समक्ष भाजपाइयों ने जलाया सीएम का पुतला

रांची, एजेंसी। रांची में युवा आक्रोश रैली के दौरान शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं को रोके जाने तथा आंसू गैस के गोले दागने के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जगह-जगह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला जलाया. भाजपा बरटांड एवं सदर मंडल के कार्यकर्ताओं ने पुराने एसएसपी कार्यालय के सामने मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया. नेतृत्व किशोर मंडल व राजाराम दत्ता कर रहे थे. इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश राही, सत्येंद्र कुमार, चंद्रशेखर सिंह व संजीव अग्रवाल ने कहा कि अपने हक की लड़ाई लड़ने वाले युवाओं की हालत देख एक बात तो निश्चित है कि इस बार जनता तानाशाह हेमंत सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकेगी. मानस प्रसून ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा युवाओं पर अमर्यादित, अलोकतंत्रिक तरीके का आचरण किया गया है. इसकी जितनी निंदा की जाय वह कम है. मौके पर रमा सिन्हा, पंकज सिन्हा, नरेंद्र त्रिवेदी, कन्हैया पांडे, रमेश राही, मनोज सिंह भवानी, राजकुमार मंडल, निर्मल प्रधान, राजकुमार मंडल, उमेश सिंह, बेबी यादव, नरेंद्र त्रिवेदी, राजा राम दत्ता, रंजीत सिंह बिल्लू, शंभु सिंह, हुल्लास दास, मनोज रिंकू सिन्हा, भोला पांडे, अमित सिंह, प्रमोद अग्रवाल, प्रकाश मिश्रा, विजय कुमार, सत्येंद्र मिश्रा व टुन्ना सिंह सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे.

मंदिर में धंसा नौसेना का उपकरण, पांच दिन बाद भी नहीं मिल पाया झारखंड में गायब हुआ विमान

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट से मंगलवार को उड़ान भरने वाले ट्रेनी विमान के क्रैश होने के बाद जारी तलाश में शनिवार को पांचवें दिन भी सुराग नहीं मिल सका। चांडिल डैम में शनिवार को भी खोज के लिए गई नौसेना की टीम खाली हाथ लौट गई।

मंदिर में धंसा नौसेना का उपकरण : नौसेना की टीम विमान की तलाश में शनिवार सुबह 8.30 बजे चांडिल डैम में गई थी, जो दोपहर दो बजे खाली हाथ लौट आई। टीम डैम के कल्याणपुर एवं किस्टोपुर में साइड स्कैन सोनार एवं अन्य उपकरणों के सहारे विमान की खोजबीन की। हालांकि टीम को सफलता नहीं मिली। खोजबीन के दौरान नौसेना का उपकरण एक मंदिर की दीवार से टकराकर धंस गया। टीम ने दीवार को हटाकर उपकरण को निकाला तथा उसके अंश को भी साथ ले आई। नौसेना की टीम रविवार को फिर से विमान की खोजबीन में निकलेगी।

15 मिनट बाद विमान का एटीसी से कट गया था संपर्क

सोनारी एयरपोर्ट से मंगलवार सुबह 11 बजे अल्केमिस्ट एवियशन का टू सीटर ट्रेनी विमान ने उड़ान भरी थी। विमान में उस वक्त आदित्यपुर के इच्छापुर ग्वाला पाड़ा निवासी ट्रेनी पायलट शुभ्रोदीप दत्ता और पटना जक्कनपुर निवासी कैप्टन शत्रु आनंद सवार थे। बताया जाता है कि उड़ान भरने के 15 मिनट तक विमान एयर ट्रैफिक कंट्रोल की संपर्क में था, इसके बाद संपर्क टूट गया। इसके बाद पहले एनडीआरएफ और फिर एनडीआरएफ और नौसेना की संयुक्त टीम ने तलाश शुरू की थी। दोनों पायलट के शव गुरुवार को बरामद हुए थे।

दोनों पायलट की मौत की जांच को पहुंची डीजीसीए की टीम

इधर, विमान हादसे में दो पायलट की मौत की जांच के लिए दिल्ली से डीजीसीए की टीम शनिवार को चांडिल डैम पहुंची। टीम सुबह 10.30 बजे जांच के लिए चांडिल डैम रवाना हुई व करीब साढ़े तीन घंटे तक डैम स्थित पियालडीह, काशीपुर, कल्याणपुर, कुमारी, मैसढ़ा, केसरगढ़िया एवं डीमुडीह में जाकर जांच की। टीम ने जिस जगह पायलट एवं ट्रेनी पायलट का शव मिला था,उस जगह की भी जांच की। साथ ही प्रत्यक्षदर्शी एवं अन्य कई ग्रामीणों से भी पूछताछ की।

खरसावां में तेज रफ्तार कार ने एक को मारी टक्कर, मौत, विरोध में सड़क जाम

खरसावां, एजेंसी। खरसावां के बाजारसाही में शनिवार की रात तेज गति से आ रही एक मारुति अर्टिगा कार चालक ने सड़क किनारे खड़े एक शख्स को रौंदकर फरार हो गया. इस घटना में उसकी मौत हो गयी. जानकारी के अनुसार शनिवार की देर शाम खरसावां के बाजारसाही निवासी प्रशांत मोदक (48) की किराने की दुकान से कुछ सामान खरीद वापस घर लौट रहे था. इस दौरान बाजारसाही हरिमंदिर के पास वह कार की चपेट में गया.

बताया जाता है कि कार की रफ्तार बेहद तेज थी. तेज रफ्तार वाहन को देखकर वह सरायकेला-खरसावां के बाजारसाही हरिमंदिर रोड के किनारे स्थित एक चापाकल के पास खड़ा हो गया. बावजूद वह कार चालक उसे रौंदते हुए फरार हो गया. कार की चपेट में आने से उसके दोनों पर टूट गये. साथ ही शरीर के कई अन्य हिस्से में अंदरूनी चोटें आयीं. आनन फानन में स्थानीय लोगों ने उसे खरसावां स्थित समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर रेफर कर दिया. लेकिन रास्ते ही उसने दम तोड़ दिया.

घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने रविवार की सुबह खरसावां बाजार क्षेत्र में सड़क जाम कर दी. खरसावां बाजार होते हुए हाईस्कूल की ओर आने- जाने वाली सभी मुख्य सड़क को अवरुद्ध कर दिया गया है. इससे वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया. बाजार क्षेत्र के दुकानदारों ने भी अपने दुकानों को बंद रखा. स्थानीय लोगों ने पुलिस- प्रशासन से दोषी वाहन चालक को चिन्हित कर कार्रवाई करने, मृतक के आश्रितों को मुआवजा दिलाने और सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं. मामले की जानकारी मिलने के बाद सभी प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया. खबर लिखे जाने तक जाम नहीं हटा है.

लगातार बढ़ रहा है पतरातू डैम का जलस्तर, तीन फाटक खोल किया जा रहा जलनिकासी का काम

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ के पतरातू डैम में विभिन्न पहाड़ी नदियों के मिलने और बारिश की वजह जलस्तर में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है. रविवार सुबह को 1328 रेडियस लेवल जलस्तर को बनाये रखने के लिए डैम का एक और फाटक खोल दिया गया ताकि यह खतरे के निशान के पार न चला जाए. अब डैम के कुल तीन फाटक से जल निकासी का कार्य हो रहा है. इससे पहले शनिवार को भी जलस्तर को बनाये रखने के लिए एक फाटक खोला गया था, लेकिन रविवार की अहले सुबह पता चला कि डैम के वाटर लेवल काफी बढ़ गया है. जिसके बाद अधिकारियों एक और फाटक खोलने के निर्णय लिया.

पीटीपीएस के अधिकारी लगातार लोगों से इस बात की अपील कर रहे हैं कि वे नलकारी नदी के पास ना खुद जाएं और न ही जानवरों जाने दें. उनका कहना है कि विभिन्न स्रोतों से लगातार पानी आने के कारण डैम का जलस्तर पहले के मुकाबले बहुत बढ़ गया है. तीन फाटक खोलने का नतीजा ये है कि दामोदर और नलकारी नदी तेजी से बढ़ गया है. उन्होंने कहा है कि हम स्थिति पर 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं ताकी स्थिति हमारे नियंत्रण से बाहर न जाएं.

बता दें कि पतरातू डैम के जलस्तर को यथावत बनाए रखने के लिए गुरुवार को तीन नंबर फाटक को तीन इंच के लिए खोल दिया गया था. वहीं शनिवार को भी 6 नंबर फाटक को छह इंच के लिए खोल दिया गया. डैम का मुख्य जलस्त्रोत नलकारी और घाघरा नदी है. जहां से बारिश के कारण ये दोनों उफनायी हुई है. वर्तमान में पतरातू डैम की क्षमता रेडियूस लेवल है. जबकि वर्तमान में इसका जलस्तर 1328 रेडियस लेवल है. जिससे यथावत बनाये रखने के लिए एक के बाद एक फाटक खोल जा रहे हैं.

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लक्ष्य व जमा की सूची जल्द से जल्द दें: बीईईओ

निरसा के पोद्दारडीह हाईस्कूल में विशेष गोष्ठी का आयोजन

निरसा, एजेंसी। निरसा के पोद्दारडीह हाई स्कूल परिसर में निरसा व कलियासोल के सभी सरकारी विद्यालयों के प्रधान अध्यापकों के बीच शुक्रवार को एकदिवसीय विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया। विशेष गोष्ठी में मुख्य रूप से बीईईओ सपन कुमार मंडल मौजूद थे। इस दौरान छात्र-छात्राओं को लाभान्वित करने वाले सभी योजनाओं का क्रियान्वयन एवं उचित लाभ मिल रहा है या नहीं उसकी समीक्षा की गई।

बीईईओ ने कहा कि साइकिल वितरण 2023-24 उपयोगिता जमा व 2024-25 मांग सूची जमा करने का निर्देश दिया गया है। स्कॉलरशिप 2024- 25 ई-कल्याण अपलोड डेट हार्ड कॉपी एवं सॉफ्ट कॉपी भेजने का निर्देश सभी प्रधान अध्यापकों को दी गई है। इस बार के साइकिल वितरण से संबंधित दिशा निर्देश सभी को दी जा चुकी है। यू डाइस प्लस डाटा अपलोड शत प्रतिशत करना जरूरी है। जिस पर कोताई ही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना 2024-25 का विद्यालयों का लक्ष्य एवं उपलब्ध सूची जल्द से जल्द उपलब्ध करवाना है। उल्हास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम एवं सर्वेक्षण प्रतिवेदन का क्रियान्वयन का निर्देश दिया गया। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का अनुपालन के लिए सभी सरकारी विद्यालयों में पौधारोपण का निर्देश दिया गया।सभी सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति बायोमेट्रिक के माध्यम से ही करना है। ऑफलाइन उपस्थिति को मानता नहीं दी जाएगी। अगर बायोमेट्रिक अटेंडेंस की मशीन खराब है तो रिपेयर जीटा में जमा करने का निर्देश दिया गया। एमडीएम का प्रतिदिन की सूची एवं बच्चों को मिलने वाली पोषाहार की भी जानकारियां ली गई। इको क्लब का नियमित बैठक, प्रयास एवं प्रोजेक्ट का शत प्रतिशत अनुपालन का निर्देश दिया गया।

सर्वेक्षण प्रतिवेदन का क्रियान्वयन का निर्देश दिया गया। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का अनुपालन के लिए सभी सरकारी विद्यालयों में पौधारोपण का निर्देश दिया गया। सभी सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति बायोमेट्रिक के माध्यम से ही करना है। ऑफलाइन उपस्थिति को मानता नहीं दी जाएगी। अगर बायोमेट्रिक अटेंडेंस की मशीन खराब है तो रिपेयर जीटा में जमा करने का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

खनन कर फैसले से कोल इंडिया पर अधिकतम 35,000 करोड़ रुपए का प्रभाव : चेयरमैन

कोलकाता , एजेंसी। यदि खनन करों पर उच्चतम न्यायालय की समीक्षा से कोई अनुकूल परिणाम नहीं निकलता है या कंपनी अपने ग्राहकों से कर नहीं वसूल पाती है, तो कोल इंडिया का वित्तीय प्रभाव 'सबसे खराब स्थिति में 35,000 करोड़ रुपए तक हो सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह बात कही। खनन कंपनी अपने खातों में किसी भी प्रावधान पर विचार करने से पहले चीजें स्पष्ट होने का इंतजार करेगी। कोल इंडिया के चेयरमैन पी एम प्रसाद ने कहा, दो अनुषंगी कंपनियां- महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड प्रभावित हो रही हैं, जबकि शेष अनुषंगी कंपनियां प्रभावित नहीं हैं। ओडिशा में महानदी कोलफील्ड्स सबसे अधिक प्रभावित है। सबसे खराब स्थिति में, अगर हम दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति समझौतों (एफएसए) के ग्राहकों से वसूली नहीं कर पाते हैं, तो हमारा प्रभाव लगभग 35,000 करोड़ रुपए हो सकता है। भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि झारखंड में सेंट्रल कोलफील्ड्स को लगभग 350 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। उन्होंने कहा, हालांकि, हमें उम्मीद है कि हम कम से कम 75-80 प्रतिशत राशि वसूल लेंगे, क्योंकि ये सार्वजनिक क्षेत्र की बड़ी सरकारी बिजली उत्पादन कंपनियां हैं, जिनके पास एफएसए हैं। तब हमारा अंतिम शुद्ध प्रभाव 6,500-7,000 करोड़ रुपए हो सकता है। शीर्ष अदालत ने हाल ही में राज्यों को अप्रैल, 2005 से केंद्र और खनन कंपनियों से खनिज अधिकारों और खनिज युक्त भूमि पर रॉयल्टी वसूलने की अनुमति दे दी है। प्रसाद ने कहा कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है और उच्चतम न्यायालय की तीन सदस्यीय पीठ इस फैसले की समीक्षा कर सकती है। वर्तमान निर्णय के अनुसार, कर की मांग एक अप्रैल, 2026 से शुरू होकर 12 वर्ष की अवधि में किस्तों में की जाएगी। हालांकि, कोल इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि कंपनी किसी भी प्रावधान पर विचार करने से पहले अंतिम तौर पर चीजें स्पष्ट होने का इंतजार करेगी।

सेंसेक्स में कंपनियों ने बनाया खूब पैसा, निवेशकों को भी तगड़ा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण संयुक्त रूप से बीते सप्ताह 95,522.81 करोड़ रुपये बढ़े। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और एचयूएल सबसे ज्यादा लाभ में रहीं। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुक्रवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में 33.02 अंक यानी 0.04 प्रतिशत बढ़कर 81,086.21 पर बंद हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स में 649.37 अंक यानी 0.80 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 29,634.27 करोड़ रुपये बढ़कर 20,29,710.68 करोड़ रुपये रहा। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 17,167.83 करोड़ रुपये बढ़कर 16,15,114.27 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर (॥रु) का 15,225.36 करोड़ रुपये बढ़कर 6,61,151.49 करोड़ रुपये रहा। भारती एयरटेल का एमकैप 12,268.39 करोड़ रुपये बढ़कर 8,57,392.26 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का 11,524.92 करोड़ रुपये बढ़कर 8,47,640.11 करोड़ रुपये रहा।आंकड़ों के अनुसार आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 3,965.14 करोड़ रुपये बढ़कर 6,32,364.24 करोड़ रुपये हो गया, जबकि भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 2,498.89 करोड़ रुपये बढ़कर 7,27,578.99 करोड़ रुपये रहा।

जब सुधा मूर्ति ने अंधे पुजारी को ऑफर किए 20000 रुपये तो उन्होंने दे दिया तगड़ा ज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी। इंफोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति की पत्नी सुधा मूर्ति किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। वह लेखिका और राज्यसभा सदस्य भी हैं। कई बार उनकी बातें लोगों के दिल में उतर जाने वाली होती हैं। सुधा मूर्ति को सामाजिक कामों के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने कई बार सार्वजनिक मंचों से ऐसी बातें कही हैं जो लोगों को प्रेरणा देती हैं। इसमें कई किस्से उनकी जिंदगी से जुड़े होते हैं। हाल ही में उन्होंने एक घटना के बारे में बताया है। यह घटना उनकी तमिलनाडु यात्रा के दौरान की है। इस यात्रा के दौरान वह एक अंधे पुजारी से मिलीं। उन्होंने उस पुजारी को मदद के बदले 20 हजार रुपये देने की पेशकश की। उस पुजारी ने वह रकम नहीं ली और सुधा मूर्ति को नसीहत दे डाली।

दरअसल, एक बार सुधा मूर्ति तमिलनाडु में थीं। रास्ते में उनकी कार खराब हो गई। ड्राइवर ने कहा कि पास में एक मंदिर है। वहां रुक जाते हैं। ड्राइवर ने कहा कि मंदिर में अंधा पुजारी अपनी पत्नी के साथ रहता है। शुरू में सुधा मूर्ति की

इच्छा नहीं हुई, लेकिन बाद में वह तैयार हो गईं। जब वे दोनों मंदिर पहुंचे तो पुजारी और उनकी पत्नी ने दोनों का गर्मजोशी से स्वागत किया। अपना स्वागत और देखभाल से खुश होकर सुधा मूर्ति ने उन्हें कुछ मदद देने का फैसला लिया।

आरती में दिए 100 रुपये

जब वे मंदिर पहुंचीं तो पुजारी ने आरती की। इस पर उन्होंने 100 रुपये दिए। यह रकम देखकर पुजारी को आश्चर्य हुआ और हिचकिचाहट भी हुई। पुजारी ने कहा कि यह रकम बहुत ज्यादा है। लेकिन सुधा मूर्ति उनकी मदद और करना चाहती थीं। उन्होंने पुजारी का नाम और दूसरी जानकारियां मांगी। वह उन्हें 20 हजार रुपये उनके बुढ़ापे के सहारे के तौर पर देना चाहती थीं। लेकिन पुजारी ने उस रकम को लेने से मना कर दिया। पुजारी ने जो बात कही, वह काफी प्रेरणादायक थी। पुजारी ने कहा, मैं नहीं जानता कि तुम कौन हो, लेकिन मैं तुम्हें कुछ बताना चाहता हूं। जीवन में यह गलती कभी मत करना।

पुजारी ने दिया यह ज्ञान

पुजारी की यह बात सुनकर सुधा मूर्ति हैरान हो गईं। उन्होंने पूछा कि तुम ऐसा क्यों कह रहे हो इस पर पुजारी ने कहा, अगर तुम मुझे ये पैसे दोगी तो ये मेरे लिए बोझ बन जाएंगे। गांव वाले अब हमारी देखभाल करते हैं, लेकिन जैसे ही उन्हें पता चलेगा कि मेरे पास बैंक या डाकघर में 20 हजार रुपये हैं तो वे मेरी मौत की कामना करने लगेंगे, ताकि वे पैसे पा सकें। वे अब हमारी मदद नहीं करेंगे। भगवान ने हमें जो दिया है, वह काफी है। याद रखो, जीवन में तुम्हें एक सीमा खींचनी सीखनी चाहिए। यह सीमा होनी चाहिए- बस बहुत हो गया। इस सीमा को केवल तुम ही तय कर सकते हो।

बस बहुत हो गया में शांति

पुजारी की बात सुनकर सुधा मूर्ति काफी प्रभावित हुईं। पुजारी के सरल लेकिन गहन संदेश ने धैर्य के महत्व और अधिकता के खतरों पर प्रकाश डाला। पुजारी अपने अंधेपन और बुढ़ापे के बावजूद आत्मा से समृद्ध थे। वह समझते थे कि असली धन पैसे में नहीं बल्कि यह जानने की शांति में निहित है कि बस बहुत हो गया।

सुकन्या समृद्धि के निवेशकों के लिए बड़ी खबर, सरकार ने बदले नियम, सर्कुलर जारी

नईदिल्ली, एजेंसी। छोटी बचत योजनाओं में निवेश करत हैं तो ये खबर आपके काम की है। दरअसल, केंद्रीय वित्त मंत्रालय के तहत आर्थिक मामलों के विभाग ने एक सर्कुलर जारी किया है। सर्कुलर के मुताबिक 6 नए नियम जारी किए गए हैं। ये नियम राष्ट्रीय बचत योजना, सार्वजनिक भविष्य निधि यानी पीपीएफ और सुकन्या समृद्धि अकाउंट से जुड़े निवेशकों के लिए हैं। आइए सुकन्या समृद्धि अकाउंट के नए नियम के बारे में जान लेते हैं।) दादा-दादी (जो कानूनी अभिभावक के अलावा अन्य हैं) की संरक्षकता के तहत खोले गए अकाउंट्स के मामले में, संरक्षकता लागू कानून के तहत हकदार व्यक्ति, यानी प्राकृतिक अभिभावक (जीवित माता-पिता) या कानूनी अभिभावक को ट्रांसफर की जाएगी।

क्यूसीओ से घटिया वस्तुओं का आयात कम करने में मिलेगी मदद, एमएसएमई पर ये बोले केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार की ओर से गुणवत्ता को नियंत्रित करने से जुड़े आदेश एमएसएमई को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए हैं। इससे उन्हें घटिया सामानों के आयात में कटौती करने में मदद मिलेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि इन आदेशों के जरिए सरकार छोटे और मंझोले उद्योगों की मदद कर रते हैं। उन्होंने कहा, हम एमएसएमई को क्यूसीडी की जरूरतों को पूरा करने के लिए समय दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुणवत्ता को नियंत्रित करने से जुड़े आदेशों से छोटे व मंझोले उद्योगों को फायदा मिलेगा। ये आदेश उन्हें देश के बाहर से गलत कीमत पर कम गुणवत्ता वाली वस्तुओं के आयात से रोकते हैं। इस तरह ये आदेश एमएसएमई सेक्टर को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने साथ में यह भी कहा कि एमएसएमई को केवल एक छोटे उद्यम के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

गोयल ने कहा कि बड़े उद्योगों और व्यवसायों के आसपास के पूरे इकोसिस्टम में हजारों एमएसएमई काम कर रहे हैं। उनके बिना ये बड़े उद्योग सफल नहीं हो सकते। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एमएसएमई बड़े उद्योगों और व्यवसायों के लिए आपूर्तिकर्ता और ग्राहक भूमिका में कार्य करते हैं। एमएसएमई देश के पर्यटन और आधारभूत संरचना क्षेत्र के विकास में भी अहम भूमिका में हैं। देश के निर्यात में भी उनका बड़ा हिस्सा है। उन्होंने कहा आज कई एसएमई ने अपने व्यवसायों को बीएसई पर पंजीकृत कराया है।

क्यूसीओ जरिए सरकार ऐसे वस्तुओं के उत्पादन, बिक्री, व्यापार, आयात और भंडारण पर पाबंदी लगाती है, जिनके पास भारतीय मानक ब्यूरो मार्क ना हो। ये आदेश स्मार्ट मीटर, नट, बोल्ट और फास्टनर के लिए जारी किए गए हैं। क्यूसीओ को जारी करने का मकसद कम गुणवत्तापूर्ण वाले उत्पादों के आयात में कटौती करना है, ताकि ग्राहकों और पर्यावरण का कल्याण व सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

पॉल जॉन सिंगल माल्ट व्हिस्की की विदेशों में भी जमेगी धाक

यूएस समेत 50 से अधिक देशों में पहले से ही है पहुंच

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पिरिट बनाने वाली भारतीय कंपनी जॉन डिस्टिलरीज लिमिटेड कुछ नए वैश्विक ठिकाने तालाश रही है। जी हां, कंपनी अपने पॉल जॉन सिंगल माल्ट व्हिस्की के लिए निर्यात बढ़ा रही है। कंपनी इस समय अमेरिका, फ्रांस, संयुक्त अरब अमिरात और जापान समेत दुनिया के 50 देशों में पॉल जॉन सिंगल माल्ट व्हिस्की का निर्यात करती है।

हमारे सहयोगी ईटी की एक खबर के मुताबिक जॉन डिस्टिलरी लिमिटेड अपने गोवा प्लांट में सिंगल माल्ट डिस्टिलरी की क्षमता विस्तार कर रही है। इसके लए कंपनी ने वहां काफी निवेश भी किया है। कंपनी की योजना इस साल अक्टूबर से व्हिस्की के नए वेरिएंट लॉन्च करने की है। इससे देशी और विदेशी बाजारों में कंपनी की स्थिति मजबूत होगी।

जेडीएल के चेयरमैन पॉल पी जॉन का कहना है हमने अपनी गोवा डिस्टिलरी की क्षमता को लगभग तीन गुना बढ़ाकर 1.3 मिलियन लीटर से 3 मिलियन लीटर सालाना कर दिया है। हमने इस विस्तार में लगभग 100 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जो वैश्विक और घरेलू बाजारों में पीजेएसएम व्हिस्की की बढ़ती मांग को पूरा करने में हमारी मदद करेगा। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी 50 से अधिक देशों में निर्यात करती है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार, 2023-24 में, जेडीएल ने अमेरिका, फ्रांस, यूएई और जापान जैसे 50 से अधिक देशों को पीजेएसएम व्हिस्की के लगभग 30,000 केस निर्यात किए। घरेलू बाजार में, स्पिरिट निर्माता ने लगभग 72,000 पीजेएसएम व्हिस्की केस बेचे। इसके इस समय 12 जगह डिस्टिलरी हैं जिनमें हर साल 24 मिलियन केस का उत्पादन होता है। कंपनी प्रीमियम रम और वोदका को भी रोल आउट करने की योजना बना रही है।

इन्फोमेरिक्स रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में अल्कोहलिक बीवरेज की बिक्री अगले दस वर्षों में 7 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने की उम्मीद है। वर्ष 2023 में, भारत में एल्को-बेव बाजार का आकार करीब 55 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है जो कि साल 2021 में 52.4 बिलियन डॉलर का था। उल्लेखनीय है कि शराब पीने की कानूनी उम्र कम होने, मध्यम वर्ग की आबादी में प्रवेश करने वाले उपभोक्ताओं का एक बड़ा उभरता हुआ नया समूह और व्हिस्की की लोकप्रियता से विकास को बढ़ावा मिल रहा है। प्रीमियमाइजेशन भी सभी स्पिरिट कैटेगरीज में विकास को और आगे बढ़ा रहा है।

भारत के अलग अलग राज्यों में शराब पीने और खरीदने की उम्र एक समान नहीं है। पहाड़ी राज्यों जैसे हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, मेघायल आदि में शराब पीने की न्यूनतम उम्र 18 साल है। इन राज्यों के अलावा राजस्थान, गोवा, पुड्डुचेरी में भी शराब पीने और खरीदने की कानूनी उम्र 18 साल है। वहीं पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लेह-लद्दाख, उत्तराखंड में 21 साल के व्यक्ति शराब पी सकते हैं। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, चंड़ीगढ़ में यह उम्र 25 साल है। बिहार में अल्होकहलिक बीवरेज पीना मना है।

अगले हफ्ते आएंगे 9 कंपनियों के आईपीओ, 8 की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप आईपीओ के जरिए शेयर मार्केट में निवेश करते हैं तो अगला हफ्ता आपके लिए है। अगले हफ्ते 9 कंपनियों अपने आईपीओ लेकर आ रही हैं। जो आईपीओ अगले हफ्ते मार्केट में आएंगे, उनमें मेन बोर्ड और एसएमई बोर्ड, दोनों के शामिल हैं। मेनबोर्ड सेगमेंट में इकोस मोबिलिटी, प्रीमियर एनर्जीज और बाजार स्टाइल रिटेल सब्सक्रिप्शन के लिए अपने पब्लिक ऑफरिंग खोलेंगी। इनके अलावा छह और कंपनियां एसएमई सेगमेंट में अपने इश्यू लॉन्च करने के लिए तैयार हैं। वहीं 8 आईपीओ शेयर मार्केट में लिस्ट होंगे। इनमें ओरिएंट टेक्नोलॉजीज और इंटरआर्क बिल्डिंग प्रोडक्ट्स शामिल हैं।

शेयर मार्केट में निवेश करने वाले निवेशक आईपीओ पर कड़ी नजर रखते हैं। इसका कारण है कि अगर आईपीओ अलॉट हो जाए तो कई बार ये कम समय में अच्छा रिटर्न दे देते हैं। कई आईपीओ तो लिस्टिंग के समय दोगुने तक का रिटर्न दे चुके हैं। इसी कारण निवेश आईपीओ बुक कराने में रुचि दिखाते हैं। हाल ही में कई आईपीओ इस तरह का रिटर्न दे चुके हैं। हालांकि कई बार आईपीओ में निवेश घाटे का भी सौदा हो जाता है।

सोलर सेल बनाने वाली कंपनी प्रीमियर एनर्जीज के आईपीओ पर ज्यातार निवेशकों की नजर है। इस कंपनी का आईपीओ 27 अगस्त को खुलेगा। कंपनी का इश्यू साइज 2830 करोड़ रुपये है। इसमें 1291 करोड़ रुपये के फ्रेश इश्यू होंगे। वहीं ऑफर फोर सेल में 3.42 करोड़ शेयर बेचे जाएंगे। आईपीओ का प्राइज बैंड 427 रुपये से 450 रुपये के बीच है। यह भी मेन बोर्ड का आईपीओ है। इसका इश्यू साइज 601.20 करोड़ रुपये है। यह आईपीओ 28 अगस्त को खुलेगा। निवेशक 30 अगस्त तक इसके लिए बोली लगा सकेंगे। इसमें सारे शेयर ओएफएस के तहत बेचे जाएंगे। इन शेयरों की संख्या 1.8 करोड़ होगी। आईपीओ का प्राइज बैंड 318 रुपये से 334 रुपये के बीच है।

बाजार स्टाइल रिटेल भी लाइन में

बाजार स्टाइल रिटेल भी मेन बोर्ड में अपना आईपीओ लॉन्च करेगी। यह आईपीओ 30 अगस्त को खुलेगा। निवेशक 3 सितंबर तक इसमें बोली लगा सकेंगे। आईपीओ का इश्यू साइज करीब 150 करोड़ रुपये का है। इसमें फ्रेश शेयर और ओएफएस के तहत शेयर बेचे जाएंगे। इसका प्राइज बैंड अभी पता नहीं चला है। इसकी लिस्टिंग 6 सितंबर को होगी। एसएमई सेगमेंट में छह कंपनियां अपने आईपीओ लेकर आएंगी। इनमें इंडियन फॉस्फेट, वीडील सिस्टम, जेबी लेमिनेशन, पैरामैट्रिक्स टेक्नोलॉजीज, एरोन कंपोजिट और अर्चित न्यूवुड इंडस्ट्रीज शामिल हैं। इनमें वीडील सिस्टम, जेबी लेमिनेशन और पैरामैट्रिक्स टेक्नोलॉजीज के आईपीओ 27 अगस्त को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। वहीं एरोन कंपोजिट और अर्चित न्यूवुड के इश्यू 28 अगस्त और 30 अगस्त को शुरू होंगे। डिस्क्लेमर- इस विश्लेषण में दिए गए सुझाव व्यक्तिगत विश्लेषकों या ब्रोकिंग कंपनियों के हैं, एनबीटी के नहीं। हम निवेशकों को सलाह देते हैं कि किसी भी निवेश का निर्णय लेने से पहले प्रमाणित विशेषज्ञों से परामर्श कर लें। क्योंकि शेयर बाजार की परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं।

हीरो मोटर्स ने 900 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए मसौदा पत्र दाखिल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। हीरो मोटर्स कंपनी (एचएमसी) समूह की वाहन कलपुर्जा फर्म हीरो मोटर्स लिमिटेड ने आईपीओ लाने के लिए शनिवार को बाजार नियामक सेबी के पास मसौदा पत्र दाखिल किया। कंपनी की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के जरिए 900 करोड़ रुपए जुटाने की योजना है। मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार आईपीओ के तहत 500 करोड़ रुपए के ताजा इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा प्रवर्तक 400 करोड़ रुपए मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेंगे। ओएफएस में ओपी मुंजाल होल्डिंग्स 250 करोड़ रुपए और भाग्योदय इंवेस्टमेंट्स तथा हीरो साइकिल्स 75-75 करोड़ रुपए के शेयरों की पेशकश कर रहे हैं। कंपनी आईपीओ से पहले 100 करोड़ रुपए जुटा सकती है और ऐसा होने पर नए निर्गम का आकार कम हो जाएगा।

दुनिया की सबसे महंगी कार, मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की सालाना सैलरी भी पड़ जाएगी कम

▶▶ रोल्स-रॉयस द ब्लैक रोज़ ड्रॉपटेल की कीमत करीब 250 करोड़ रुपये है

▶▶ इसकी कीमत अंबानी और अडानी की सालाना सैलरी से कहीं ज्यादा है

नई दिल्ली, एजेंसी। इन दिनों कार बनाने बनाने वाली कंपनियां एक से एक महंगी कार लॉन्च कर रही हैं। इनकी कीमत 2, 4 या 5, 6 करोड़ रुपये तक होती है। क्या आपको पता है कि दुनिया की सबसे महंगी कार कौन सी है? यह कार लग्जरी कार निर्माता कंपनी रोल्स-रॉयस की है। इस कार का पूरा नाम रोल्स-रॉयस द ब्लैक रोज़ ड्रॉपटेल है। इस कार की कीमत इतनी है कि देश के दो टॉप अमीर मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की सालाना सैलरी भी काफी कम पड़ जाएगी।

फोर्ब्स के मुताबिक इस कार की कीमत करीब 250 करोड़ रुपये है। वहीं रिलायंस

इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी कोरोना तक 15 करोड़ रुपये सालाना सैलरी ले रहे थे। कोरोना के समय से उन्होंने सैलरी के तौर पर एक रुपया भी नहीं लिया है। वहीं अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना सैलरी 9 करोड़ रुपये रही है। अगर मान लें कि अंबानी अभी भी अपनी सालाना सैलरी 15 करोड़ रुपये ले रहे होते तो अंबानी और अडानी दोनों की कुल सालाना सैलरी 23 करोड़ रुपये होती। ऐसे में भी कार की कीमत दोनों की कुल सैलरी से 10 गुने से ज्यादा है।

क्या खास है इस कार में?

यह टू-सीटर कार है और इसे पिछले साल अगस्त में लॉन्च किया गया था। यह फुल साइज अल्ट्रा लग्जरी कार है। इसमें एक ट्विन-टर्बोचार्ज्ड 6.75-लीटर वी-12 इंजन दिया गया है। यह इंजन 5250 आरपीएम पर 563 बीएचपी का पावर और 1500 आरपीएम पर 820 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इससे कार सिर्फ 4.8 सेकंड में 0 से 97 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है और इसकी अधिकतम स्पीड 200 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाती है।

अंबानी परिवार के पास ऐसा है कारों का कलेक्शन

मुकेश अंबानी परिवार के पास बड़े-बड़े ब्रांड की कई गाड़ियां हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुकेश अंबानी के पास फेरारी, मर्सिडीज बेंज, रोल्स-रॉयस, बीएमडब्ल्यू आदि की कारें मौजूद हैं। मुकेश अंबानी जिस कार की सवारी करना पसंद करते हैं, उसका नाम मर्सिडीज-मेबैक बेंज एस660 गार्ड है। यह कार एडिशनल प्रोटेक्शन के साथ आती है। इस कार पर गोलियों का असर नहीं होता। इसकी कीमत करीब 11 करोड़ रुपये है। कुछ समय पहले ही मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी ने रोल्स-रॉयस की पैंथम कार खरीदी थी। इसकी कीमत 12 करोड़ रुपये बताई गई है। अडानी भी कारों के काफी शौकीन हैं। उनके पास दुनिया की महंगी और ब्रांडेड कारों का कलेक्शन है। इसमें बीएमडब्ल्यू सीरीज से लेकर मर्सिडीज, फेरारी और लिमोजिन जैसी गाड़ियां शामिल हैं। गौतम अडानी की पसंदीदा कारों में रोल्स रॉयस घोस्ट भी शामिल है। यह कार काफी प्रीमियम और लग्जरी है। इसे करीब 7 करोड़ रुपये में खरीदा गया था।

45 तक जाएगा रिलायंस पावर का शेयर, अनिल अंबानी की है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की अगुवाई वाली कंपनियों के शेयर शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे। रिलायंस पावर का शेयर एनएसई पर पांच प्रतिशत गिरकर 34.48 रुपये पर आ गए और बीएसई पर 34.45 रुपये पर बंद हुआ था। शेयरों में इस गिरावट के पीछे सेबी का बड़ा एक्शन है। दरअसल, बाजार नियामक सेबी ने उद्योगपति अनिल अंबानी तथा रिलायंस होम फाइनेंस के पूर्व प्रमुख अधिकारियों समेत 24 अन्य को कंपनी से धन के हेर-फेर के मामले में प्रतिभूति बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। इसके बाद ही उनकी कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई।

सेबी ने शुक्रवार को उद्योगपति अनिल अंबानी, आरएचएफएल के पूर्व प्रमुख अधिकारियों सहित 24 अन्य को कंपनी से धन के हेर-फेर के लिए प्रतिभूति बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी ने अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया और उन्हें पांच साल की अवधि के लिए प्रतिभूति बाजार से जुड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसमें किसी भी सूचीबद्ध कंपनी या बाजार नियामक के साथ पंजीकृत किसी भी इकाई में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) के रूप में शामिल होना शामिल है। इसके अलावा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने रिलायंस होम फाइनेंस (आरएचएफएल) को प्रतिभूति बाजार से छह महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया और उसपर छह लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्रतिबंधित 24 इकाइयों में आरएचएफएल के पूर्व प्रमुख अधिकारी अमित बापना, रवींद्र सुधालकर और पिंकेश आर. शाह शामिल हैं। अंबानी पर 25 करोड़ रुपये, बापना पर 27 करोड़ रुपये, सुधालकर पर 26 करोड़ रुपये और शाह पर 21 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। तकनीकी मोर्चे पर काउंटर पर अल्पावधि समर्थन 35 रुपये पर देखा जा सकता है, इसके बाद 32 रुपये और 30 रुपये का स्तर देखा जा सकता है। एनालिस्ट ने सुझाव दिया कि रिलायंस पावर के स्टॉक में निकट अवधि में 45 रुपये के टारगेट प्राइस तक पहुंचने की क्षमता है।

खेल की सीमाओं से परे

पैरालंपिक टेबल टेनिस में कैसे होता है खिलाड़ीयों का वर्गीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। पैरालंपिक गेम्स सिर्फ एक खेल नहीं है, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति, अथक प्रयास और मानवीय भावनाओं का एक अद्भुत मिश्रण हैं। 28 सितंबर से पेरिस में शुरू होने जा रहे पैरालंपिक खेलों में टेबल टेनिस भी एक प्रमुख इवेंट के तौर पर खेला जाएगा। टेबल टेनिस 1960 के रोम पैरालंपिक में अपनी शुरुआत के बाद से लगातार विकसित होता रहा है, और आज दुनिया भर के लाखों लोगों को प्रेरित करता है। यह जानकर हैरानी होगी कि पैरालंपिक टेबल टेनिस का इतिहास ओलंपिक टेबल टेनिस से भी पुराना है। टेबल टेनिस ओलंपिक में 1988 में ही आया था। आज, टेबल टेनिस पैरालंपिक खेलों में तीसरा सबसे बड़ा खेल है। दुनिया भर के 100 से अधिक देशों में 40 मिलियन से अधिक खिलाड़ी इस खेल से जुड़े हुए हैं। ये खिलाड़ी पैरालंपिक जैसे मेगा इवेंट में अपनी शारीरिक सीमाओं को पार करते हैं।

आपको यह जानकर भी हैरानी हो सकती है कि भारत, जो ओलंपिक में एक भी टेबल टेनिस पदक नहीं जीत पाया है, वह पैरालंपिक टेबल टेनिस में जीत चुका है। टोक्यो पैरालंपिक में भारत की भवीना पटेल ने इस इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था। शुरुआत में केवल व्हीलचेयर एथलीटों के लिए सीमित पैरा टेबल टेनिस, आज विभिन्न प्रकार के शारीरिक इम्पेयरमेंट वाले एथलीटों का मंच बन चुका है। इन एथलीटों को उनकी क्षमताओं के आधार पर 11 वर्गों में बांटा गया है।

पैरालंपिक टेबल टेनिस के नियम ओलंपिक टेबल टेनिस से मिलते-जुलते हैं, लेकिन कुछ बदलावों के साथ। यहां खिलाड़ी अपने इम्पेयरमेंट के अनुसार कुछ टूल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन एक बात हमेशा समान रहती है - खेल भावना। और यही पर वर्गीकरण सभी टेबल टेनिस खिलाड़ियों को उनके शारीरिक इम्पेयरमेंट के हिसाब से एक समान अवसर का मंच प्रदान करता है। टेबल टेनिस के 11 वर्ग हैं। पांच वर्ग सीटिंग के हैं और छह वर्ग स्टैंडिंग के। यहां भी खिलाड़ी की क्लास बताने के लिए अक्षर और नंबर इस्तेमाल होते हैं। जैसे टीटी अक्षर टेबल टेनिस को इंगित करता है।

टीटी11 बौद्धिक इम्पेयरमेंट से जूझ रहे खिलाड़ियों के लिए है।

जैसा कि बताया गया है कि पैरालंपिक टेबल टेनिस के नियम ओलंपिक टेबल टेनिस जैसे ही होते हैं। लेकिन खिलाड़ियों की इम्पेयरमेंट के हिसाब से स्वाभाविक तौर पर नियमों में कुछ लचीलापन है। जैसे जो खिलाड़ी पैडल को मजबूती से नहीं पकड़ सकते हैं, वे बैट को अपने हाथ से बांध सकते हैं या बैट और हाथ को जोड़ने के लिए इलास्टिक बैंड का उपयोग कर सकते हैं। नियमों के अनुसार, कुछ स्टैंडिंग खिलाड़ी विशेष रूप से वर्ग 6 से 8 में छड़ी या बैसाखी का उपयोग कर सकते हैं।

टोक्यो पैरालंपिक में भारत की भवीना पटेल ने क्लास 4 कैटेगरी में महिला सिंगल्स इवेंट में सिल्वर मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया था। इस बार भवीना पटेल के अलावा सोनलबेन पटेल भी पैरा टेबल टेनिस में भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगी।

जैसा की आमतौर पर पैरालंपिक में होता है कि कम नंबर बड़े इम्पेयरमेंट को व्यक्त करता है। यहां नंबर एक शारीरिक तौर पर सर्वाधिक चुनौती से जूझ रहे एथलीटों के लिए है और 5 सबसे कम वाले एथलीटों के लिए। इसलिए टेबल टेनिस में टीटी1 से टीटी5 तक के वर्ग व्हीलचेयर वर्ग हैं। टीटी6 से टीटी10 तक स्टैंडिंग वर्ग हैं, जहां 6 सर्वाधिक इम्पेयरमेंट वाले एथलीटों का वर्ग है और 10 सबसे कम इम्पेयरमेंट वाले एथलीटों का।

शिखर धवन के बाद अब ये 11 खिलाड़ी भी ले सकते हैं संन्यास

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टार भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन ने 24 अगस्त (शनिवार) को इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था. धवन ने एक वीडियो पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी. धवन ने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन व्हाइट बॉल में उनका रिकॉर्ड काफी शानदार रहा. 38 वर्षीय धवन साल 2013 में चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं. धवन के रिटायरमेंट के बाद अब कुछ और भारतीय क्रिकेटर आने वाले समय में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं. इन खिलाड़ियों को काफी समय से मौके नहीं मिले हैं और फ्यूचर में भी ऐसा होने की संभावना नहीं है. वैसे भी युवाओं को तवज्जो मिलने के चलते ऐसे खिलाड़ियों के लिए नेशनल टीम में वापसी बेहद मुश्किल है. इस लिस्ट में एक वर्ल्ड चैम्पियन खिलाड़ी भी शामिल है, जिसने 2011 के क्रिकेट वर्ल्ड कप में भाग लिया था.

पीयूष चावला

35 साल के पीयूष चावला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2011 में भारतीय टीम का पार्ट रहे थे. पीयूष आखिरी बार दिसंबर 2012 में भारत के लिए खेलते दिखे थे. दाएं हाथ के स्पिनर पीयूष ने भारत की ओर से तीन टेस्ट, 25 वनडे और 7 टी20 मैच खेले हैं. उनके नाम सात टेस्ट, 32 वनडे और 4 टी20 इंटरनेशनल विकेट दर्ज हैं. पीयूष ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया था.

ऋद्धिमान साहा

महेंद्र सिंह धोनी के टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद ऋद्धिमान साहा को बतौर विकेटकीपर काफी मौके मिले थे. हालांकि बाद में साहा का करियर ढलान की ओर चला गया. ऋद्धिमान साहा ने आखिरी बार साल 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला खेला था. 40 टेस्ट और 9 वनडे इंटरनेशनल खेल चुके ऋद्धिमान साहा 39 साल के हो चुके हैं. केएस भरत, ईशान किशन, ध्रुव जुरेल और ऋषभ पंत के रहते साहा के लिए टीम

नेशनल टीम में वापसी संभव नहीं

में वापसी के दरवाजे पूरी तरह बंद हो गए हैं.

ईशांत शर्मा

एक समय तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम के अहम सदस्य हुआ करते थे, लेकिन अब उनका

करियर एक तरह से समाप्त हो चुका है. ईशांत शर्मा ने भारत के लिए 105 टेस्ट, 80 वनडे और 14 टी20 मुकाबले खेले हैं. ईशांत ने टेस्ट में 311, वनडे इंटरनेशनल में 115 और टी20 इंटरनेशनल में 8 विकेट चटकाए. नवंबर 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच खेला था. 35 साल के ईशांत शर्मा की शायद ही वापसी हो क्योंकि भारतीय टीम अब युवा तेज गेंदबाजों को मौके दे रही है.

अमित मिश्रा

दाएं हाथ के लेगब्रेक बॉलर अमित मिश्रा ने भी अभी तक आधिकारिक तौर पर इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा नहीं की है. अमित ने आखिरी बार 2017 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था, जब वो इंग्लैंड के खिलाफ टी20 मैच में उतरे. 41 वर्षीय अमित ने भारत के लिए 22 टेस्ट, 36 वनडे और 10 टी20 मैच खेले. इस दौरान उन्होंने 156 विकेट चटकाए है. आईपीएल 2024 में अमित लखनऊ सुपर जायंट्स (स्स्त्र) के लिए खेले थे.

करुण नायर

टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए वीरेंद्र सहवाग के अलावा सिर्फ करुण नायर ने तिहरा शतक बनाया हुआ है. हालांकि उस ट्रिपल सेंचुरी के बाद 31 साल के करुण नायर का ग्राफ ऊपर बढ़ने के बजाय गिरता चला गया. आखिरी बार करुण नायर ने साल 2017 में भारत के लिए कोई मुकाबला खेला. करुण अब घरेलू क्रिकेट भी काफी कम खेल रहे हैं, ऐसे में उनकी वापसी काफी मुश्किल है. करुण ने भारत के लिए छह टेस्ट और दो वनडे मैच खेले हैं.

मनीष पांडे

मडिल ऑर्डर बल्लेबाज मनीष पांडे की कहानी भी करुण नायर की तरह ही है. 34 साल के मनीष पांडे को जितने मौके मिले, उसे वह ठीक से भुना नहीं पाए. पांडे ने भारत के लिए 29 टेस्ट और 39 टी20 मैच खेले. इस दौरान उन्होंने वनडे इंटरनेशनल में 566 और टी20 इंटरनेशनल में 709 रन बनाए. पांडे ने भारत के लिए अपना आखिरी मैच जुलाई 2021 में खेला था.

ऋषि धवन

हिमाचल प्रदेश के ऑलराउंडर ऋषि धवन भी इंटरनेशनल लेवल पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं. ऋषि भारत के लिए तीन वनडे एवं एक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेल चुके हैं. इस दौरान उन्होंने ओडीआई और टी20 इंटरनेशनल दोनों में ही 1-1 विकेट लिए. 34 साल के ऋषि आखिरी बार जून 2016 में भारत के लिए खेले थे.

मोहित शर्मा

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहित शर्मा ने अपने करियर में भारतीय टीम के लिए 26 वनडे और 8 टी20 इंटरनेशनल मैचों में भाग लिया है. इस दौरान एकदिवसीय प्रारूप में उन्होंने 31 विकेट लिए. वहीं टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 6 खिलाड़ियों को अपना शिकार बनाया. 35 साल के मोहित ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साल 2015 में खेला था. अब उन्हें चांस मिलना मुश्किल है. मोहित आईपीएल में गुजरात टाइटन्स (त्त्ञ) के लिए खेलते हैं.

उमेश यादव

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज उमेश यादव काफी महीनों से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. उमेश ने भारत के लिए अपना पिछला मुकाबला पिछले साल जून में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था. 36 साल के उमेश ने अब तक भारत के लिए 57 टेस्ट, 75 वनडे और नौ टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं. टेस्ट मैचों में उमेश ने 30.95 की औसत से 170 विकेट चटकाए हैं. इसके अलावा उमेश ने वनडे इंटरनेशनल में 106 और टी20 इंटरनेशनल में 12 विकेट लिए.

भुवनेश्वर कुमार

तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार लगभग दो सालों से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं. भुवी भारत के लिए आखिरी बार वह नवंबर 2022 में खेलते दिखे थे. वैसे भी भारत के लिए 2013 में पदार्पण करने के बाद भुवनेश्वर लगातार चोटों से जूझते रहे हैं. 34 साल के भुवी ने महज 21 टेस्ट, 121 वनडे और 87 टी20 मैच खेले हैं. उन्होंने इस दौरान 294 विकेट लिए. भारकीय तेज गेंदबाजी यूनिट में युवा गेंदबाजों के आने से शायद ही उन्हें आगे मौका मिले.

जयंत यादव

दाएं हाथ के स्पिनर जयंत यादव को भी भारत के लिए खेलने का चांस मिला. जयंत ने भारत के लिए 6 टेस्ट और दो वनडे मैच खेले. जयंत ने टेस्ट क्रिकेट में 16 विकेट लेने के अलावा 248 रन बनाए. वहीं वनडे इंटरनेशनल में उन्होंने 2 विकेट लिए. 34 साल के जयंत आखिरी बार मार्च 2022 में भारत के लिए खेले थे ।

बैडमिंटन

भारत की तन्वी ने किया गौरवान्वित, बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अंडर –15 महिला एकल खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की जूनियर बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पात्री ने रविवार को चीन में आयोजित बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप में अंडर-15 महिला एकल का खिताब जीत लिया। फाइनल में तन्वी ने वियतनाम की दूसरी वरीयता प्राप्त गुयेन थी थू ह्यूगेन को हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

9 विकेट लेकर मचाया हड़कंप, टीम को जिताया टी-20 मैच, भारतीय क्रिकेट में आया एक और प्रभाकर

नईदिल्ली, एजेंसी। 90 के दशक में मनोज प्रभाकर टीम इंडिया के स्ट्राइक गेंदबाज थे. और, अब एक और प्रभाकर ने भारतीय क्रिकेट में दस्तक दे दी है. 25 साल के अभिषेक प्रभाकर ने 9 विकेट लेकर महाराजा टी-20 ट्रॉफी में खलबली मचा दी है. वो अपनी टीम के लिए हीरो साबित हो रहे हैं. और, ये सब उनकी गेंदबाजी के कमाल की बदौलत मुमकिन हो रहा है. अभिषेक प्रभाकर ने महाराजा टी-20 ट्रॉफी में 9 विकेट लेने के 75 रन खर्च किए हैं.

4 दिन के अंदर 3 मैच और 9 विकेट – अब आप सोच रहे होंगे कि 20 ओवर का टी-20 मैच, जिसमें हरेक गेंदबाज के कोटे में सिर्फ 4 ओवर होता है. ऐसे में अभिषेक प्रभाकर के लिए 9 विकेट ले पाना मुमकिन हुआ कैसे? तो अभिषेक प्रभाकर ने 9 विकेट एक मैच में नहीं बल्कि 4 दिन के अंदर खेले 3 मैचों को मिलाकर हासिल किए हैं. और, जिसमें उनका बेस्ट प्रदर्शन 4 ओवर में 21 रन पर 5 विकेट झटकने का है. अभिषेक प्रभाकर ने ये मैच 24 अगस्त की शाम मैसुरू वॉरियर्स के खिलाफ खेला था.

मैसुरू वॉरियर्स के खिलाफ झटके 21 रन पर 5 विकेट – अभिषेक प्रभाकर की कहर बरपाती गेंदबाजी की बदौलत उनकी टीम गुलबर्ग मिस्टिक्स ने 7 गेंद पहले ही मुकाबला 5 विकेट से जीत लिया. मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए मैसुरू वॉरियर्स ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 154 रन बनाए. मैसुरू वॉरियर्स के 9 में से 5 विकेट अकेले अभिषेक प्रभाकर ने लिए, जिसके बाद उनकी टीम गुलबर्ग मिस्टिक्स ने 155 रन के लक्ष्य को 18.5 ओवर में ही 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया.

9 विकेट 2 मैचों में रहे जीत के हीरो – 24 अगस्त को मैसुरू वॉरियर्स के खिलाफ झटके 5 विकेट से पहले अभिषेक प्रभाकर ने 23 अगस्त को मैंगलोर ड्रैगन्स के खिलाफ 1 विकेट और 21 अगस्त को शिवामोगा लायंस के खिलाफ 3 विकेट झटके थे।

रेसलिंगः

भारत की अंडर-17 महिला कुश्ती टीम जॉर्डन के अम्मान में फंसी, छूट गई थी फ्लाइट, जानें मामला

अम्मान, एजेंसी। अम्मान में भारतीय दल के एक सूत्र ने कहा, 'युवा महिला पहलवानों की उड़ान छूट गई। इस बात को लेकर काफी भ्रम है कि आखिर हुआ क्या था। युवा पहलवानों के लिए अलग उड़ान बुक नहीं की जानी चाहिए थी।

भारत की अंडर-17 महिला कुश्ती टीम विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद स्वदेश वापसी की उड़ान छूटने के कारण शनिवार को जॉर्डन के अम्मान में क्वीन आलिया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंस गई। नौ महिला पहलवानों और तीन कोच को शनिवार शाम को भारत वापस लौटना था, लेकिन उनकी अलग-अलग उड़ानों में बुकिंग हो गई थी। कोच जय भगवान, शिल्पी श्योराण और रेखा रानी को दुबई में रुकने वाली एमिरेट्स उड़ान में सवार होना था जबकि युवा पहलवानों की बुकिंग कतर एयरवेज में हुई थी। कोच की उड़ान (ईके904) को शाम 6:10 बजे अम्मान से रवाना होना था और रात 10:10 बजे दुबई पहुंचना था। वहां से उन्हें सुबह 3:55 बजे दूसरे विमान में सवार होकर सुबह 9:05 बजे दिल्ली आना था। पहलवानों की उड़ान (क्यूआर401) को रात 8:30 बजे रवाना होकर रात 11:10 बजे दोहा पहुंचना था, लेकिन उड़ान की स्थिति के अनुसार, यह शाम 6:18 बजे रवाना हुई। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उड़ान का समय बदला गया था या नहीं।

अम्मान में भारतीय दल के एक सूत्र ने कहा, 'युवा महिला पहलवानों की उड़ान छूट गई। इस बात को लेकर काफी भ्रम है कि आखिर हुआ क्या था। युवा पहलवानों के लिए अलग उड़ान बुक नहीं की जानी चाहिए थी। भारतीय खेल प्राधिकरण को उनके लिए एक ही उड़ान बुक करनी चाहिए थी। वे सभी छोटी हैं।' एक सूत्र ने कहा, 'आदर्श रूप से कम से कम एक कोच को युवा पहलवानों के साथ जाना चाहिए था। अब उन्हें पहली उपलब्ध उड़ान से लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।' संपर्क करने पर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के एक अधिकारी ने कहा कि पहलवानों को पहली उपलब्ध उड़ान से स्वदेश वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत पेरिस पैरालंपिक में 25 से अधिक पदक जीतेगा : देवेन्द्र झाझरिया

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो पैरालंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद, भारत अपने प्रदर्शन को बेहतर करने का लक्ष्य बना रहा है क्योंकि देश आगामी पेरिस पैरालंपिक के लिए अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेज रहा है। इस बार मेगा इवेंट में 84 पैरा-एथलीटों के भाग लेने के साथ, भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया को भरोसा है कि भारत पिछले संस्करण की पदक तालिका को पार कर जाएगा। तीन पैरालंपिक पदक और विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कई प्रशंसाओं के साथ, झाझरिया इस भूमिका में अनुभव और प्रेरणा का खजाना लेकर आए हैं। आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में, झाझरिया ने भारत की बढ़ी हुई तैयारियों, एथलीटों को आगे बढ़ाने वाली सहायता प्रणाली और आगामी खेलों से अपनी उम्मीदों के बारे में जानकारी साझा की। झाझरिया भारतीय पैरा-एथलीटों के बेहतर प्रदर्शन और तैयारियों का श्रेय सरकार के उच्चतम स्तर के अटूट समर्थन और मजबूत खेल विकास कार्यक्रमों को देते हैं।

पिछले तीन वर्षों में हमारे एथलीटों की तैयारी और उनकी कड़ी मेहनत को देखते हुए, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इस बार हम 25 से अधिक पदक जीतेंगे। एथलीट अपनी योजनाओं के अनुसार लगन से प्रशिक्षण ले रहे हैं, और उनके प्रयास स्पष्ट हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदान किए गए समर्थन और प्रेरणा ने पैरा-एथलीटों को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा,÷इसके अलावा, खेलो इंडिया गेम्स और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) जैसी सरकारी योजनाएं महत्वपूर्ण रही हैं। हमारे कई खिलाड़ी टॉप्स के तहत तैयारी कर रहे हैं, जिससे उन्हें आवश्यक संसाधन और प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध हुए हैं।

युवराज सिंह दिल्ली कैपिटल्स के कोच बन सकते हैं

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह की इंडियन प्रीमियर लीग में 5 साल बाद वापसी हो सकती है। लेकिन, उनका रोल बदलेगा। वे दिल्ली कैपिटल्स के कोच बनाए जा सकते हैं। स्पोर्ट्स स्टार ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि दिल्ली की फ्रेंचाइजी ने युवराज से कोच बनने के लिए संपर्क किया है। फिलहाल, बातचीत जारी है। कोच की पोस्टे वाले रिकी पोंटिंग ने भी इस बात के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि फ्रेंचाइजी मुख्य कोच की भूमिका के लिए किसी पूर्व भारतीय क्रिकेटर की तलाश कर रही है।

त्त्ञ के कोच बनने की भी अटकलें थीं – पिछले महीने युवराज के गुजरात टाइटंस का कोच बनने की खबरें आई थी। इस मामले में ताजा जानकारी है कि नेहरा गुजरात के हेड कोच बने रह सकते हैं।

गुजरात की टीम बैटिंग कोच गैरी कर्स्टन की जगह किसी भारतीय कोच तलाश रही है। कर्स्टन गुजरात की टीम को छोड़कर पाकिस्तान की नेशनल टीम के कोच बन गए हैं।

रिकी पोंटिंग ने पिछले महीने छोड़ा था पद – पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने पिछले महीने दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच का पद छोड दिया था। वे पिछले 7 सीजन से दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े थे। दिल्ली की टीम पिछले तीन सीजन से प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है।

युवी का डेब्यू असाइनमेंट, 2019 में संन्यास लिया था – यदि युवराज सिंह दिल्ली के कोच बन जाते हैं, तो यह उनका बतौर कोच डेब्यू असाइनमेंट होगा। युवी ने 2008 से 2019 तक आईपीएल खेला था। 2019 के अपने आखिरी सीजन में वे मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे। इस सीजन में एमआई ने सीएसके को हराते हुए चौथा टाइटल जीता था। युवी 12 साल के आईपीएल करियर में पंजाब किंग्स, पुणे वॉरियर्स इंडिया, दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा रहे हैं।

संजू सैमसन आईपीएल 2025 में सीएसके से खेलते आएंगे नजर?

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं. अब तक कई बड़े खिलाड़ियों के दूसरी टीमों में जाने की खबर आ चुकी है. ताजा रिपोर्ट और भी ज्यादा हैरान करने वाली है. अब खबर आई है कि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन आगामी सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स लिए खेलते दिख सकते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई सुपर किंग्स संजू सैमसन को अपनी टीम में लेना चाहती है. रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि चेन्नई काफी पहले से सैमसन को टीम में लाना चाहती है. हालांकि, चेन्नई ट्रेड के जरिए ही सैमसन को अपनी टीम में शामिल कर सकती है.

राजस्थान रॉयल्स ने मांगा यह प्लेयर – रिपोर्ट के मुताबिक, राजस्थान रॉयल्स ने संजू सैमसन के बदले शिवम दुबे मांगा है. बताया जा रहा है कि राजस्थान रॉयल्स सिर्फ पैसों के लिए चेन्नई से डील नहीं करना चाहती है. राजस्थान ने सैमसन के बदले शिवम दुबे की मांग की है. अब देखना दिलचस्प होगा कि चेन्नई और राजस्थान के बीच यह डील होती है या नहीं. खैर, आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अभी तक आईपीएल 2025 को लेकर जितनी भी खबरे आ रही हैं. वो चाहे किसी खिलाडी को रिलीज करने की हो, या किसी खिलाड़ी को ट्रेड करने की, सभी खबरें मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों के हवाले से ही आई हैं. अभी तक किसी फ्रेंचाइजी या खिलाड़ी या आईपीएल ने ऐसा कोई बयान जारी नहीं किया है. आईपीएल 2025 से पहले मेगा ऑक्शन का आयोजन होना है. मेगा ऑक्शन में पहले टीमें सिर्फ चार खिलाड़ी ही रिटेन कर सकती थीं. हालांकि, खबर है कि अब आईपीएल ने टीमों को छह खिलाड़ी रिटेन करने की अनुमति दी है. अभी तक इस पर भी आईपीएल गर्वनिंग काउंसिल या बीसीसीआई ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है ।

एक बार फिर जिम जाने पर विचार कर रही हैं परिणीति

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा, जिन्होंने स्ट्रीमिंग बायोपिक अमर सिंह चमकीला में अपने काम के लिए काफी सराहना बटोरी है, एक बार फिर जिम जाने पर विचार कर रही हैं। पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखने वाली परिणीति खाने की बहुत शौकीन हैं और उन्हें जायकेदार और मसालों से भरपूर खाना पसंद है।

अभिनेत्री ने मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल में पढ़ाई के दौरान अपना काफी समय ब्रिटेन में बिताया। उन्हें यूनिवर्सिटी से बिजनेस, फाइनेंस और इकोनॉमिक्स में ट्रिपल ऑनर्स की डिग्री मिली थी। यूके में अपनी पढ़ाई के दौरान परिणीति अक्सर पिज्जा का लुत्फ उठाती थी, लेकिन जब उन्हें एक्टिंग शौंक लगा तो उन्होंने इसे छोड़ दिया। 2013 में राजस्थान में अपनी फिल्म शुद्ध देसी रोमांस की शूटिंग के दौरान अभिनेत्री ने गट्टे की सब्जी और लाल मांस जैसे स्थानीय भोजन के प्रति अपने पसंद के बारे में बात की थी।

अमर सिंह चमकीला के बाद परिणीति अपने खाली समय और वैवाहिक आनंद का आनंद ले रही हैं, जिसमें उन्होंने पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ के साथ उनकी पत्नी की भूमिका निभाई थी। परिणीति को आखिरी बार अमर सिंह चमकीला में देखा गया था, जहां उन्होंने पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ के साथ स्क्रीन साझा की थी और चमकीला की पत्नी अमरजोत कौर की भूमिका निभाई थी।

बंगाली अभिनेत्री श्रीलेखा मित्रा ने लगाया निर्देशक पर का आरोप

बंगाली अभिनेत्री श्रीलेखा मित्रा ने मलयालम फिल्म निर्देशक रंजीत पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। उन्होंने अपनी और रंजीत की पुरानी मुलाकात का किस्सा भी साझा किया है। जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट सामने के बाद से सिनेमा जगत में हल्ला मचा हुआ है। इस रिपोर्ट ने मलयालम सिनेमा में महिलाओं के उत्पीड़न और शोषण के मामलों का खुलासा किया है, जिसके बाद से कई कलाकार निशाने पर आ गए हैं। अब इस मामले में एक बंगाली अभिनेत्री श्रीलेखा मित्रा ने भी मलयालम फिल्म निर्देशक रंजीत पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है।

रंजीत ने खारिज किए श्रीलेखा के आरोप

मित्रा ने बात करते हुए कहा कि उन्होंने एक फिल्म के सिलसिले में रंजीत से उनके घर पर मुलाकात की थी, जहां उन्हें निर्देशक का बर्ताव ठीक नहीं लगा था। मित्रा ने बताया कि फिल्म की कहानी पर रंजीत से बात करते हुए उन्हें असहज महसूस हुआ था। वहीं, श्रीलेखा के इन आरोपों को रंजीत ने सिरे से खारिज कर दिया है।

मित्रा ने कर दिया था फिल्म में काम करने से मना

श्रीलेखा ने कहा कि रंजीत के इस व्यवहार के बाद उन्होंने फिल्म का हिस्सा बनने से मना कर दिया था और कोलकाता लौट आई थीं। रंजीत ने बाकी अभिनेत्रियों के साथ भी ऐसा ही बर्ताव किया है या फिर नहीं और ऐसा कुछ हुआ है तो उन्हीं अभिनेत्रियों पर निर्भर करता है कि वो इस पर बोलना चाहती हैं या नहीं।

दक्षिण में बेहतर प्रदर्शन करने में सफल हुई किलः राघव जुयाल

अभिनेता और डांसर राघव जुयाल ने हाल ही में निर्माता करण जौहर और गुनीत मोंगा द्वारा निर्मित खूनी एक्शन फिल्म किल में अभिनय किया। राघव ने एक नए साक्षात्कार में उत्तरी और दक्षिणी बाजारों में इसके स्वागत के बारे में खुलकर बात की। अभिनेता ने कहा कि फिल्म ने दक्षिण में बेहतर प्रदर्शन किया। यूट्यूब चैनल डिजिटल कमेंट्री से बात करते हुए, राघव ने कहा, साउथ में किल का स्वागत उत्तर की तुलना में बेहतर रहा है। हमारे शहरों में लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फिल्मों का बहिष्कार करने में व्यस्त हैं। लेकिन वे फिल्म देखने के लिए अपने घरों से बाहर नहीं निकलते हैं। जब यह आखिरकार रिलीज होगी। आप अपनी राय साझा कर सकते हैं, लेकिन कम से कम पहले फिल्म तो देखिए। अब, दक्षिण में, खासकर मलयालम सिनेमा में, वे किस तरह की फिल्में बनाते हैं, देखें, चाहे वह आवेश हो या मंजुम्मेल बॉयज। जुयाल ने कहा, किल को रिलीज हुए एक महीने से यादा हो गया है, लेकिन साउथ में लोग अभी भी इसे देख रहे हैं। यह अभी भी सिनेमाघरों में चल रही है। अमिताभ बचन, प्रभास, दीपिका पादुकोण, कमल हासन और अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारों ने अपनी फिल्में रिलीज की थीं।

जब सलमान को लगता था

टिकट खिड़की पर भीड़ जुटाना उनके बूते का नहीं

सलमान खान वर्तमान में बॉलीवुड के सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद सुपरस्टार्स में से एक हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब अभिनेता का आत्मविश्वास हिला हुआ था। ये उस दौर की बात है जब 'मैंने प्यार किया' बन रही थी। सलमान एक बड़ी फिल्म में काम करने का सोचकर ही घबरा जाते थे। उनका आत्मविश्वासी डगमगाया हुआ था। यही वजह है कि वो खुद को अपने दोस्तों जैकी श्रॉफ या अनिल कपूर से कमतर मानते थे। जैकी और अनिल 1980 के दशक के बड़े सितारे थे। उन्होंने 'राम लखन', 'कर्मा', 'परिंदा' और अन्य जैसी कई फिल्मों में एक साथ काम किया था। इसलिए सलमान के लिए उन्हें मुख्य कलाकार के रूप में देखना स्वाभाविक था।

एक पुराने इंटरव्यू में सलमान ने मशहूर गाने 'कबूतर जा जा' की शूटिंग के दौरान एक पल को याद किया जिसे सुनकर उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। उन्होंने कहा, मैं लगभग 18 साल का था और 'कबूतर जा जा जा' गाने की शूटिंग के दौरान एक ऐसा पल आया जो वाकई यादगार था तब मुझे अचानक लगा कि यह रोल मेरे लिए ही है।

अभिनेता ने कहा, कई बार नरेशन के दौरान, मैं जैकी श्रॉफ या अनिल कपूर को उन भूमिकाओं में देखता था, लेकिन मैं वास्तव में खुद को कभी बड़ी फ़िल्मों में काम करते हुए नहीं देख सकता था। वह क्षण पहली बार था जब मुझे वास्तव में लगा, हाँ, मैं यह कर सकता हूँ। मेरी आँखों में आँसू थे। बता दें कि मैंने प्यार किया ने सलमान को स्टार के रूप में स्थापित किया। यह मूवी 23 अगस्त को सिनेमाघरों में पुनः रिलीज हुई और लोगों के भीतर पुरानी यादों को फिर से ताजा करा गई।

विंदू दारा सिंह, दीपक तिजोरी और फ़राज खान ने प्रेम की भूमिका के लिए ऑडिशन दिया था।

कश्मीर में शूट होगी अल्फा, मुंया फेम अभिनेत्री शरवरी वाघ को बेसब्री से इंतजार

मुंया फेम अभिनेत्री शरवरी वाघ अल्फा में अहम किरदार अदा करती नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग कश्मीर के कुछ लोकेशन्स पर होगी। एक्ट्रेस शरवरी इसे लेकर खासा उत्साहित हैं।

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने कहा, वह कश्मीर के खूबसूरत इलाकों में शूटिंग करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और आलिया भट्ट अभिनीत आगामी फिल्म 'अल्फा' के लिए यह एक रोमांचक शेड्यूल होगा।

बताया जा रहा है कि अल्फा टीम अपने दूसरे शेड्यूल के लिए कश्मीर जा रही है और फिल्म की शूटिंग 26 अगस्त से कश्मीर घाटी में शुरू होगी। शरवरी ने अपने आगामी प्रोजेक्ट के बारे में बताया, मैं अल्फा के सेट पर जाने के लिए बेताब हूं और कश्मीर में होने वाली वाली शूटिंग का इंतजार कर रही हूं। मैं यही बात सोचकर रोमांचित हूं कि यह शेड्यूल बहुत एक्साइटेड होने वाला है। अल्फा टीम कुछ समय बाद मिलेगी, इसलिए हम सब कश्मीर के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने फिल्म के सेट को लेकर अपनी उत्सुकता का भी इजहार किया। कहा, मैं अल्फा के सेट पर बेहद ऊर्जावान रहती हूं। मैं इस दौरान हर चीज को सीखने और बेहतर बनाने की कोशिश करती हूं। अपने करियर में इतनी जल्दी इस तरह का अवसर हासिल करना वास्तव में मेरे लिए एक आशीर्वाद है। मुझे इस फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हो रही है, इसमें हमारी फिल्म इंडस्ट्री के मेगास्टार्स हैं।

बता दें कि शरवरी हाल ही में हॉरर-कॉमेडी मुंया में नजर आई थीं। इस फिल्म को दर्शकों का काफी प्यार मिला और इसने बॉक्स ऑफिस पर करीब 100 करोड़ रुपए कमाए थे। इसके अलावा वह नेटफ्लिक्स पर रिलीज महाराज और जॉन अब्राहम के साथ वेदा फिल्म में भी नज़र आई थीं।

बढ़ती उम्र का टीवी स्टार आशा नेगी को नहीं मलाल

मशहूर टीवी एक्ट्रेस आशा नेगी ने अपने 35 वें जन्मदिन पर बेबाक राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्र के इस सफर से बेइंतहा प्यार हो गया है।

आशा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पहाड़ों पर जन्मदिन सेलिब्रेट करने की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, मुझे पता है कि उम्रदराज होना डरावना हो सकता है, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो इस बढ़ती हुई उम्र के दौरान मैं खुद को प्यार करने लगी हूं। खुद से मुझे कोई गिला शिकवा नहीं रहा... मुझे जीवन को लेकर स्पष्टता मिली है और समझदारी भी! ये मेरी कल्पना से यादा खूबसूरत है। इसके बाद इस ग्लैमरस अभिनेत्री ने अपने जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए अपने फॉलोअर्स को शुक्रिया कहा। उन्होंने कहा, आप सभी का जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। आप सब ने मुझे बहुत प्यार और दुलार दिया है, मेरे इस खास दिन पर मुझे बहुत खास महसूस करवाया।

अपने जन्मदिन के जश्न पर उन्होंने कहा, मैंने सबसे करीबी और खास लोगों के साथ जन्मदिन वैसे ही मनाया, जैसे मैं मनाना चाहती थी। मुझे नहीं लगता कि इससे भी बेहतर कुछ हो सकता था। मैं अपने इस खास दिन के कुछ पल आपसे शेयर करना चाहती हूं, उम्मीद है कि जल्द ही करूंगी! शायद इसी को ब्लिस बोलते हैं गाइज! अभिनेत्री के इस जन्मदिन पर, उनके कभी प्रेमी रहे ऋत्विक धनजानी ने भी शुभकामनाएं दीं।

धनजानी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में इस खूबसूरत अभिनेत्री की एक ग्लैमरस तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, बप्पा तुझे जीवन की हर खुशी दे दें... जीवन सिर्फ और सिर्फ खुशियों से भरा रहे। जन्मदिन की शुभकामनाएं। दिवंगत बॉलीवुड स्टार सुशांत सिंह राजपूत-स्टारर शो पवित्र रिश्ता के सेट पर ऋत्विक और आशा की पहली मुलाकात हुई थी। दोनों ने एक दूसरे को कई सालों तक डेट करने के बाद 2020 में कोविड महामारी के दौरान ब्रेक-अप की घोषणा कर दी थी।

संगीत जीवन के सबसे रचनात्मक क्षणों का स्रोत हैः अमिताभ बचन

मेगास्टार अमिताभ बचन ने एक ब्लॉग लिखा है। ब्लॉग के जरिए उन्होंने अपने जीवन में संगीत के महत्व को बताया है। उन्होंने कहा कि संगीत उनके जीवन को रचनात्मक बनाने का मुख्य साधन है। अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर लिखा, ... संगीत हमेशा से ही किसी के जीवन में सबसे रचनात्मक क्षणों का स्रोत रहा है और रहेगा। उन्होंने आगे कहा, लोग आगे बढ़ते हैं, जीवन में उतार-चढ़ाव को पार कर आगे बढ़ते हैं, अकेले में भी संगीत तन और मन को शांति देता है। उन्होंने कहा, संगीत आपके मन को कल्पना और उन विशेष पलों के सपनों की दुनिया में ले जाता है, जब उन सपनों की पूर्ति जो इतने जुनून से आपने चाहे थे, आपके सामने आती है, या बल्कि अपने आप में आपके विचारों को पूरा करने या दूर करने के लिए आती है।

बता दें कि अमिताभ बचन वर्तमान में क्विज़ आधारित रियलिटी शो की मेजबानी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने बीएससी में कितने अंक प्राप्त किए थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने केवल 42 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। मेगास्टार ने आगे कहा, साइंस में अछे नंबर आने पर हमने बीएससी कर लिया। मैं जानता भी नहीं था कि बीएससी क्या होता है? मैंने हमेशा सुना था कि विज्ञान में बहुत संभावनाएं हैं। मात्र 45 साल में इसने सब कुछ बदल दिया। अमिताभ ने 1962 में विज्ञान स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने कहा, पहली बार मैं फेल हो गया, फिर जब मैंने बड़ी मुश्किल से प्रयास किया तो 42 प्रतिशत अंक आए।

इमरजेंसी बनाते वक्त कंगना के साथ हुई थी साजिश

अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रणौत अक्सर अपने बेबाक बयानों के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं। मुखर अभिनेत्री कंगना रणौत अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में एक बातचीत में,

अभिनेत्री ने खुलासा किया कि लोग अभिनेताओं को बुलाकर कहते थे कि वे इमरजेंसी में उनके साथ काम न करें। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने और क्या कहा है। हाल ही में अभिनेत्री ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में उनके खिलाफ एक साजिश चल रही थी और इसने उनकी फिल्म के निर्माण को प्रभावित किया।

अपने हालिया साक्षात्कारों में से एक में, अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि कई कास्टिंग निर्देशकों, सिनेमैटोग्राफरों और अभिनेताओं ने उनके साथ काम करने से इनकार कर दिया। कंगना ने कहा कि उनके खिलाफ बहुत साजिश रची गई थी, जिसमें लोग दूसरे एक्टर्स को पहले से ही फोन करके उनके साथ काम न करने की हिदायत दे रहे थे।

मीना कुमारी की भूमिका निभाने चाहती है रसिका दुग्गल

मिर्जापुर वेब सीरीज में बीना त्रिपाठी के किरदार में नजर आई रसिका दुग्गल ने मीना कुमारी की भूमिका निभाने की इछा जताई है। एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने कहा कि वह दिवंगत स्टार मीना कुमारी की जिंदगी को बड़े पर्दे पर निभाना चाहती हैं। रसिका ने बातचीत में कहा, मैंने बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाई है, क्योंकि ऐसा किरदार निभाना एक दिलचस्प है। आप किसी ऐसे व्यक्ति के किरदार को कैसे निभा सकते हैं, जिसके बारे में हर कोई पहले से ही बहुत कुछ जानता हो और जिनकी एक अलग पहचान भी हो।

उन्होंने कहा कि मीना कुमारी के अलावा अमृता प्रीतम के किरदार को निभाने में भी उन्हें रुचि है। लंबे समय से इछा रही है। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे उम्मीद है कि कोई मुझे कास्ट करेगा। लेकिन, अगर मीना कुमारी के किरदार में कोई अभिनेत्री होती तो मुझे लगता है कि वह मैं होती। अभिनेत्री को हाल ही में मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव के 15वें संस्करण में पुरस्कृत किया गया।

रसिका दुग्गल ने पुरस्कार के बारे में बात करते हुए कहा, एक एक्टर के रूप में हमें अपने करियर के दौरान कुछ मुश्किल विकल्पों को चुनना पड़ता है। कोई भी व्यक्ति हमेशा अपने विकल्पों पर दोबारा विचार करता है, क्योंकि इसका कोई पैमाना नहीं होता है। हर एक एक्टर का सफर इतना अनूठा होता है कि इसमें कोई बेंचमार्क नहीं होता है।